*

ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

26 जून, 2024
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, पंचमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 09, अंक 246

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

सेना में आदिवासी रेजीमेंट का हो गठन : चंपाई सोरेन

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 67,400 रु./10 ग्राम
चांदी 94,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 26 जून, 2024
www.azadsipahi.in

अर्जुन मुंडा के सामने सियासी मैदान में वापसी का चैलेंज

■ जमीन से कट जाने की कीमत चुका रहा है भाजपा का यह कद्दावर आदिवासी नेता

■ 'जाइंट किलर' आज खुद के बुने जाल में फंस कर बुरी तरह छटपटाने को मजबूर है

आजाद सिपाही विशेष

राजनीति बेहद अनिश्चितता का पर्याय है। यहां कब किसका सितारा बुलंद होगा और कब कौन हाशिये पर चला जायेगा, कहा नहीं जा सकता। तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे अर्जुन मुंडा इसके सबसे अच्छे उदाहरण हैं। वह झारखंड की सियासत में एक धूम्रकेतु की तरह उभरे और देखते-देखते सत्ता शीर्ष तक जा पहुंचे, लेकिन 2024 में खूंटी संसदीय सीट से चुनाव हारने के बाद अब उनका सियासी भविष्य पूरी तरह अनिश्चितता के भंवर में फंसा हुआ दिखाई देने लगा है। इससे पहले 2014 के विधानसभा चुनाव में खरसावां से पराजित होने के बाद वह न केवल झारखंड की राजनीति से, बल्कि भाजपा के भीतर भी हाशिये पर धकेल दिये गये थे, लेकिन 2019 में भाजपा ने एक बार उन पर फिर भरोसा जताया और उन्हें खूंटी से प्रत्याशी बनाया। मुंडा जीते भी और फिर नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री बने। झारखंड भाजपा में बड़ा आदिवासी चेहरा होने के कारण पार्टी में उनका कद बढ़ता रहा, लेकिन कभी सियासी जोड़-तोड़ में माहिर माने जानेवाले अर्जुन मुंडा अपने ही घर में बेगाने होते गये। जमीन से पूरी तरह कट जाने और अपनों को नजरअंदाज करने की कीमत उन्हें 2024 में चुकानी पड़ी। अर्जुन मुंडा आज जिस दोराहे पर खड़े हैं, उसके लिए कोई दूसरा जिम्मेदार नहीं है। झामुमो के रास्ते भाजपा में आने और सबसे कम उम्र में मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम करनेवाले अर्जुन मुंडा कभी कांग्रेस के विजय सिंह सोय को पराजित कर 'जाइंट किलर' बने थे, लेकिन आज यह कद्दावर नेता अपने ही बुने जाल में फंस कर बुरी तरह छटपटाने को मजबूर है। अर्जुन मुंडा के उत्थान और फिसलन की कहानी बेहद रोमांचक है और इस पर गहन शोध हो सकता है कि कैसे एक लोकप्रिय राजनीतिक शख्सियत देखते-देखते अनिश्चितता के अंधकार में खोने लगा है। अर्जुन मुंडा के इसी उत्थान और फिसलन की कहानी के साथ उनकी सियासी वापसी के रास्ते में क्या है चुनौती, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में झारखंड में जिस एक सीट के परिणाम ने किसी को चौंकने के लिए मजबूर नहीं किया, वह था खूंटी। 2019 के संसदीय चुनाव में खूंटी सीट से अर्जुन मुंडा की जीत महज 1445 वोटों से हुई थी, लेकिन इस बार चुनाव से पहले ही उनकी संभावनाएं सवालिया घेरे में थीं। हुआ भी ऐसा ही, जब अर्जुन मुंडा करीब डेढ़ लाख वोटों के अंतर से कांग्रेस के कालीचरण मुंडा से पराजित हो गये। इसके साथ ही कभी भाजपा के इस सबसे बड़े आदिवासी चेहरे के राजनीतिक भविष्य के बारे में चर्चाएं शुरू हो गयी हैं। अर्जुन मुंडा अब क्या करेंगे, कैसे अपनी वापसी करेंगे और भाजपा उनका कैसे इस्तेमाल करेगी, ये तमाम सवाल झारखंड की फिजाओं में तैर रहे हैं। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि तीन बार मुख्यमंत्री और दो बार सांसद और केंद्र में मंत्री का पद संभाल चुका चुका कोई नेता इतनी जल्दी राजनीतिक बियाबान में खो जायेगा, यह सहज स्वाभाविक नहीं है।

अर्जुन मुंडा की पृष्ठभूमि

देश भर में सबसे कम उम्र में किसी राज्य का मुख्यमंत्री बननेवाले और कभी झारखंड में भाजपा के सबसे दमदार नेता के रूप में ख्याति हासिल करनेवाले अर्जुन मुंडा राज्य की राजनीति में आज कहीं गुम से हो गये हैं। अपने राजनीतिक कौशल और समझ की बदौलत तीन बार मुख्यमंत्री का पद संभालनेवाले अर्जुन मुंडा खूंटी से चुनाव हारने के बाद से ही सीन से गायब हैं। वह न तो भाजपा में नजर आ रहे हैं और न ही झारखंड की राजनीति में उनकी कोई भूमिका दिख रही है।

इस तरह फलक पर चमक उठे अर्जुन मुंडा

2019 में नरेंद्र मोदी सरकार में पहली बार शामिल होनेवाले अर्जुन मुंडा वर्ष 2003, 2005 और 2010 में झारखंड के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वर्ष 2014 में वह खरसावां विधानसभा सीट से चुनाव हार गये थे। झामुमो के प्रत्याशी दशरथ गगराई ने उन्हें हराया था। पांच वर्ष के वनवास के बाद उन्हें भाजपा ने वरिष्ठ सांसद कड़िया मुंडा की जगह खूंटी संसदीय क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतारा। अर्जुन मुंडा के मैदान में उतरते ही यह हॉट सीट बन गयी। सबकी निगाहें इस सीट पर टिक गयी। महज 1445 वोटों से अर्जुन मुंडा कांग्रेस के कालीचरण मुंडा को हरा कर सांसद बने। झारखंड में सबसे कम अंतर से जीतने वाले सांसद अर्जुन मुंडा ही रहे।

27 साल में विधायक और 35 साल में बने मुख्यमंत्री

अर्जुन मुंडा 27 साल की उम्र में पहली बार विधायक बने। वर्ष 1995 में उन्होंने खरसावां विधानसभा सीट से झारखंड मुक्ति मोर्चा से चुनाव लड़ा और कांग्रेस के दबंग नेताओं में शुमार रहे विजय सिंह सोय को हरा कर पहली बार विधायक बने। वर्ष 2000 में अर्जुन मुंडा भाजपा में शामिल हो गये। 35 साल की उम्र में 2003 में झारखंड के दूसरे मुख्यमंत्री बने। बतौर भाजपा प्रत्याशी, 2000 और 2005 के चुनावों में भी उन्होंने खरसावां से जीत हासिल की। वर्ष 2000 में अलग झारखंड राज्य का गठन होने के बाद अर्जुन मुंडा बाबूलाल मरांडी की कैबिनेट में समाज कल्याण मंत्री बनाये गये। वर्ष 2003 में समरेश सिंह, लालचंद महतो, मधु सिंह सरीखे नेताओं के विरोध के कारण बाबूलाल मरांडी को मुख्यमंत्री के पद से हटना पड़ा और राज्य की कमान 18 मार्च 2003 को अर्जुन मुंडा को पहली बार सौंपी गयी। इसके बाद 12 मार्च 2005 को दोबारा उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, लेकिन निर्दलीयों से समर्थन नहीं जुटा पाने के कारण उन्हें 14 मार्च 2006 को त्यागपत्र देना पड़ा। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया। उन्होंने लगभग दो लाख मतों के अंतर से जीत हासिल की। 11 सितंबर 2010 को वह तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने। उस समय तक अर्जुन मुंडा झारखंड में ही नहीं, पूरे देश में बड़े आदिवासी नेता के रूप में चर्चित हो गये थे। सियासी मैदान में उन्हें जोड़-तोड़ का माहिर खिलाड़ी कहा जाता था और झारखंड में भाजपा के विस्तार में उन्होंने अहम भूमिका निभायी।

ऐसे गिरने लगा अर्जुन मुंडा का ग्राफ

इसके बाद आया 2014, जब अर्जुन मुंडा खरसावां विधानसभा सीट से चुनाव हार गये और इसके साथ ही वह राजनीति के हाशिये पर धकेल दिये गये। यह अर्जुन मुंडा ही थे, जिनकी बदौलत भाजपा ने 2014 में 37 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि उसकी सहयोगी आजसू को पांच सीटें मिली थीं। भाजपा ने सरकार बनायी और भाजपा ने बड़ा सियासी प्रयोग रघुवर दास को सीएम बना कर किया। उस अवधि में अर्जुन मुंडा किसी अछूत की तरह अलग-थलग रहे। तब कहा जाने लगा था कि अर्जुन मुंडा की पारी खत्म हो गयी है। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें खूंटी संसदीय सीट से मैदान में उतारा। अर्जुन मुंडा ने पार्टी आलाकमान के भरोसे को कायम रखा और पार्टी के एक खेमे के असहयोग के बावजूद चुनाव जीतने में सफल रहे। यह तथ्य सार्वजनिक है कि अर्जुन मुंडा के रास्ते में भाजपा के कई बड़े नेता लगातार रोड़े अटकाते रहे। यहां तक कि चुनाव में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को खूंटी जाने से भी मना कर दिया गया था। इसके बावजूद अर्जुन मुंडा ने जीत हासिल की और बाद में केंद्रीय कैबिनेट में शामिल हुए।

सलाहकारों ने दूर कर दिया अपनों से

अर्जुन मुंडा के सियासी करियर का ग्राफ उनके तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के साथ ही गिरने लगा था। कभी बेहद लोकप्रिय और आम लोगों से रिश्ता बनाने में माहिर अर्जुन मुंडा को ऐसे लोगों ने घेर लिया, जो न तो आम लोगों की भावनाएं समझते थे और न ही उस वर्ग से आते थे, जिसका प्रतिनिधित्व अर्जुन मुंडा करते थे। इसका परिणाम यह हुआ कि अर्जुन मुंडा धीरे-धीरे लोगों से कटने लगे। जो अर्जुन मुंडा मुख्यमंत्री रहते किसी भी परिचित के घर अचानक पहुंच जाया करते थे, जब कभी भी फोन घुमा कर हाल चाल लेते थे, धीरे-धीरे लोगों से दूर होते गये। सफेद लक-दक कपड़ों, सोने के मोटे-मोटे चेन और लग्जरी गाड़ियों वाले सहयोगियों ने सहज-सरल अर्जुन मुंडा को गोल्फ कल्चर में फंसा दिया। पद से हटने के बाद भी अर्जुन मुंडा ने उस दौर को वापस लाने की कोशिश की, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

फिर 2019 में पहले सांसद और फिर मंत्री बनने के बाद अर्जुन मुंडा का वह दौर वापस नहीं आ सका। उनके साथ वैसे लोग थे, जिन्हें न तो आम लोगों से कोई मतलब था और न ही पार्टी कार्यकर्ताओं से। इन लोगों से घिर कर अर्जुन मुंडा भी जमीन से कटते गये और नतीजा आज सामने है।

भाजपा के लिए बड़ा चेहरा रहे अर्जुन मुंडा कभी एक समुदाय या जातीय समूह के नेता नहीं रहे। उनकी लोकप्रियता और जनाधार के पीछे उनकी यही समझदारी है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने झारखंड में हमेशा भाजपा के किले को न केवल सुरक्षित रखा, बल्कि झारखंड को विकास के रास्ते पर आगे ले जाने में अपनी कुशलता का परिचय भी दिया। लेकिन इसे विडंबना ही कहा जा सकता है कि उसी अर्जुन मुंडा धीरे-धीरे अपनी जमीन से कटते गये।

अर्जुन मुंडा के बारे में कहा जाता है कि वह हमेशा दूर की राजनीति करते हैं। वह मानते हैं कि एक दिन उनका भी समय आयेगा और तब वह एक बार फिर झारखंड की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभायेंगे। वह उस समय के इंतजार में हैं, क्योंकि जल्दबाजी में वह कोई कदम नहीं उठाते। दूसरी बार चुनावी पराजय के बाद उनके सामने खुद को झारखंड की राजनीति में वापस लाने का चैलेंज है। अर्जुन मुंडा को सबसे पहले अपनी राजनीतिक जमीन तलाशनी होगी। कोई भी नेता तभी किसी ऊंचाई को छू सकता है, जब उसके पास अपनी राजनीतिक जमीन हो। उस जमीन को उर्वर बनाने के लिए उसे लोगों के बीच रहना होगा। कार्यकर्ताओं के सुख दुख में साथ निभाना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि अर्जुन मुंडा इतनी जल्दी हार नहीं मानेंगे और अपनी खोयी जमीन को वापस पाने के लिए अथक परिश्रम करेंगे।

हम रामलला को बारिश में भीगते नहीं देख सकते क्योंकि उनका तीर-धनुष हमारे पास है : सुप्रियो

- पहली ही बारिश में राममंदिर की छत से टपक रहा पानी
- भाजपा का भ्रष्टाचार हुआ उजागर, रामपथ का निर्माण और रेलवे स्टेशन की बाउंड्री ढह गयी
- भाजपा के लिए भ्रष्टाचार ईश्वर से भी अधिक प्राथमिकता वाली चीज है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेएमएम महासचिव और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हम रामलला को बारिश में भीगते नहीं देख सकते, क्योंकि उनका तीर-धनुष हमारे पास है। सुप्रियो ने प्रेस वार्ता कर कहा कि पहली ही बारिश में अयोध्या में बने राम मंदिर की छत से पानी चूना शुरू हो गया। इस बात की पुष्टि किसी बाहर के आदमी ने नहीं, बल्कि मंदिर के महंत सत्येंद्र दास ने की। उन्होंने कहा कि मंदिर की छत से पानी टपक रहा है और गर्भगृह से इसकी निकासी की जगह नहीं है। सुप्रियो ने याद दिलाया कि शंकराचार्य पहले ही आधा बने मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करने से मना कर चुके थे। इस बहाने सुप्रियो ने पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, पीएम खुद को अवतार बता चुके हैं। उनका मानना है कि वे राम को कहीं भी ले जा सकते हैं। लेकिन उनकी जल्दबाजी की कथा और परिणाम सबके सामने है। सुप्रियो ने कहा, केवल गर्भगृह नहीं, जिस रामपथ का निर्माण किया गया वो भी पहली बारिश में ढह गया। कहा वो रेलवे स्टेशन जहां बड़ी संख्या में रामभक्त यात्री जाते हैं, उसकी चहारदीवारी भी गिर गयी। कहा, ये है भारतीय जनता पार्टी के भ्रष्टाचार का नायाब उदाहरण। कहा, बीजेपी ने ईश्वर को भी नहीं छोड़ा। इनके लिए भ्रष्टाचार ईश्वर से भी अधिक प्राथमिकता वाली चीज है।

निर्माण में सक्रिय रही गुजरात लॉबी : सुप्रियो ने कहा, बीजेपी के लोग राम के नाम पर वोट मांगते हैं। लेकिन राम मंदिर के निर्माण के मामले में जमीन खरीद में लूट हुई। ये सभी बातें भी जनता के सामने आयी हैं। जेएमएम नेता ने कहा, लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया। कहा ये भी याद रखिये कि अभी बारिश का मौसम पूरी तरह से नहीं आया है। अभी पूरा मानसून बाकी है। जब मानसून आयेगा तो क्या स्थिति होगी, क्या भयावह रूप होगा, इसकी कल्पना सब लोग करें। कहा, ये यानी बीजेपी के लोग भ्रष्टाचार पर बहुत भाषण देते हैं। लेकिन अभी तक बीजेपी के एक भी नेता ने ये स्वीकार नहीं किया कि राम मंदिर का निर्माण घटिया तरीके से हुआ है। इसमें पैसे खाये गये। आरोप लगाया कि गुजरात लॉबी ने वहां काम किया। बाकी निर्माण का भी यही हाल है। ये है भारतीय जनता पार्टी की सच्चाई।

आस्था में भ्रष्टाचार की मिलावट

सुप्रियो ने कहा, अयोध्या फैजाबाद के लोगों ने इस संदेश को चुनाव के दौरान पहले ही बता दिया था। जेएमएम नेता ने कहा, बीजेपी की लूट का असर भी इसी तरह से पड़ा है। कहा राम के लंका गमन के रास्ते में पड़ने वाली किसी भी सीट पर बीजेपी को जीत नहीं मिली है। कहा, वे चित्रकूट से लेकर रामेश्वरम तक, सात लोकसभा सीटों पर हार गये। ये बताता है कि प्रभु श्रीराम का जो दुरुपयोग करेगा, उसका प्रतिफल उसको मिलेगा। कहा कि हम लोग आज बहुत आहत हैं इस बात से। क्योंकि जो सच्चा राम भक्त है, वो कतई नहीं चाहता है कि उसकी आस्था में भ्रष्टाचार की मिलावट हो। कहा, हम अपने राम लला को बारिश में भीगने नहीं देंगे। क्योंकि उनका जो धनुष बाण है वो हमारे साथ है।

झामुमो की प्रेस वार्ता पर भाजपा का पलटवार

आखिर प्रभु श्रीराम की याद आ ही गयी: प्रतुल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्रेस वार्ता पर पलटवार करते हुए इंडी गठबंधन को रामद्रोही करार दिया। प्रतुल ने कहा कि सितंबर 2007 में यूपीए की सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एफिडेविट करके रामलला के अस्तित्व को नकारा था और रामायण को काल्पनिक ग्रंथ बताया था। यूपीए के कार्यकाल में लंबे समय तक प्रभु श्रीराम टेंट में विराजमान रहे थे। प्रभु श्रीराम के मंदिर के उद्घाटन समारोह के न्योता को जिस इंडी गठबंधन के लोगों ने ठुकराया हो, आज उन्हें प्रभु श्रीराम याद आ रहे हैं। प्रभु श्रीराम उनके लिए आज तक कभी आस्था के प्रतीक नहीं रहे। कभी नहीं रहे। प्रतुल ने कहा, राम मंदिर में जल रिसाव की बात चार दिन पुरानी है। झामुमो को ये आज ज्ञान हुआ। राम मंदिर निर्माण समिति के आधिकारिक प्रवक्ता ने बयान देकर स्पष्ट किया कि नाली में अवरोध की समस्या के कारण पानी का जमाव हो गया था, जिसे तीन घंटे के भीतर ठीक कर लिया गया। प्रतुल ने कहा, झामुमो बिना तथ्यों की तहकीकात किये हुए अनर्गल बयानबाजी कर रहा है। प्रतुल ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा को बताना चाहिए कि उनके दल से जुड़े एक पूर्व मुख्यमंत्री ने मोरहाबादी में रावण दहन कार्यक्रम में जाने से क्यों इंकार कर दिया था? क्या उस कार्यक्रम में नहीं जाना प्रभु श्रीराम का अपमान नहीं था? उन्होंने ऐसा कर के 140 करोड़ देशवासियों की भावनाओं को आहत किया था। प्रतुल ने कहा ये लोग सुविधा की राजनीति करते हैं। कभी उनके लिए रावण श्रेष्ठ हो जाता है, तो कभी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम याद आ जाते हैं। प्रतुल ने कहा, दरअसल इस सरकार ने बालू घोटाला, कोयला घोटाला, पत्थर घोटाला, जमीन घोटाला, ट्रांसफर पोस्टिंग घोटाला, नौकरी घोटाला जैसे घोटाले किये हैं। इनका पाप का घड़ा भर गया है। अब ये प्रभु श्रीराम की शरण में जो जाने का नाटक कर रहे हैं, यह सिर्फ अपने भ्रष्टाचार से ध्यान हटाने की कवायद है। लेकिन उनके पाप इतने हो गये हैं कि शायद प्रभु श्रीराम भी माफ ना करें। कार सेवा का संकल्प लेने की बात करने से पहले अच्छा होता झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता पहले एक बार प्रभु श्रीराम का दर्शन तो कर लेते।

जमीन दलाल कमलेश को इडी ने भेजा समन, 28 को बुलाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जमीन घोटाले मामले की जांच कर रही इडी ने कमलेश कुमार को समन भेजा है। रांची स्थित जोनल कार्यालय में 28 जून को उपस्थित होने को कहा है। जमीन करोबारी शेखर कुशवाहा की निशानदेही पर 21 जून को कमलेश के ठिकाने पर इडी ने छापेमारी कर एक करोड़ नगद और 100 कारतूस बरामद किये थे।

शेखर ने पूछताछ के दौरान इडी के अधिकारियों के सामने स्वीकार किया था कि उसने रांची के ही एक अन्य जमीन दलाल कमलेश के साथ मिल कर फर्जी दस्तावेज की मदद से कांके रोड स्थित कई प्लॉट की खरीद-बिक्री की थी।

आज से 6 जुलाई तक आजसू का राज्यभर में हल्ला बोल कार्यक्रम

हल्ला बोल कार्यक्रम के माध्यम से हम जनता की आवाज बनेंगे : डॉ. देवशरण भगत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी राज्य के सभी 260 प्रखंडों और 51 नगर इकाइयों में हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन करेगी। हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन 26 जून से 6 जुलाई तक होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न, बिजली आपूर्ति में अनियमितता, मनरेगा मजदूरों को मजदूरी न मिलना, पलायन, मानव तस्करी, प्रशासनिक उदासीनता समेत जनमानस को आ रही अन्य समस्याओं के खिलाफ नगर आयुक्त और विकास प्रखंड

पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जायेगा। उक्त जानकारी पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने बताया कि हल्ला बोल कार्यक्रम के माध्यम से आजसू पार्टी राज्यवासियों की आवाज बनेगी। आज सरकारी कार्यलयों में जरूरमंद लोगों का काम नहीं हो रहा है। काम सिर्फ उनका हो रहा है जिनके पास पैसे हैं। गरीबों को अपने छोटे से काम के लिए कई दिनों तक कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं और वहीं दूसरी ओर जिनके पास पैसे हैं उनका हर काम आसानी से हो जाता है।

30 जून को पूरे राज्य में हूल दिवस मनायेगी आजसू

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह के प्रतीक हूल दिवस पर सभी जिला एवं प्रखंड में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जायेगा। अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो व अन्य क्रांतिकारी सपूतों को पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे तथा संताल विद्रोह के महानायकों की संघर्ष गाथा पर प्रकाश डालेंगे। प्रेसवार्ता में केंद्रीय महासचिव विजय साहू तथा वरीय नेता नवीन कुमार भी उपस्थित थे।

www.epaper.azadsipahi.in

26 जून, 2024
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, पंचमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
बुधवार, वर्ष 09, अंक 246

2,3 BHK FLAT AVAILABLE
FOR SALE
At Bootymore & Tatisilwai
(Residential & Commercial)
On Road, Project Near & Smart Point Booty More, Ranchi
Contact Now
8521980977

मुख्यमंत्री ने सैन्य अधिकारियों को अपनी भावना से कराया अवगत

सेना में आदिवासी रेजीमेंट का हो गठन : चंपाई सोरेन

- मुख्यमंत्री से भारतीय सेना के जनरल ऑफिसर, कमांडिंग-इन-चीफ, इस्टर्न कमांड और लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने की मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मंगलवार को भारतीय सेना के जनरल ऑफिसर, कमांडिंग-इन-चीफ, इस्टर्न कमांड और लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जाट रेजीमेंट, बिहार रेजीमेंट, पंजाब रेजीमेंट, सिख रेजीमेंट और मद्रास रेजीमेंट आदि की तर्ज पर आदिवासी रेजीमेंट बनाने से संबंधित अपनी भावना से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि आदिवासी रेजीमेंट के गठन से देश भर के आदिवासियों को सेना में अलग पहचान भी मिलेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, लेफ्टिनेंट जनरल राजेंद्र पुरी, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर, कर्नल वीएस आडकर और मेजर जनरल एमपी सिंह मौजूद थे।

आदिवासियों को आगे लाने की करें पहल: मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना में झारखंड के आदिवासी युवा अपनी सेवा देते आ रहे हैं। फौज बहाली में यहां के आदिवासियों को और ज्यादा से ज्यादा अवसर प्राप्त हो, इसमें सेना आदिवासियों को आगे लाने की दिशा में पहल करे। लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने मुख्यमंत्री को भरोसा दिलाया कि इस दिशा में सेना की स्थानीय जीओसी के माध्यम से आदिवासियों को सेना बहाली के योग्य तैयार करने के लिए प्रशिक्षण समेत अन्य सभी सहयोग किया जायेगा।

इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी बनाने में सरकार करेगी मदद

लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने झारखंड में भी पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन का प्रस्ताव रखा। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में सेना द्वारा प्रस्ताव मिलने पर सरकार पूरा सहयोग करेगी। ज्ञातव्य है कि सेना के इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी में भूतपूर्व सैनिक होते हैं, जो पर्यावरण के लिए कार्य करते हैं। झारखंड में इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन से पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में सेना भी बड़े स्तर पर अपना योगदान कर सकेगी। खासकर इस राज्य के भौगोलिक परिवेश को देखते हुए जंगलों और खनन क्षेत्र में वृक्षारोपण और अन्य माध्यमों से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

लेफ्टिनेंट जनरल तिवारी ने सीएम का जताया आभार

लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने डुरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन में राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे सहयोग के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने बताया कि डुरंड कप (प्रेसिडेंट कप) एशिया की सबसे पुरानी और विश्व की दूसरी सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता है। इस बार जमशेदपुर की मेजबानी में इस प्रतियोगिता का आयोजन होना है, जिसमें राज्य सरकार हर स्तर पर सहयोग कर रही है।

पीएम ने आपातकाल को लेकर सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

इमरजेंसी लगाने वाले संविधान पर प्यार न जतायें : नरेंद्र मोदी

- चिदंबरम बोले, इस बार दूसरी इमरजेंसी से बचने के लिए जनता ने वोट किया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। इमरजेंसी की मंगलवार को 49वीं बरसी थी। इससे एक दिन पहले 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में विपक्षी सांसदों ने संविधान की कॉपी लेकर शपथ ली थी। इसे लेकर प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि इमरजेंसी लगाने वालों को संविधान पर प्यार जताने का अधिकार नहीं है। प्रधानमंत्री ने एक के बाद एक चार पोस्ट किये। उन्होंने कहा, जिस मानसिकता की वजह से इमरजेंसी लगायी गयी, वह आज भी इस पार्टी में जिंदा है।

प्रधानमंत्री के पोस्ट पर कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि देश को दूसरी इमरजेंसी से बचाने के लिए जनता ने इस बार वोट किया है। हमारे संविधान ने ही जनता को आने वाली एक और इमरजेंसी रोकने की याद दिलायी है। उन्होंने कहा कि जनता ने इस लोकसभा चुनाव में भाजपा के मंसूबों को कम करने के लिए वोट किया है। जनता ने इस तरह का मतदान कर कहा है कि कोई भी शासक संविधान के मूल ढांचे को नहीं बदल सकता है। भारत एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश बना रहेगा।

स्पीकर के लिए कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश के नाम पर टीएमसी भड़की

पवार ने चुनाव नहीं कराने की दी नसीहत

- लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर एनडीए और विपक्षी इंडिया ब्लॉक के बीच आम सहमति नहीं, आज चुनाव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर एनडीए और विपक्षी इंडिया ब्लॉक के बीच आम सहमति नहीं बनने के बाद दोनों गठबंधनों ने अलग-अलग उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। अब 26 जून को लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के साथ प्रोटेम स्पीकर अगले अध्यक्ष का चुनाव करने के लिए मतदान कराएयेगे। एनडीए ने राजस्थान के कोटा से तीन बार के सांसद ओम बिरला को प्रत्याशी बनाया है, वहीं कांग्रेस ने केरल के मवेलीकारा से आठ बार के सांसद कोडिकुन्निल के सुरेश को उम्मीदवार बनाया है। दोनों ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। कांग्रेस द्वारा उम्मीदवार दिये जाने के साथ ही इंडिया गठबंधन में दरार आ गयी है। तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बनर्जी ने नाराजगी जातयी है, तो एनसीपी (एससीपी) के प्रमुख शरद पवार ने चुनाव नहीं कराने की नसीहत दी है। ममता बनर्जी के सांसद भतीजे अभिषेक ने इस पर अलग स्टैंड लेने के संकेत दिये। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह एकतरफा फैसला है। उन्होंने कहा कि हमसे इस बारे में कोई संपर्क नहीं किया गया। इसके बारे में कोई चर्चा नहीं की गयी। दुर्भाग्य से यह एकतरफा फैसला लिया गया है। वहीं, शरद पवार ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ बातचीत हुई है। उसमें मैंने यह सुझाव दिया है कि आप सरकार में बैठे लोगों को अध्यक्ष का पद चुनाव निर्विरोध कराने दीजिए। स्पीकर का पद निर्विरोध हो, इसमें हमारी सहमति है। यह संदेश सरकार को दीजिए। साथ ही साथ मैंने यह सुझाव दिया कि डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को मिलना चाहिए। उधर, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष के पास स्पीकर के समर्थन के लिए राजनाथ सिंह का फोन आया था। विपक्ष ने साफ कहा है कि हम स्पीकर को समर्थन देंगे, लेकिन विपक्ष को डिप्टी स्पीकर का पद मिलना चाहिए। राजनाथ सिंह ने दोबारा फोन करने की बात कही थी, हालांकि कॉल नहीं आया।

न्यूज रील्स

उत्तरप्रदेश में पेपर लीक किया तो उम्रकैद तक होगी

लखनऊ। उत्तरप्रदेश में पेपर लीक को लेकर योगी सरकार कैबिनेट ने मंगलवार को पेपर लीक अध्यादेश को मंजूरी दे दी। इसमें एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना और उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। अब इसे मंजूरी के लिए राज्यपाल के पास भेजा जायेगा। राज्यपाल के अनुमोदन के बाद अध्यादेश लागू हो जायेगा।

हाइकोर्ट ने केजरीवाल की जमानत रद्द कर दी

नयी दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल अभी जेल में ही रहेंगे। हाइकोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग केस में मंगलवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि दलीलों पर सही ढंग से बहस नहीं हुई थी, इसलिए राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को रद्द करते हैं। ऐसा लगता है कि केजरीवाल को जमानत देते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया गया।

सीएम ने दो विभागों की उच्चस्तरीय समीक्षा की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। *मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने विभागों की उच्चस्तरीय समीक्षा का सिलसिला जारी रखते हुए मंगलवार को दो विभागों की समीक्षा की और अधिकारियों को कई निर्देश दिये। इनमें खाद्य, आपूर्ति और स्वास्थ्य विभाग शामिल हैं। इन बैठकों में विभागीय मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव और बन्ना गुप्ता के अलावा मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विभागीय सचिव और अधिकारी समेत कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।*

खाद्य, आपूर्ति विभाग: रसोई गैस सब्सिडी योजना के लाभुकों के चयन का मानक जल्द तय करें

मुख्यमंत्री ने रसोई गैस सब्सिडी योजना के लाभुकों के चयन का मानक जल्द तय करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। सीएम ने खाद्य सुरक्षा योजना का दायरा बढ़ाने की पहल करने और हरा राशन कार्ड जारी करने के लक्ष्य को बढ़ाने को कहा। उन्होंने मुख्यमंत्री सपोर्ट योजना के गाइडलाइन को सरल बनाने, दाल-भात केंद्रों को सुदृढ़ बनाने और सोना-सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना के तहत दिये जाने वाले धोती/लूंगी और साड़ी की क्वालिटी अच्छी कर उसका पैकेट बनाने का निर्देश भी दिया।

स्वास्थ्य विभाग: लोगों के इलाज की नयी योजना शुरू करेगी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि राज्य का कोई भी गरीब व्यक्ति इलाज से वंचित ना रहे, इसके लिए सरकार एक नयी योजना शुरू करने जा रही है। इस योजना के तहत आयुष्मान कार्ड से वंचित राशन कार्ड धारी सभी व्यक्ति को 15 लाख तक की इलाज की सुविधा मिलेगी। इस योजना को जल्द से जल्द शुरू करने की सभी प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने का निर्देश उन्होंने दिया। उन्होंने राज्य के सभी स्वास्थ्य उप केंद्रों को बेहतर बनाने, नर्सिंग स्कूलों और कॉलेज की कैपेसिटी बढ़ाने, पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए निवेशकों को आमंत्रित करने, सभी अस्पतालों में एक ही भवन में ओपीडी और चिकित्सा जांच की सुविधा उपलब्ध करने समेत कई अन्य निर्देश दिये।

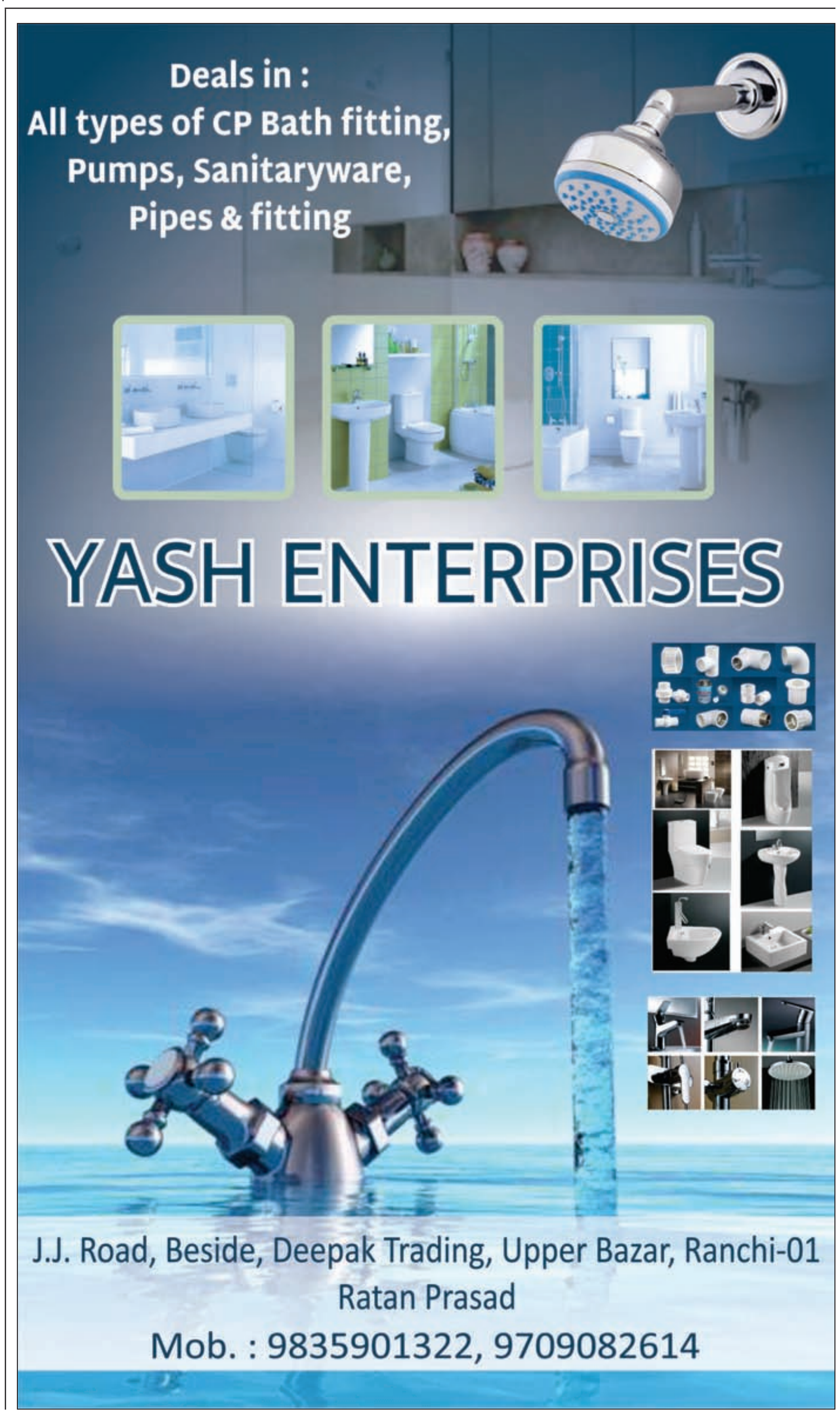

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी अचानक दिल्ली से पहुंचे रांची

मीर ने कल्पना के साथ जेल में हेमंत से की मुलाकात

- राजनीतिक गलियारे में मंत्री पद और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा होने की बात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोकसभा चुनाव समाप्त हो चुका है। राजनीतिक दल अब राज्य में नवंबर-दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गये हैं। लोकसभा चुनाव की समीक्षा और आगे की रणनीति बनने लगी है। एक दिन पहले भाजपा के चुनाव प्रभारी ने रांची में बैठक की, तो मंगलवार को अचानक कांग्रेस प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर दिल्ली से रांची पहुंच गये। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी सह गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन के साथ वह होटवार जेल पहुंचे। वहां, हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इसके तत्काल बाद वह दिल्ली लौट गये। इसे लेकर राजनीतिक गलियारे में चर्चा शुरू हो गयी है। माना जा रहा है, जल्द ही राज्य सरकार में खाली पड़े मंत्रियों के पद भरे जायेंगे। इसी को लेकर मीर जेल में हेमंत सोरेन से मिलने गये थे। उनसे मिलने के बाद मीर दिल्ली लौट गये।

दिल्ली में हैं प्रदेश के सभी नेता: मीर रांची क्यों आये थे? हेमंत के साथ उनकी क्या बात हुई? इस बारे में आधिकारिक रूप से फिलहाल कुछ नहीं बताया गया है। हालांकि इस मुलाकात को बेहद खास बताया जा रहा है। इसकी वजह भी है। दरअसल, झारखंड कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश ठाकुर समेत तमाम बड़े पदाधिकारी दिल्ली में हैं। वहां राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक भी हुई है। इसी बीच कांग्रेस प्रभारी का रांची आकर हेमंत से मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं।

कांग्रेस कोटे का मंत्री पद है खाली

उधर, विधायक आलमगीर आलम की गिरफ्तारी के बाद से कांग्रेस कोटे का मंत्री पद खाली है। चर्चा है कि कांग्रेस ने नये विधायक को यह पद सौंपने की तैयारी कर ली है। पार्टी आलाकमान ने नाम भी तय कर लिया है। जल्द ही इसकी घोषणा होगी। संभव है कि बारहवां मंत्री पद भी भर दिया जाये। यह संभवतः झामुमो को मिलेगा। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में गठबंधन के बीच सीटों का बंटवारा, किन मुद्दों पर चुनाव लड़ा जायेगा, इन तमाम बातों पर भी कांग्रेस की बैठक में चर्चा हुई थी। कांग्रेस प्रभारी मीर इन्हीं बातों से अवगत कराने और इन पर चर्चा करने के लिए हेमंत सोरेन से मिलने के लिए आये थे।

क्या कहा कांग्रेस प्रदेश प्रभारी ने

कांग्रेस प्रभारी के रांची आगमन की सूचना गुप्त रखी गयी थी। पार्टी की ओर से इस बारे में कोई सूचना नहीं दी गयी थी। दिल्ली लौटते वक्त मीडिया ने उनसे अचानक रांची आने के बारे में पूछा। मीर ने सिर्फ इतना कहा कि बहुत जल्द मंत्री के नाम की घोषणा होगी। मुलाकात के दौरान सीट शेयरिंग को लेकर भी चर्चा हुई है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	34.8 °c	26.0 °c
सूर्यास्त (आज)	:	18.38 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.04 बजे

कांग्रेस पार्टी के डीएनए में भ्रष्टाचार और तानाशाही : बाबूलाल मरांडी

गांव-गांव, घर-घर जाकर बतायें कांग्रेस का चरित्र, झूठ और फरेब

भाजपा कभी भी दुबारा कांग्रेस की तानाशाही नहीं लौटने देगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश भाजपा द्वारा मंगलवार को आपातकाल दिवस को काला दिवस के रूप में मनाया गया। भाजपा के नेता, कार्यकर्ताओं ने काला बिल्ला लगाकर इसे मनाया। प्रदेश के सभी 27 सांगठनिक जिलों में गोष्ठी आयोजित कर वक्ताओं ने आपातकाल की चर्चा की तथा देश की नयी पीढ़ी को इसे जानने और समझने का आह्वान किया। रांची महानगर भाजपा द्वारा आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आपातकाल पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री मरांडी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के डीएनए में तानाशाही और भ्रष्टाचार है। 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी के द्वारा देश में लागू आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का एक काला अध्याय है।

उन्होंने कहा कि आज लोकतंत्र बचाने, संविधान बचाने का ढोंग, नाटक करने वालों ने भारत से लोकतंत्र को ही समाप्त करने की कोशिश की। ये वही कांग्रेस है जिसने अपने हित में बार बार संविधान में संशोधन किये। तानाशाही रवैया ऐसा कि केवल आपातकाल ही नहीं लगाया बल्कि अपने शासन का दुरुपयोग करते हुए 100 से ज्यादा बार चुनी हुई सरकारों को गिराकर राष्ट्रपति शासन लगाये।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संविधान की बात करते हैं। उन्हें अपनी मनमोहन सरकार के कैबिनेट के निर्णय को चौराहे पर फाड़ने की बात याद रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के द्वारा इंदिरा गांधी ने जनता के साथ क्रूरता की पराकाष्ठा की। प्रेस तक की आजादी छीन ली।

झूठ फरेब, भ्रष्टाचार, सदन में हंगामा कांग्रेस का चरित्र

कहा कि कांग्रेस का यही चरित्र आज भी है। झूठ फरेब, भ्रष्टाचार, सदन में हंगामा, असंवैधानिक आचरण, संवैधानिक संस्थाओं की आलोचना ये सब की पुनरावृत्ति कांग्रेस जब भी अवसर पाती है करने से नहीं चूकती। कहा कि कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर छटपटा रही है। अब सदन में प्रोटेम स्पीकर पर भी हंगामा कर रही। इनके बयान सिलेक्टिव होते हैं। अपने सहयोगियों पर भी कहीं समर्थन तो कहीं प्रबल विरोध का नाटक करते हैं। कहा कि जनता इनके इस चरित्र को समझ चुकी है। इसलिए राहुल गांधी सत्ता में कभी नहीं आ सकते।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 60वर्षों से ज्यादा जंगल, पहाड़, गांव, टोलों में रहने वाले गरीब, आदिवासी, दलित, वंचित बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसते रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इस पाप को जनता के बीच ले जायें, गांव-गांव, टोले, गलियों, घरों तक ले जायें। उन्होंने कहा कि खासकर नयी पीढ़ी को कांग्रेस के काले कारनामों से परिचित कराने की जरूरत है। विचार गोष्ठी में आपातकाल के दौरान मीसा कानून के तहत जेल जाने वाले रांची के विधायक सीपी सिंह, पूर्व विधायक राम चंद्र नायक, भगवान प्रसाद, उमाशंकर केडिया, प्रेम मित्तल, राजकुमार गुप्ता, प्रमोद मिश्रा, शिव गोविंद पांडेय, राधेश्याम अग्रवाल, यतींद्र लाल दास, जगन्नाथ महतो एवं भोला नाथ मिश्रा आपातकाल में आंदोलन कर जेल जाने वाले आंदोलनकारियों को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन महानगर उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक जितेंद्र वर्मा ने किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, जीतू चरण राम, सीमा पासवान, हेमंत दास, प्रेम मित्तल, दिन दयाल वर्णवाल,केके गुप्ता, राजीव रंजन मिश्रा, रमेश सिंह, सुनील गुप्ता, शोभा यादव, ललित ओझा, संदीप वर्मा, प्रदीप सिन्हा, मुकेश मुक्ता, कृपा शंकर सिंह, अमित सिंह, अरुण झा, राजू सिंह, संजीव साहू, बसंत दास, नीरज सिंह, जितेंद्र पटेल, राहुल चौधरी, गुड्डू सिंह, राम लगन राम, अनीता वर्मा, रोमित नारायण सिंह, गोपाल सोनी, प्रमोद शाहदेव, सोनू सिंह, रणधीर सिंह सहित सैकड़ों की तादाद में पार्टी कार्यकर्ता एवं आपाकाल में जेल यात्रा करने वाले आंदोलनकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में महानगर कार्यालय, रातू रोड से दुर्गा मंदिर चौक तक काला बिल्ला लगाकर सांकेतिक मौन जुलूस निकाला गया।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ मिले केंद्रीय खेल मंत्री से

सांसद खेल महोत्सव में शामिल होने के लिए किया आमंत्रित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मंगलवार को दिल्ली में भारत सरकार के केंद्रीय श्रम एवं रोजगार एवं युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडवीया से मुलाकात कर आगामी 20, 21, 22, सितंबर को रांची में आयोजित होने वाले सांसद खेल महोत्सव के उद्घाटन सत्र में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। ज्ञात हो कि 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से रांची में भव्य सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया था, जिसमें रांची लोकसभा के अंतर्गत 6 विधानसभा के लगभग 10 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया था।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की एक सोच गांव में छिपी प्रतिभा जिन्हें अवसर नहीं मिल पाता है, जो पैसे के अभाव में या फिर खेल सुविधा नहीं होने के कारण अपनी प्रतिभा को सामने नहीं रख पाते हैं। वैसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को दिखाने का अवसर प्रदान करना ताकि यह बच्चे अपने प्रतिभा को साबित कर अपने राज्य और देश का प्रतिनिधित्व कर सकें क्योंकि यह अवसर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को नहीं मिल पाता है। सांसद खेल महोत्सव का आयोजन झारखंड ओलंपिक संघ के देखरेख में आयोजित किया जाता है। जहां देश के प्रतिष्ठित कोच उपलब्ध रहते हैं जो प्रतिभाशाली बच्चों के प्रतिभा को चयन कर उन्हें राज्य और देश के लिए खेलने को तैयार करते हैं। केंद्रीय मंत्री श्री सेठ के इस पहल पर पिछली बार सैकड़ो बच्चों की प्रतिभा सामने आयी थी आज वह बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। केंद्रीय मंत्री श्री सेठ की सोच की आगामी ओलंपिक में झारखंड के खिलाड़ी का चयन हो, वह खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करे। इसी सोच के साथ 2024 में भी सांसद खेल महोत्सव का आयोजन आगामी 20, 21, 22 सितंबर को रांची में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें एथलेटिक्स, बुशु, फेनसिंग, रेसलिंग, कबड्डी, महिला हॉकी, महिला क्रिकेट, योगा, तीरंदाजी, मलखव, वॉलीबॉल, ताइक्वांडो, महिला फुटबॉल, सहित दर्जन भर से अधिक खेलों को शामिल किया गया है।

श्री श्याम मंदिर में 107वां श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रामदूत अतुलित बल धामा अंजनि पुत्र पवनसुत नामा के सुरताल से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। अवसर था 107 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ का। श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को होने वाला 107 वां कार्यक्रम मंगलवार को भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। राजेश जयसवाल धर्मपत्नी रेशम जयसवाल ने परिवार के संग हनुमान जी महाराज की दिव्य अखंड पावन ज्योति प्रज्ज्वलित करके केसरिया पेड़ा, गुड़, चना, फल का प्रसाद अर्पित कर परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की। मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान विधिवत संपन्न करवाया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद की सेवा, केसरिया पेड़ा सेवा पुष्पा देवी पोद्दार, फल प्रसाद सेवा राजेश जयसवाल एवं गिरिगोला सेवा मुकेश मित्तल ने की। राजेश जायसवाल ने रामचरितमानस ग्रंथ व पाठ वाचकों का चंदन-वंदन किया। श्री गणेश वंदना करके हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ श्री सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ किया। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। बजरंगबली की जय जयकारों से हरमू रोड गूंज रहा था। पाठ के समापन के बाद प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया स्नेह पोद्दार आदि उपस्थित थे।

शनिवार को श्री श्याम भंडारा: 29 जून शनिवार को हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 118 वां श्री श्याम भंडारा सायं 5:00 बजे से होगा। उपरोक्त जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने दी।

इडी ने विष्णु अग्रवाल को पुगरु स्थित 9.5 एकड़ जमीन खाली करने का नोटिस भेजा

रांची (आजाद सिपाही)। जमीन फर्जीवाड़े की जांच कर रही इडी ने विष्णु अग्रवाल को नोटिस भेजा है। नोटिस के माध्यम से नामकुम के पुगरु स्थित 9.5 एकड़ जमीन 10 दिन में खाली करने को कहा है। पूर्व में इस जमीन को इडी ने कुर्क कर लिया है और निर्णायक प्राधिकार ने कुर्की की पुष्टि कर दी है। अब इडी इस जमीन पर कब्जा करेगा। गौरतलब हो कि नामकुम के पुगरु मौजा में 9.5 एकड़ खासमहल जमीन की रजिस्ट्री विष्णु अग्रवाल और आदर्श हाइट्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर की गयी थी। जांच में तत्कालीन डीसी छवि रंजन ने रजिस्ट्री को गलत पाया। लेकिन टाइटल सूट का मामला मानते हुए जमीन की अवैध रजिस्ट्री को रद्द नहीं किया। इडी ने इस मामले में आशीष कुमार गांगुली समेत डेढ़ दर्जन लोगों से पूछताछ की थी। आशीष ने 9 अगस्त 2019 को विष्णु अग्रवाल को यह जमीन बेची थी, जबकि आशीष कुमार गांगुली ने 2013 में उसी जमीन के लीज रिन्युअल के लिए तत्कालीन डीसी को आवेदन दिया था। इससे पूर्व इस जमीन की लीज 31 मार्च 2014 तक रामचंद्र मुखर्जी के नाम पर स्वीकृत है। गांगुली को यह पता था कि यह जमीन खासमहल की है, बावजूद उसने इस जमीन को विष्णु अग्रवाल को बेची। भू-राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से भू-माफियाओं के पक्ष में फर्जी तरीके से इन भू-खंडों का म्यूटेशन किया गया है।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में करियर मेले का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में मेगा करियर मेले का आयोजन किया गया। रांची सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स तथा निकटवर्ती जिलों के 10 से अधिक विद्यालयों के 1500 से अधिक छात्र-छात्राएं और 15 विश्वविद्यालय इस सत्र में उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम की शुरुआत मेडिटेशन से हुई, जिसमें प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह का आरंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। साथ ही विद्यालय के बच्चों द्वारा कत्थक नृत्य प्रस्तुत कर स्वागत किया गया। प्राचार्या ने इस सभा को संबोधित करते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य बताया। सत्र के मुख्य वक्ता नॉलेज रिसोर्स क्यूरेटर प्रणब मुखर्जी थे। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया और उन्हें सफलता का वास्तविक अर्थ समझाया। इसके बाद छात्रों और अभिभावकों के लिए करियर मेले का आयोजन किया गया। परामर्श के माध्यम से स्कूलों का रूपांतरण और नये युग के कौशल और करियर पर सत्र हाइस्कूल के प्रतिनिधियों के लिए आयोजित किये गये, जिनका संचालन मूवमेंट के संस्थापक, गणेश कोहली और आइसीथ्री संस्थान के शैक्षणिक प्रबंधक रतिश श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर छात्रों और अभिभावकों के लिए बूट कैंप का आयोजन किया गया। इसका विषय फ्रॉम कंपटीशन टू कंपीटेंस। कम्पैशन एंड माइंडफुलनेस इन काउंसलिंग, विषय पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गयी। इस पैनल चर्चा में प्रो. डॉ. गोपाल पाठक, कुलपति, सरला बिरला यूनिवर्सिटी, रांची, प्रो. डॉ. रमन कुमार झा, कुलपति, आइसीथ्री विश्वविद्यालय, डॉ सुभाष कुमार, प्राचार्य, टॉरियन वर्ल्ड स्कूल रांची, डॉ. कैप्टन सुमित कौर, प्राचार्या, गुरु नानक हाइयर सेकेंडरी स्कूल रांची, तनुश्री सरकार, अध्यक्ष, बाल कल्याण आयोग, डॉ. शालिनी लाल, सहायक प्रोफेसर , डीएसपीएमयू, रांची तथा हमारे स्कूल के पूर्व छात्र उज्जवल मोहता जैसे प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। दर्शकों को संलग्न रखने के लिए एक विशेष नेटवर्किंग क्विज का आयोजन किया गया। सीखने के इस क्रम के अंतिम सत्र का विषय था बीकमिंग द चेंजः वे फॉरवर्ड जिसका संचालन योगेश्वर नेवलकर, इवेंट मैनेजर, आइसीथ्री मूवमेंट ने किया। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि वर्तमान युग के छात्र सौभाग्यशाली हैं क्योंकि उन्हें अपने करियर की संभावनाओं को चुनने के लिए कई विकल्प मिलते हैं। उन्होंने मुख्यधारा के पाठ्यक्रम में अपरंपरागत और कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करने की सीबीएसइ की पहल का भी उल्लेख किया।

शेखर कुशवाहा से पूछताछ पूरी कोर्ट में पेशी के बाद भेजा गया जेल

रांची (आजाद सिपाही)। जमीन कारोबारी शेखर कुशवाहा से इंफोर्समेंट डायरेक्टोरेट की पूछताछ पूरी हो चुकी है। शुक्रवार को मिली चार दिनों की रिमांड अवधि पूरी होने के बार मंगलवार को शेखर कुशवाहा को रांची प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के विशेष कोर्ट में पेश किया गया। पेशी के बाद कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इडी ने भूमि घोटाले से संबंधित केस में कुशवाहा गिरफ्तारी की है। कुशवाहा से अब तक की हुई पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं। उसने एजेंसी को यह जानकारी दी है कि आदिवासी जमीन को जनरल बना कर बेचने का गोरखधंधा करने के खेल में कौन-कौन शामिल हैं। वहीं शेखर कुशवाहा ने इडी के समक्ष कई ऐसे नाम कबूले हैं, जो लैंड स्कैम के सिंडिकेट में शामिल हैं।

हाइकोर्ट के वकीलों के लिए स्पेशल बस सेवा शुरू

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड हाइकोर्ट के वकीलों के लिए आज (मंगलवार) से स्पेशल बस सेवा शुरू की गयी है। हाइकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस ने हाइकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के आग्रह पर रांची नगर निगम को वकीलों के लिए बस सुविधा मुहैया कराने का निर्देश दिया था, ताकि दूर दराज से आकर हाइकोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों को यातायात की सुविधा मिल सके। जिसके बाद रांची नगर निगम ने पुराने हाइकोर्ट से नये हाइकोर्ट के लिए तीन बसों की शुरुआत की है। पुराना हाइकोर्ट से रोजाना सुबह 9:00 बजे, 9:15 और 9:30 बजे से नया हाइकोर्ट के लिए खुलेगी। वहीं नये हाइकोर्ट से वापस आने के लिए शाम के 5:00 बजे, 5:15 बजे और 5:30 बजे बसें संचालित होंगी।

एनआइए से जुड़े मामले में प्रभु प्रसाद साहू को हाइकोर्ट से मिली जमानत

रांची (आजाद सिपाही)। एनआइए से जुड़े एक मामले में आरोपी प्रभु प्रसाद साहू को मंगलवार को झारखंड हाइकोर्ट से जमानत मिल गयी। प्रभु प्रसाद साहू पर उग्रवादी संगठन सीपीआइ माओवादी के सदस्यो के आने-जाने, रुकने आदि का बंदोबस्त करने का आरोप है। इसके अलावा व्यवसायियों एवं माओवादियों के बीच मध्यस्थता कायम रखने में भूमिका निभाने का भी उसपर आरोप है। मामले को लेकर चुटिया थाना में कांड संख्या 180 /2017 दर्ज की गयी थी। 30 अक्टूबर 2017 को इस मामले को एनआइए ने अपने हाथों में लिया था। वर्ष 2017 से प्रभु प्रसाद साहू जेल में है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिंह एवं अधिवक्ता ऋषभ कुमार ने पैरवी की। सुनवाई के दौरान प्रतीक की ओर से कोर्ट को बताया गया कि इसी से संबंधित मामले में एक आरोपी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है।

स्टार वार्स ग्लैमर इंडिया सीजन-2 फैशन शो में छाया शाहिद और अनुष्का का जलवा

- **कार्यक्रम में राज्यभर से आये 100 प्रतिभागियों ने दिखाया अपना टैलेंट**
- **अलग-अलग क्षेत्रों के 45 लोगों को दिया गया झारखंड गौरव सम्मान**

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मंगलवार को परी हूं मैं.... फैशन का जलवा.... जब छाये मेरा जादू... जैसे गानों पर शहर के हर उम्र के मॉडल्स रैंप पर कैट वॉक कर रहे थे, तो मौजूद दर्शक उनके कॉन्फिडेंस देखकर तालियां बजाते रहे। पीएसएम और स्टोरी लाइन इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में स्टार वार्स ग्लैमर इंडिया सीजन-2 फैशन शो और झारखंड गौरव सम्मान का आयोजन हरमू में हुआ। फैशन शो में राज्यभर से आये 100 प्रतिभागी शामिल हुए। इसमें युवाओं और बच्चों के लिए अलग-अलग कंपीटिशन हुए। साथ ही अलग-अलग क्षेत्रों में 45 लोगों को झारखंड गौरव सम्मान दिया गया। इसमें कला, खेल, मॉडलिंग, एंकरिंग, पत्रकारिता, शिक्षा आदि के चुने हुए लोग थे। कार्यक्रम का उद्घाटन हुसैन खान ने किया। जूरी की भूमिका साधना कुमार, नेहा प्रसाद, प्रज्ञा दीप और खुशी काकन ने निभाई। बड़ों और बच्चों दोनों की प्रतियोगिता में मॉडल्स को रैंप वॉक करना था। फिर चारों जज उनसे सवाल-जवाब कर रहे थे। ड्रेस पहनने और कॉन्फिडेंस को देखकर विजेताओं का चुनाव किया गया। अनुष्का कुमारी मिस और शाहिद आलम मिस्टर ग्लैमर इंडिया का खिताब जीते। फर्स्ट रनरअप शांभवी मिश्रा और अस्फान नौशाद हुए। सेकेंड रनरअप का खिताब रिता कच्छप और अजहर आलम ने जीता। बच्चों की प्रतियोगिता में विजेता का खिताब हर्षिका कुमारी को मिला। कार्यक्रम को सफल बनाने में पीएसएम के डायरेक्टर आसिफ अरशद खान, मारिया शहाब, शहबाज आदिल, कोमल, अखिका मोजाहिद खान, अनु कुमारी, अरमान, अंसारी बेलाल आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीएम ट्रैक्टर वितरण योजना का लाभ लेने को 3 तक करें आवेदन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने कृषक समूहों, एसएचजी, पानी पंचायतों, जलछाजन समितियों, लैंपस-पैक्स एवं अन्य किसान संगठनों को मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना का लाभ देने पर पहल शुरू की है। इसके लिए कृषि, पशुपालन विभाग, झारखंड द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 में योग्य समूहों को ट्रैक्टर देने की योजना है। इसके साथ कम से कम दो कृषि यंत्रों की खरीद पर कुल पैकेज राशि दस लाख रुपये में बड़े ट्रैक्टर पर अधिकतम अनुदान 50% एवं दो कृषि यंत्रों की खरीद पर अधिकतम अनुदान 80% देय होगा। वैसे कुल अधिकतम अनुदान 5 लाख रुपये ही लाभुक को देय होगा। विभाग के मुताबिक, कृषक समूहों, एसएचजी व अन्य के पास पहले से अगर ट्रैक्टर होगा एवं वे बस अतिरिक्त कृषि यंत्र चाहेंगे, उनको भी एक या एक से अधिक बड़े ट्रैक्टर चालित कृषि यंत्रों के क्रय के लिए 3 लाख रुपये तक की लागत के कृषि यंत्रों का 80% या अधिकतम अनुदान 2 लाख रुपये देय होगा।

ऐसे होगा लाभुक का चयन

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के अनुसार लाभुक कृषक समूहों, महिला स्वयं सहायता समूह और अन्य ट्रैक्टर योजना का लाभ लेने को नजदीकी भूमि संरक्षण कार्यालय से सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक निःशुल्क आवेदन फॉर्मेट प्राप्त कर सकते हैं। 3 जुलाई तक या जिलों में निर्धारित समय तक इसे जमा करना होगा। ट्रैक्टर पैकेज के भौतिक लक्ष्य का 50% क्षेत्र के विधायक की अनुशंसा को प्राथमिकता देते हुए जिलास्तरीय समिति द्वारा स्वीकृत किया जा सकेगा। ट्रैक्टर एवं सहायक कृषि यंत्रों के वितरण में वैसे लाभुक समूहों को प्राथमिकता दी जायेगी जिसके समूह के सदस्यों के पास खेती योग्य कुल भूमि 10 एकड़ से अधिक होगी। वैसे समूहों के पास ट्रैक्टर, वाहन का वैध लाइसेंस होगा। प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद डीसी या उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति के द्वारा अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा। विस्तृत जानकारी के लिए अपने नजदीकी भूमि संरक्षण कार्यालय से संपर्क करना होगा।

औद्योगिक नीतियों में जीएसटी प्रतिपूर्ति भुगतान प्रणाली लागू

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार की विभिन्न औद्योगिक नीतियों में जीएसटी इंसेंटिव के प्रावधानों को विलोपित कर दिया गया और इसके स्थान पर अब जीएसटी रीइंबर्समेंट के प्रावधानों को लागू कर दिया गया है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गयी है। इस वजह से अब विभिन्न औद्योगिक इकाई को वर्ष 2017-18 से वर्ष 2022-23 की अवधि के लिए विस्तारित योजना के लिए अनुमान्य एसजीएसटी रीइंबर्समेंट तीन माह के अंदर मिलने का रास्ता साफ हो गया। इस संबंध में गिरिडीह के अतिवीर इंडस्ट्री और झारखंड सरकार के बीच हाइकोर्ट में वाद भी चल रहा था, जिसके पारित आदेश के आलोक में यह बदलाव किया गया है। यह संशोधन उद्योग विभाग झारखंड औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन नीति 2021, झारखंड औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन नीति 2016, झारखंड औद्योगिक नीति 2012, झारखंड टेक्सटाइल एपरेल एवं फुटवेयर नीति 2016 एवं झारखंड ऑटो मोबाइल एवं ऑटो कंपोनेंट पॉलिसी 2016 का अंश भी होगी। दरअसल, नेट वैट नीति की वजह से औद्योगिक इकाइयों का प्रतिपूर्ति भुगतान नहीं हो पा रहा था अब जीएसटी प्रतिपूर्ति भुगतान प्रणाली लागू होने से इकाइयों को लाभ होगा।

पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति ने ज्ञापन सौंपा

आरक्षण शून्य जिलों में पिछड़ी जातियों को लाभ दिलाने की मांग

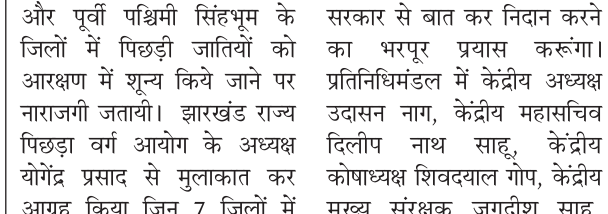

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष से मंगलवार को मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। समिति ने झारखंड प्रदेश के सात जिलों में गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा, लातेहार, खूंटी, दुमका और पूर्वी पश्चिमी सिंहभूम के जिलों में पिछड़ी जातियों को आरक्षण में शून्य किये जाने पर नाराजगी जतायी। झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद से मुलाकात कर आग्रह किया जिन 7 जिलों में आरक्षण शून्य किया गया है, इसे आयोग के सदस्यों से जांच कराकर यथा शीघ्र त्वरित कार्यवाही जाये। समिति ने कहा कि इन 7 जिलों में आरक्षण शून्य कर देने से यहां के जितने भी पिछड़ी जातियां हैं उनको शैक्षणिक, राजनीतिक, सामाजिक एवं रोजगार सभी तरह की समस्या को झेलनी पड़ रही है। योगेंद्र प्रसाद ने आश्वासन देते हुए कहा कि यह बहुत ही गंभीर मामला है। यथाशीघ्र इस मामले को झारखंड सरकार से बात कर निदान करने का भरपूर प्रयास करूंगा। प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय अध्यक्ष उदासन नाग, केंद्रीय महासचिव दिलीप नाथ साहू, केंद्रीय कोषाध्यक्ष शिवदयाल गोप, केंद्रीय मुख्य संरक्षक जगदीश साहू, सिमडेगा जिला संरक्षक कैलाश राम, केंद्रीय उपाध्यक्ष दुर्गा साहू के साथ पिछड़ी जाति संगठन के सक्रिय भागीदारी निभाने वाले बीरेंद्र साहू मौजूद थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

18वीं लोकसभा में राहुल गांधी होंगे विपक्ष के नेता

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 18वीं लोकसभा में विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी निभाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर मंगलवार को हुई बैठक में इस पर चर्चा हुई। बाद में इसका कांग्रेस की तरफ से एलान किया गया। बताया गया है कि खरगे के आवास पर हुई बैठक में विपक्ष के कई बड़े नेता शामिल हुए थे। इनमें राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के हनुमान बेनीवाल, राकांपा-शरदचंद्र पवार की सुप्रिया सुले शामिल थीं। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एलान किया कि लोकसभा में राहुल गांधी विपक्ष के नेता होंगे।

खरगे के आवास पर हुई विपक्षी नेताओं की बैठक में फैसला

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली और केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ा था। वे दोनों ही सीटों पर विजयी रहे। हालांकि, बाद में उन्होंने रायबरेली सीट को अपने पास रखने का फैसला किया और वायनाड सीट छोड़ दी। उन्होंने मंगलवार को ही लोकसभा सदस्यता की शपथ ली।

भाजपा ने हाल ही में 543 सदस्यीय लोकसभा के लिए हुए चुनावों में 240 से ज्यादा सीटें जीतीं और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में अपने सहयोगियों के साथ सरकार बनायी। विपक्षी दलों के घटक दलों में कांग्रेस ने सबसे अधिक 99 सीटें हासिल कीं।

सालखन मुर्मू समेत 5 आरोपी पर एमपी/एमएलए की कोर्ट ने किया आरोप गठित

रांची (आजाद सिपाही)। सरकारी काम में बाधा डालने के मामले में पूर्व सांसद सालखन मुर्मू की मुश्किलें बढ़ गयी है। इस मामले में अब सालखन मुर्मू एवं अन्य के खिलाफ मुकदमा चलेगा। मामले में एमपी/एमएलए की विशेष कोर्ट ने पूर्व सांसद सालखन मुर्मू समेत 5 आरोपी पर आरोप गठित किया गया है। इस दौरान सभी आरोपी कोर्ट के समक्ष उपस्थित थे। कोर्ट ने इन पर लगे आरोप को पढ़कर सुनाया, जिसे इन्होंने बेबुनियाद बताया और साथ ही इन्होंने मामले में ट्रायल फेस करने की बात कही। इस मामले में 15 जुलाई से गवाही शुरू होगी। कोर्ट ने अभियोजन पक्ष को गवाह पेश करने निर्देश दिया है।

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक-753006 (ओडिशा), भारत
ICAR-NATIONAL RICE RESEARCH INSTITUTE
Cuttack-753006, Odisha. India

विज्ञापन संख्या-13/JRF/2024-25

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में "अजैविक तनाव सहिष्णुता वाली नव-टेट्राप्लाइड चावल किस्म विकसित करने और व्यापक संकरण दक्षता बढ़ाने के लिए सूत्रगुणता प्रयोग" शीर्षक परियोजना (ईएपी-428) में एक (01) कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता के चयन के लिए दिनांके 11.07.2024 को प्रत्यक्ष साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। आवश्यक/वांछनीय योग्यता, आयु, परिलब्धियों की राशि आदि तथा अन्य नियम एवं शर्तों से संबंधित विवरण भाकृअनुप-एनआरआरआई की वेबसाइट https//icar-nrri.in पर उपलब्ध है।

Walk-in-Interview will be held on 11.07.2024 for selection of one (01) Junior Research Fellow (JRF) at the ICAR-National Rice Research Institute, Cuttack in the scheme"Ploidy manipulation for developing abiotic stress tolerant neo-tetraploid rice & enhancing wide hybridization efficiency"(EAP-428)".The details regarding essential qualifications, age, amount of emoluments etc. and other terms and conditions are available in ICAR-NRRI website https://icar-nrri.in.

प्रधान अन्वेषक/PRINCIPAL INVESTIGATOR

विकास योजनाओं के लिए बालू की किल्लत दूर करे सरकारः बंधु तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व मंत्री और सरकार की समन्वय समिति के सदस्य और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि झारखंड सरकार के द्वारा कार्यान्वित की जा रही अनेक विकास योजनाओं के सटीक कार्यान्वयन के लिए यह बहुत जरूरी है कि सरकार बालू की किल्लत दूर करने के लिए समुचित व्यवस्था करे। श्री तिर्की ने कहा कि बालू की कमी और उसकी महंगी कीमतों के कारण लाभुकों के साथ ही संवेदकों को भी बालू प्राप्त करने में बहुत अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और यह चिंता की बात है।

बालू की कमी और महंगाई के कारण अबुआ आवास सहित सरकार की अनेक कल्याणकारी और विकास योजनायें प्रभावित

ग्रामीण क्षेत्रों में बालू का अभाव नहीं हो

उन्होंने कहा कि किल्लत और महंगे बालू की इस स्थिति से बचाव के लिए यह बहुत जरूरी है कि सरकार, झारखंड राज्य खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) को इस संबंध में निर्देश दे कि वह बालू की किल्लत दूर करने के लिए समुचित उपाय करे और

विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में इस बात की सटीक व्यवस्था की जाये कि वहां बालू जैसी सामग्रियों का अभाव नहीं हो।

श्री तिर्की ने कहा कि सरकार की अनेक कल्याणकारी और लाभकारी योजनाओं का पूरा का पूरा आधार या दारोमदार, निर्माण कार्यक्रमों के ऊपर ही है और यदि इसके लिए बालू जैसी आधारभूत आवश्यकता की कमी होगी या उसकी कीमत ज्यादा होगी तो इससे सरकार की योजनाओं के कार्यान्वयन में देरी और उसकी गुणवत्ता पर होने वाले असर का आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है।

सीएम से इस पर संज्ञान लेने का किया आग्रह

श्री तिर्की ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के परिणामस्वरूप विकास कार्य पहले ही बहुत अधिक प्रभावित हो चुका है और इस वित्तीय वर्ष में अभी भी हम लक्ष्य से बहुत पीछे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ ही दिनों में मानसून के आने के बाद निर्माण कार्य प्रभावित होता है और उसमें यदि इस प्रकार से बालू और अन्य जरूरी सामग्रियों की किल्लत होगी तो यह चिंता की बात है। श्री तिर्की ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार जिस प्रकार से आमजन की जरूरतों एवं आकांक्षाओं के प्रति समर्पित है उसमें यह बात निश्चित है कि यह गंभीर समस्या मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के संज्ञान में होगी लेकिन फिर भी इस पर ध्यान देना बहुत अधिक आवश्यक है क्योंकि, तेज गति से सरकारी योजनाओं का कार्यान्वयन आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

झारेरा की वेबसाइट पर अपलोड नहीं करानेवालों पर बरती जायेगी सख्ती

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड भू- संपदा नियामक प्राधिकार (झारेरा) की उन प्रोजेक्ट पर विशेष नजर है जिसका अपडेटेड डॉक्यूमेंट उसकी वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया गया है। इसे देखते हुए झारेरा ने सूचना जारी की है। इसके अध्यक्ष बीरेंद्र भूषण ने सभी बिल्डर्स, डेवलपर्स, प्रमोटर को चेतावनी देते हुए कहा है कि जिनका प्रोजेक्ट ऑफलाइन मोड में निबंधित है तथा प्रोजेक्ट से संबंधित सभी कागजात अद्यतन झारेरा की वेबसाइट पर अपलोड नहीं किये हैं, वे इस सूचना के प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर अपलोड कर दें।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ST-SBP-TENDER-2024-15, दिनांक: 19.06.2024

कार्य का नाम: पूर्व तट रेलवे के सम्बलपुर मंडल के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/Tele/टिटिलागढ़, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/Tele/महासमुन्द, कनिष्ठ अभियंता/Tele/कांटाबांजी तथा कनिष्ठ अभियंता/Tele/ मुनिगुड़ा के क्षेत्राधिकार के अधीन नियंत्रण अनुभाग में बारह महीने की अवधि के लिए दूरसंचार जोनल कार्य।

निविदा मूल्य: रु. 65,45,488.55, बिड सिक्योरिटी: रु. 1,30,900.00.

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 11.07.2024 को 1100 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा।

ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने केलिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (Tele), सम्बलपुर
PR-242/P/24-25

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक (विद्युत/परिचालन), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु सक्षम संविदाकारों से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:

ई निविदा सं. : GEM/2024/B/5075093 Dt. 21.06.2024, 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : धनबाद मंडल के अंतर्गत सभी क्रू लॉबी में फोग सेफ डिवाइस (पफ. एस. डी.) के रख रखाव एवं मरम्मत हेतु। कार्य समापन की अवधि – 01 वर्ष। 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹33,53,933/–, 3. अग्रधन राशि : ₹67,100/–, 4. ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा बंद होना : 12.07.2024 को 16:00 बजे। ई–निविदा का खुलना : 12.07.2024 को 16.30 बजे। 5. वेबसाइट का विवरण: वेबसाइट www.gem.gov.in विशेष : ई–निविदा के तहत किसी भी प्रकार के मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/परि.)/
पूमरे/धनबाद
पीआर/00551/डीएचएन/ईओपीएन/टी/24–25/28

रांची की लचर यातायात व्यवस्था पर हाइकोर्ट की तल्ख टिप्पणी, कहा

600 ट्रैफिक पुलिसकर्मी शहर में कहीं दिखायी नहीं पड़ रहे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने राजधानी रांची में लचर ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर राज्य सरकार पर कई टिप्पणियां कीं। कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान मौखिक कहा कि सरकार के शपथ पत्र में कहा गया था कि 15 जून से रांची शहर में अतिरिक्त 600 होमगार्ड जवान ट्रैफिक व्यवस्था में लगाये जायेंगे। आज सरकार कह रही है कि कुछ जगहों पर होमगार्ड के जवान ट्रैफिक व्यवस्था में लगा दिये गये हैं। कोर्ट ने इस बात पर आश्चर्य जताया और कहा कि रांची शहर में ट्रैफिक व्यवस्था में लगे 600 ट्रैफिक पुलिसकर्मी कहीं

दिखायी नहीं पड़ रहे हैं। प्रतीत होता है कि वे अदृश्य हो गये हैं। कोर्ट ने इस बात पर भी कड़ी नाराजगी जतायी की मात्र 900 इ-रिक्शा को परमिट मिला है और शहर में साढ़े चार हजार से ज्यादा इ-रिक्शा चल रहे हैं। कोर्ट ने मौखिक कहा कि रांची शहर में ट्रैफिक लाइट कई जगहों पर खराब है। ट्रैफिक जाम की अभी भी वही स्थिति है। ट्रैफिक पुलिसकर्मी कड़ी धूप में खड़े रहते हैं, उनके लिए ट्रैफिक पोस्ट की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर रहने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर कोर्ट जब भी आदेश देता है तो आनन-फानन में दो-तीन दिनों तक ट्रैफिक कंट्रोल की पहल होती है लेकिन फिर एक सप्ताह के बाद स्थिति पुरानी जैसी हो जाती है। कोर्ट ने कहा कि अब शपथ पत्र से काम नहीं चलेगा। शपथ पत्र में लिखी गयी बातों को जमीन पर नहीं उतारा जाता है। शपथ पत्र में ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए कहीं बातें बेइमानी हो चुकी हैं। कोर्ट ने मामले की सुनवाई गुरुवार को निर्धारित की है।

विकास जैसे प्रतिभावान और होनहार हर हाल में आगे बढ़ते हैं: शिल्पी नेहा तिर्की

मांडर की विधायक ने सब जूनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता विकास कच्छप का एयरपोर्ट पर किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि विकास कच्छप जैसे प्रतिभावान खिलाड़ी और होनहार बच्चे-युवा हर हाल में आगे बढ़ते हैं चाहे परिस्थितियां बेहद प्रतिकूल ही क्यों ना हों। श्रीमती तिर्की ने कहा कि मांडर विधानसभा क्षेत्र के साथ ही पूरा झारखंड वैसी प्रतिभाओं से भरा हुआ है, जिन्होंने अपने सीमित संसाधन और परिवार की गरीबी के बाद भी पूरी दुनिया में अपना परचम फहराया है और बेड़ो

प्रखंड के रहनेवाले विकास कच्छप उन्हीं में से एक है। श्रीमती तिर्की ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में विकास अपने खाते में और भी अधिक उपलब्धियां दर्ज करेगा। जॉर्डन के ओमान में संपन्न सब जूनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के 48 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक विजेता विकास कच्छप, मांडर के स्टेडियम में सफाईकर्मी के रूप में कार्यरत महिला के पुत्र हैं। विकास कच्छप को आशीर्वाद देते हुए श्रीमती तिर्की ने कहा कि वह हमेशा विकास जैसे प्रतिभाशाली, आकांक्षी और होनहार बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ाने के लिये समर्पित हैं।

सेना की 4.55 एकड़ जमीन का मामला

फर्जी मालिक प्रदीप बागची के खिलाफ आरोप गठित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बरियातू की सेना की कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन के फर्जी मालिक प्रदीप बागची के खिलाफ अदालत में आरोप गठित किया है। उसपर उक्त जमीन का फर्जी आधार कार्ड, बिजली बिल और फर्जी पोजीशनल लेटर के आधार पर दो-दो होल्डिंग लेने का आरोप है। मामले में 8 जुलाई से गवाही शुरू होगी। नगर निगम के संग्रहकर्ता दिलीप शर्मा ने प्रदीप बागची के खिलाफ बरियातू थाना में फर्जीवाड़ा का केस कांड संख्या 141/2022 के दर्ज कराया था। सेना की कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची बना था। फर्जी दस्तावेज के आधार पर प्रदीप बागची ने जगत बंधु टी स्टेट कंपनी के दिलीप घोष को 7 करोड़ में जमीन बेच दी थी। फर्जी दस्तावेज तैयार करने और खरीद-बिक्री करने में सरकारी अधिकारियों की भी मिलीभगत थी। बता दें कि बरियातू थाना में दर्ज इस केस को इडी ने टेकओवर कर इसीआइआर 1/2023 दर्ज किया था। मामले को लेकर इडी ने 13 और 14 अप्रैल 2023 को रांची पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, बड़गाईं अंचल के उप राजस्व कर्मी भानु प्रताप प्रसाद, समेत कई जमीन कारोबारियों के ठिकाने पर छापेमारी की थी।

अमरप्रीत सिंह काले सरदार ने मंगलवार को दिल्ली प्रवास के दौरान देश के रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें हार्दिक बधाई दी।

जनता ने भाजपा को सबक सिखायाः वृंदा करात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। देश की जनता ने नरेंद्र मोदी सरकार को सबक सिखा दिया है। चुनाव नतीजों के बाद भी भाजपा कोई सबक नहीं ले रही है। अब भी वह बुलडोजर लेकर पार्लियामेंट चलाने की कोशिश कर रहे हैं। इसका विरोध जारी रहेगा। ये बातें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी की पोलित ब्यूरो सदस्य वृंदा करात

ने मंगलवार को प्रेस वार्ता के दौरान कहीं। वृंदा करात ने भाजपा के झारखंड के चुनाव प्रभारियों शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिश्व सरमा पर कहा कि हिमंता और शिवराज झारखंड के बारे में कुछ जानकारी नहीं रखते हैं। उन्होंने कहा कि हिमंता बिश्व सरमा घूम-घूम कर सांप्रदायिकता फैलाते हैं। उन्होंने कहा कि संसद की परंपरा के मुताबिक, कौन स्पीकर बनेगा और कौन डिप्टी स्पीकर, इस पर पहले बातचीत होनी चाहिए। बातचीत के बाद इसकी घोषणा होनी चाहिए। सरकार चाहे, तो स्पीकर कौन बनेगा, यह तय कर ले। लेकिन, डिप्टी स्पीकर के पद पर विपक्ष का ही नेता होना चाहिए। यह हमारी परंपरा रही है। वर्ष 2019 के चुनाव के बाद सदन में कोई डिप्टी स्पीकर नहीं रहा। प्रेस वार्ता के दौरान सीपीएम नेता रामचंद्र डोम, प्रकाश विप्लव समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

आइएलएस ऑडिटोरियम में कत्थक फ्यूजन का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के आइएलएस ऑडिटोरियम, मोरहाबादी में डांसूत्रा नृत्य संस्थान कांके रोड के द्वारा रांची विश्वविद्यालय के परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्टस विभाग के कोलेबोरेशन से सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम कत्थक फ्यूजन की सफल प्रस्तुति संध्या 07:00 बजे की गयी। डांसूत्रा नृत्य संस्थान की निदेशिका च्यवन शुभम व्यय स्वयं एक कुशल कत्थक नृत्यांगना है और अपने संस्थान के माध्यम से वे बच्चों को कत्थक एवं अन्य पारंपरिक नृत्य कला का प्रशिक्षण देती हैं। इस सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नलिन कुमार, सचिव विधि विभाग, झारखंड सरकार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में - प्रो प्रकाश सहाय, सुधा लीला, निदेशक दीपशिखा, सच्चिदानंद मिश्र, - निदेशक - आइएलएस, रांची विश्वविद्यालय, डॉ वीके सिन्हा, मनोचिकित्सक, रांची, जितेंद्र बहादुर सिंह, उप निदेशक - संस्कृति, झारखंड सरकार तथा स्मृति सिंह, उप निदेशक सीवीएस, रांची विश्वविद्यालय तथा शहर के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस मौके पर उक्त सभी अतिथियों ने कलाकारों के कला प्रदर्शन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। प्रो प्रकाश सहाय ने कार्यक्रम के आयोजन के संकल्पना की काफी सराहना की। इस मौके पर विधि सचिव, नलिन कुमार के द्वारा भी बच्चों के प्रस्तुतिकरण की काफी सराहना की गयी।

2 जुलाई को राज्य के सबसे बड़े छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह इंडोर स्टेडियम हरवंश टाना भगत स्टेडियम खेलगांव में

छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए पासवा की पूरी टीम लगी हुई हैः आलोक दुबे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पासवा ने आगामी 2 जुलाई को राज्य के सबसे बड़े छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह रांची के इंडोर स्टेडियम हरवंश टाना भगत स्टेडियम खेलगांव में आयोजित करेगी। छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह को सफल बनाने के लिए पासवा की पूरी टीम राज्य के लगभग सभी विद्यालयों से विद्यार्थियों से और उनके अभिभावकों से युद्ध स्तर पर संपर्क कर रही है। और उतनी ही तेजी से बच्चों का रजिस्ट्रेशन भी हो रहा है। झारखंड के विभिन्न जिले गढ़वा, हजारीबाग, जमशेदपुर, कोडरमा आदि लगभग

सभी जिलों से विद्यार्थी अपना निःशुल्क रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। समारोह में झारखंड के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव एवं खेलकूद एवं युवा मंत्री हफीजुल हसन छात्रों को सम्मानित करेंगे।

पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने कहा कि 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले बच्चे को तो सम्मानित किया ही जाता है, किंतु इस सम्मान समारोह की विशेषता है कि यहां कुछ अंकों से पिछड़ गये बच्चे अर्थात 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया जायेगा। क्योंकि पासवा का स्पष्ट मानना है कि 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले बच्चे हो सकता है किसी कारण से परीक्षा में कम अंक प्राप्त किया। उनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और उन्हें सम्मानित करने से उनमें आत्म बल का विकास होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह पूरी तरह निःशुल्क है, किसी भी बच्चे को रजिस्ट्रेशन के नाम पर या किसी अन्य नाम पर कोई भी शुल्क नहीं देना है।

व्हाट्स एप नंबर

1. 9431109538,
2. 9431114487,
3. 7903714760
4. 8340510144
5. 9801439301

अथवा

email....psacwa-jharkhand@gmail.co malokdubey.ran@g mail.com

सम्मानित होने के लिए उपरोक्त किसी एक नंबर या इमेल आइडी पर विद्यार्थी अपनी मार्कशीट भेज कर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यालयों के प्राचार्य भी अपने यहां के सफल विद्यार्थियों का एक साथ नाम और लिस्ट देकर इमेल अथवा व्हाट्सएप के किसी एक नंबर पर ग्रुप ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह को सफल बनाने के लिए प्रतिदिन झारखंड के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के सरकारी आवास पर पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे के नेतृत्व में समीक्षा बैठक की जाती है।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 26 जून, 2024
www.azadsipahi.in
06

18वीं लोकसभा का पहला सत्र

सोमवार को 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत हो गयी। हालांकि शुरुआती दो दिन सांसदों के शपथ ग्रहण की औपचारिकता ही होनी है, लेकिन फिर भी दोनों पक्षों के तेवर पहले ही दिन से यह संकेत दे रहे हैं कि न तो विपक्ष इस बार सदन में अपनी ताकत दिखाने का कोई मौका चूकना चाहता है और न ही सत्ता पक्ष उसे हलके में लेने के मूड में है। वैसे संख्या बल में जो भी थोड़ी-बहुत कमी रह गयी हो, तथ्य यह है कि 17वीं लोकसभा में भी विपक्ष ने विरोध की डिग्री में कोई कमी नहीं रहने दी थी। यह बात सदन के अंदर और बाहर विपक्ष के हंगामे, वॉकआउट, धरना-प्रदर्शन वगैरह में ही नहीं, सदन से विपक्षी सांसदों के निलंबन जैसी कार्रवाइयों में भी झलकती रही। बेशक इन सब पर पक्ष और विपक्ष का अपना अलग रुख है, उसके पीछे उनकी अपनी दलीलें भी हैं, लेकिन एक स्तर पर देखा जाये तो यह एक धड़कते, जिंदा लोकतंत्र की ज्वलंत निशानी भी मानी जायेंगी। बावजूद इसके, पिछली लोकसभा में कई मामलों में सत्ता पक्ष के सामने विपक्ष की कमजोरी भी दर्ज होती रही। पिछले करीब दस साल सदन में नेता प्रतिपक्ष की जगह खाली रही। 17वीं लोकसभा में तो कोई डिप्टी स्पीकर भी नहीं बनाया गया और विपक्ष सरकार को इसके लिए मजबूर नहीं कर सका। इस पृष्ठभूमि में 18वीं लोकसभा में विपक्षी सदस्यों की बढ़ी हुई संख्या उनके मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाए हुए है।

8वीं लोकसभा में विपक्षी सदस्यों की बढ़ी हुई संख्या उनके मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाए हुए है। पहले दिन ही सदन के बाहर संविधान हाथ में लिए प्रदर्शन करते विपक्षी सांसदों ने यह संकेत दिया कि वे सरकार पर दबाव बनाने का कोई मौका इस बार नहीं चूकना चाहते।

पहले दिन ही सदन के बाहर संविधान हाथ में लिए प्रदर्शन करते विपक्षी सांसदों ने यह संकेत दिया कि वे सरकार पर दबाव बनाने का कोई मौका इस बार नहीं चूकना चाहते। दूसरी ओर सत्ता पक्ष भी अपने गठबंधन की मजबूती को कम समझने वालों के सारे भ्रम दूर करते चलने को कृत संकल्प दिख रहा है। विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन के जवाब में आपातकाल की याद दिलाने वाला पीएम मोदी का बयान बताता है कि विपक्षी दलों की हर ईंट का जवाब पत्थर से देने की तैयारी सत्ता पक्ष ने भी कर रखी है। मुद्दों की कमी नहीं है। चाहे चुनावों से पहले के अग्निवीर और जाति जनगणना जैसे मुद्दे हों या महंगाई और बेरोजगारी जैसे शाश्वत माने जाने वाले सवाल या फिर पेपरलीक से जुड़े आरोप- सदन में ये उठेंगे ही। असल चुनौती यह है कि बदले समीकरणों के बीच विपक्ष अपनी बढ़ी हुई ताकत का कितना कुशल और रचनात्मक इस्तेमाल कर सकता है और सत्ता पक्ष इस ऊर्जा को ईंधन बनाते हुए किस हद तक देश के विकास को गति दे पाता है। यही कसौटी है, जो मतदाताओं के इस जनादेश ने दोनों के लिए तय की है।

अभिमत
आजाद सिपाही

मस्क ने एक्स पर लिखा, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि इनके इंसानों और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआइ द्वारा हैक किये जा सकने का खतरा है। हालांकि यह खतरा कम है, लेकिन फिर भी बहुत बड़ा है। दरअसल अमेरिका में इसी साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं, जिसमें वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुख्य मुकाबले के आसार हैं। मस्क ने यह टिप्पणी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर की एक पोस्ट को रिट्वीट करते हुए लिखी।

जल्द नतीजों से ज्यादा जरूरी है संदेहमुक्त चुनाव

राज कुमार सिंह

इवीएम पर विवाद थमते नहीं दिखते। दुनिया के बड़े अमीर और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने अब इसे अंतरराष्ट्रीय बना दिया है। मस्क ने एक्स पर लिखा, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि इनके इंसानों और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआइ द्वारा हैक किये जा सकने का खतरा है। हालांकि यह खतरा कम है, लेकिन फिर भी बहुत बड़ा है। दरअसल अमेरिका में इसी साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं, जिसमें वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुख्य मुकाबले के आसार हैं। मस्क ने यह टिप्पणी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर की एक पोस्ट को रिट्वीट करते हुए लिखी।

कैनेडी ने अपने पोस्ट में प्यूर्टो रिको के चुनाव में इवीएम से जुड़ी धांधलियों के बारे में लिखा, प्यूर्टो रिको के प्राइमरी इलेक्शन में इवीएम से वोटिंग में कई अनियमितताएं सामने आयीं। सौभाग्य से पेपर ट्रेल था, इसलिए उन्हें पहचान कर वोटों की गिनती को सही किया गया। सोचिए, जिन क्षेत्रों में पेपर ट्रेल नहीं हैं, वहां क्या होता होगा। अमेरिकी नागरिकों के लिए जानना आवश्यक है कि उनके हर वोट की गिनती की गयी है और उनके चुनावों में सेंध नहीं लगायी जा सकती। चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप से बचने के लिए पेपर बैलेट पर लौटना चाहिए।

कागजी मतपत्रों की तुलना में इवीएम एक विश्वसनीय मतदान पद्धति बनी हुई है।

अमेरिका में कुछ राज्य मतदान के लिए वोटिंग मशीन इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ मतपत्र। अब जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ही इवीएम की विश्वसनीयता पर सवालों के बीच बैलेट पेपर से मतदान की मांग उठी है, तो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में भी उसकी गूंज स्वाभाविक है। वीवीपैट के शत-प्रतिशत मिलान से अगर संदेह का समाधान होता है, तो उस दिशा में भी सोचा जाना चाहिए।

कैनेडी की पोस्ट और उसे रिट्वीट करते हुए मस्क द्वारा लिखी गयी पोस्ट का संदर्भ अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से है, लेकिन भारत में भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। नरेंद्र मोदी सरकार के पूर्व आइटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मस्क की इस टिप्पणी कि ऐसी कोई डिजिटल डिवाइस नहीं बन सकती, जो हैक या टैंपर न की जा सके, को चुनौती देते हुए भारत की ईवीएम पर उन्हें ट्यूशन देने की बात तक कह दी।

मस्क की जवाबी संक्षिप्त टिप्पणी आयी कि कुछ भी हैक किया जा सकता है, तो चंद्रशेखर के बोल बदल गये, हालांकि आप तकनीकी रूप से सही हैं, कुछ भी संभव है, मगर कागजी मतपत्रों की तुलना में इवीएम एक विश्वसनीय मतदान पद्धति बनी हुई है।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मस्क की पोस्ट को रिट्वीट करते हुए टिप्पणी की कि भारत में इवीएम ब्लैक बॉक्स की तरह है। किसी को भी इसकी जांच की अनुमति नहीं है। हमारी चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। जब संस्थानों में जवाबदेही की कमी हो जाती है, तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और वह धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है। मस्क की टिप्पणी के बाद इवीएम पर भारत में विवाद बढ़ने की आशंका इसलिए भी है, क्योंकि 2009 से ही उनकी विश्वसनीयता पर विपक्ष सवाल उठाता रहा है। 2009 में जब केंद्र में कांग्रेसनीत यूपीए सरकार थी, तब भाजपा नेता जीवीएल नरसिम्हा ने इवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए पुस्तक लिखी थी, जिसकी भूमिका लाल कृष्ण अडवानी ने लिखी थी।

अडवानी तब भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे। मामला अदालत तक भी गया था। 2014 में केंद्र की सत्ता मिल जाने के बाद भाजपा के लिए इवीएम संदेह मुक्त हो गयी और विपक्ष में पहुंच गए दलों को उसमें खामियां नजर आने लगीं। मार्च, 2017 में 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए तो 13 दलों ने परिणामों पर सवाल उठाया। चुनाव आयोग से शिकायत भी की गयी, लेकिन 2018 के अंत में हुए राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता मिल गयी तो इवीएम पर विपक्ष मौन हो गया।

मामला चुनाव प्रक्रिया में जनता के विश्वास से जुड़ा है, इसलिए उसे और अधिक पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाने पर सर्वोच्च अदालत में सुनवाई आगे भी होगी। अक्सर पूछा जाता है कि जब मोबाइल-कम्प्यूटर आदि उपकरण से छेड़छाड़ संभव है, तो इवीएम से क्यों नहीं? चुनाव आयोग इस स्वाभाविक सवाल का जवाब तकनीकी प्रक्रिया समेत दे चुका है, पर विपक्ष का विश्वास हासिल नहीं कर पाया। छेड़छाड़ को साबित करने के लिए आयोग ने राजनीतिक दलों को शर्तों के साथ आमंत्रित भी किया था, लेकिन कोई दल नहीं पहुंचा। तर्क यह भी है कि जर्मनी आदि कुछ विकसित देश इवीएम पर उठे सवालों के बाद बैलेट पेपर से मतदान पर वापस लौट गये, लेकिन जवाबी तर्क होता है कि दो दर्जन देशों में किसी-न-किसी रूप में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम से चुनाव होते हैं। इनमें विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका से लेकर एस्टोनिया जैसा छोटा देश शामिल है।

हां, अमेरिका में कुछ राज्य मतदान के लिए वोटिंग मशीन इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ मतपत्र। अब जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ही इवीएम की विश्वसनीयता पर सवालों के बीच बैलेट पेपर से मतदान की मांग उठी है, तो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में भी उसकी गूंज स्वाभाविक है। वीवीपैट के शत-प्रतिशत मिलान से अगर संदेह का समाधान होता है, तो उस दिशा में भी सोचा जाना चाहिए। चुनाव कोई टी-20 क्रिकेट नहीं, लोकतंत्र की प्राणवायु है। संदेह मुक्त, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना, उनके परिणाम जल्द घोषित करने से कहीं ज्यादा जरूरी है।

जमशेदपुर की खबरें

श्री लक्ष्मीनारायण की प्रतिमा जयपुर से जमशेदपुर पहुंची

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भगवान श्री लक्ष्मीनारायण जी की प्रतिमा मंगलवार को जयपुर से जमशेदपुर पहुंच गयी। प्रतिमा को दोपहर बाद टीनप्लेट चौक से केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर प्रांगण में लाया गया। टीनप्लेट चौक से मंदिर प्रांगण तक सैकड़ों भक्त मौजूद थे और जिस ट्रक पर प्रतिमा रखी थी, उसके साथ चल रहे थे। तासा पार्टी भी साथ में थी जो भक्तिमय धुन बजा रही थी। लोग भाव-विभोर होकर नाचते हुए चल रहे थे। इस भीड़ के साथ जमशेदपुर पूर्वी के विधायक श्री सरयू राय भी थे। भगवान की प्रतिमा अभी मंदिर प्रांगण में ही रखी गई है। तीन जुलाई को विधिवत पूजा आदि के बाद नगर भ्रमण का कार्यक्रम होगा। तदुपरांत 7 जुलाई को पूरे विधि-विधान के साथ प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होगा। विधायक श्री सरयू राय ने जमशेदपुर वासियों से 3 से 7 जुलाई तक मंदिर प्रांगण में होने वाले धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर पुण्य का भागी बनने की अपील की है। आपको बताते चलें कि दिनांक 3 जुलाई को जलयात्रा, पंचांग पूजन, ब्राह्मण वरण, मंडप प्रवेश, वेदी निर्माण, नगर भ्रमण और जलाधिवास होगा जबकि 4 जुलाई को देवताओं का आवाहन पूजन, पाठ, जप, धन्नाधिवास, धृताधिवास, गन्धाधिवास और धूपाधिवास होगा।

दिनांक 5 जुलाई को मंडपस्थ आवाहित देवताओं का पूजन, अरणी मंथन द्वारा अग्नि स्थापन, पाठ जप, हवन, पुष्पाधिवास, फलाधिवास, वस्त्राधिवास, औषध्याधिवास और मिष्ठानाधिवास होगा तो दिनांक 6 जुलाई को आवाहित देवताओं का पूजन, पाठ, हवन, देवस्नपन, नगर भ्रमण और शय्याधिवास। दिनांक 7 जुलाई को आवाहित देवताओं का पूजन, जप, मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा, पूणार्हुति और भोग वितरण का कार्यक्रम है। 5 जुलाई को प्रख्यात जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ एवं आध्यात्मिक गुरु पं. विजय शंकर मेहता जी का उद्बोधन होगा।

कालिंदी ने जुगसलाई की समस्याओं के हल का दिया आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। विधायक मंगल कालिंदी ने जुगसलाई विधान सभा स्थित हुरलुंग पंचायत के गरुड़बासा क्षेत्र का दौरा किया। मंगलवार को स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक कालिंदी से पहाड़ के ऊपर शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण और सीढ़ी बनाने की मांग की। मौके पर विधायक ने जनता की परेशानी और आस्था की मामले को संज्ञान में लेते हुए जल्द निर्माण का भरोसा जताया। विधायक ने शिव मंदिर दर्शन कर जल्द मंदिर में सौंदर्यीकरण और सीढ़ी निर्माण का आश्वासन दिया। ताकि स्थानीय लोगों को मंदिर में दर्शन करने में कोई कठिनाइयां ना हो। मौके पर विधायक ने क्षेत्र में नाली और अन्य समस्या से अवगत हुए। जल्द से जल्द समाधान का आश्वासन दिया। मौके पर रमेश लोहार, आशा देवी, भरत चौधरी, अरुण सिंह, सुनील लोहार, शिवचरण सिंह और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

भाजपा ने आपातकाल के विरोध में मनाया काला दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से 1975 में लागू आपातकाल के विरोध में भाजपा जमशेदपुर महानगर ने मंगलवार को काला दिवस मनाया। मानगो स्थित बड़ा हनुमान मंदिर सभागार में महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में 'लोकतंत्र की रक्षा-हमारा संकल्प' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में आपातकाल को भारतीय इतिहास का सबसे काला अध्याय बताते हुए लोकतंत्र की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले लोकतंत्र सेनानियों को स्मरण कर नमन किया गया। इस दौरान झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, कार्यक्रम के प्रभारी गुरविंदर सिंह सेठी, पूर्व विधायक मेनका सरदार, प्रदेश मंत्री नंदजी समेत अन्य नेतागण विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान आपातकाल के दौरान जेल गए लौहनगरी जमशेदपुर के लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल के अनुभव साझा किए। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने आपातकाल के समय जेल में यातनाएं झेलने वाले लोकतंत्र के सजग प्रहरी राम प्रवीण पांडेय, हरेंद्र सिंह, अश्विनी कुमार अवस्थी को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित कर आभार जताया। इससे पहले, भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम स्थल से गांधी मैदान तक पदयात्रा कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव नारायण शर्मा, देवेंद्र सिंह, अभय सिंह, चंद्रशेखर मिश्रा, बिनोद सिंह, राजकुमार श्रीवास्तव, दिनेश कुमार, गुंजन यादव, जिप परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि संजीव कुमार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोज कुमार सिंह, मिथिलेश सिंह यादव, कुलवंत सिंह बंटी, कल्याणी शरण, राजन सिंह, डॉ राजीव, योगेश मल्होत्रा, अनिल सिंह, दशरथ चौबे, बबुआ सिंह, संजीव सिन्हा, संजीव सिंह,अनिल मोदी, जितेंद्र राय, पप्पू सिंह, मंजीत सिंह, विजय तिवारी, ज्ञान प्रकाश, बिनोद सिंह, नारायण पोद्दार, कौस्तव रॉय, राजपति देवी, अमिताभ सेनापति, बिमल बैठा, मोर्चा अध्यक्ष अमित अग्रवाल, बीनानंद सिरका, मुचिराम बाउरी समेत मंडल अध्यक्ष बिनोद राय, सुरेश शर्मा, ध्रुव मिश्रा, संतोष ठाकुर, दीपक झा, दीपक पॉल, पवन सिंह, सुनील सिंह मुंडा, शांतनु मुखर्जी, मंटू चरण दत्ता, प्रधान महतो, अभिमन्यु सिंह, चंदन चौबे, संतोष कुमार, शैलेश गुप्ता, संजीत चौरसिया समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

करोड़ों के जीएसटी घोटाले में उद्योगपति ज्ञानचंद गिरफ्तार

दो दशक पहले व्यवसाय की शुरुआत करने वाले उद्योगपति ने अकूत धन कमाया

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर में जीएसटी इंटेलिजेंस ने अरबों रुपये के जीएसटी घोटाले का पर्दाफाश किया है। इस मामले में शहर के जाने-माने उद्योगपति ज्ञानचंद जायसवाल उर्फ बबलू जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। बबलू पर फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट के जरिए 500 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप है। सोमवार शाम को जीएसटी इंटेलिजेंस ने बबलू को साकची स्थित अपने कार्यालय में बुलाया। कई घंटों तक उनसे पूछताछ की गयी और इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। मंगलवार को बबलू को जेल भेज दिया गया।

ज्ञानचंद जायसवाल उर्फ बबलू जायसवाल जमशेदपुर के रसूखदार व्यवसायियों में गिने जाते हैं। लोहा और स्क्रैप के कारोबार में उनका जाल पूरे झारखंड और आसपास के राज्यों तक फैला हुआ है। लगभग दो दशक पहले अपने व्यवसाय की शुरुआत करने वाले बबलू ने देखते ही देखते अपने बिजनेस को बुलंदियों तक पहुंचाया। हालांकि, कहा जाता है कि तरक्की की इस राह पर उन्होंने कई गलत रास्ते भी अख्तियार किये। पिछले कुछ समय से बबलू के बढ़ते व्यापार और आयकर रिटर्न में गड़बड़ी को लेकर जीएसटी इंटेलिजेंस को शक हुआ था। विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि बबलू फर्जी कंपनियों के जरिए बड़े पैमाने पर जीएसटी की चोरी कर रहे हैं। इसके बाद विभाग ने बबलू पर नजर रखना शुरू कर दिया था। जीएसटी इंटेलिजेंस की जांच में पता चला है कि बबलू जालसाजी के एक बड़े रैकेट से जुड़े थे। इस रैकेट में 100 से ज्यादा फर्जी कंपनियां शामिल हैं, जिनके जरिए तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन किया गया। अकेले जमशेदपुर में ही 150 करोड़ रुपये से ज्यादा के जीएसटी घोटाले का खुलासा हुआ है। बबलू की गिरफ़्तारी के बाद जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम इस पूरे मामले की तह तक जाने में जुट गयी है। टीम इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस घोटाले में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही, टीम यह भी जानने की कोशिश कर रही है कि बबलू ने कितने समय से जीएसटी की चोरी की है और उन्होंने कितना काला धन कमाया है। बबलू की गिरफ़्तारी से जमशेदपुर के व्यापारिक हलकों में हड़कंप मच गया है। कई और बड़े व्यापारियों के भी इस मामले में फंसने की आशंका है।

बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं : डीसी

जिला स्तरीय टीएलएम मेला का आयोजन

टीएलएम देखें, सीखें और अपने-अपने विद्यालयों में लागू करें: डीसी

केजीविभी और जेबिएभी की टॉपर छात्राओं को किया गया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड शिक्षा परियोजना गढ़वा के तत्वाधान में निपुण समागम के तहत जिला स्तरीय टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मटेरियल) मेला का आयोजन नीलांबर पीतांबर बहुउद्देशीय संस्कृतिक भवन टाउन हॉल गढ़वा में किया गया। उक्त मेला का शुभारंभ आयोजन के विशिष्ट अतिथि उपायुक्त गढ़वा शेखर जमुआर और मंचासीन जिला शिक्षा अधीक्षक, क्षेत्रीय शिक्षा पदाधिकारी, गढ़वा व अन्य ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया।

जिला स्तरीय टीएलएम मेला के तहत प्रखंडवार स्टॉल आवंटित था, जिसमें जिला स्तरीय कार्यशाला हेतु नामित शिक्षकों द्वारा बनाये गये टीएलएम के साथ-साथ सभी प्रखंडों में एफएलएनको लेकर किये जा रहे कार्यों का प्रदर्शन किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाले प्रखंड का चयन गठित समिति द्वारा करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया जायेगा। मेला स्थल पर जिला स्तरीय पदाधिकारी के साथ-साथ स्वयंसेवी संगठनों, डायट फेकेल्टी, बीआरपी और सी आर पीकी भी उपस्थिति रही। साथ ही मेला में नजदीकी (शहरी) क्षेत्र के विद्यालयों के विद्यार्थी और शिक्षकों की उपस्थिति की रही।

उक्त टीएलएम मेला का आयोजन का मुख्य उद्देश्य खेल-खेल में बच्चों में पढ़ने की क्षमता विकसित करना है। टीएलएम के प्रयोग से कम समय में बच्चों को अक्षरों और अंको की बेहतर पहचान और अध्ययन में बेहतर क्षमता विकसित करना है।

टीएलएम के इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों की भी उपस्थित रही जिसमें कहा गया कि टीएलएम देखें और सिखें तथा अपने विद्यालय में भी लागू करें जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य हो सके। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम उत्साहवर्धक है। सभी शिक्षक बधाई के पात्र हैं। हम सभी को सीखने की प्रवृत्ति रखनी चाहिए। शिक्षकों को अपने आप को अब अपग्रेड करने की आवश्यकता है। यदि हमारी बेसिक शिक्षा सही रही तो बच्चे भी सही शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। अपने-अपने स्कूलों में टीएलएम की मदद से बच्चों को शिक्षा दें। गढ़वा के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

केजीबीवी कांडी की छात्रा किरण कुमारी को मैट्रिक में 91% अंक लाने हेतु प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जबकि कल्पना कुमारी को 87.4% अंक लाने हेतु द्वितीय और निर्मला कुमारी को 86.8% अंक लाने पर तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार केजीबीवी गढ़वा की इंटर (विज्ञान) की छात्राओं में प्रियंका कुमारी को 74.20% अंक लाने पर प्रथम पुरस्कार दिया गया। रूपा कुमारी को 73.20% लाने पर द्वितीय पुरस्कार तथा साक्षी कुमारी को 73% अंक लाने पर तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उक्त मौके पर उपायुक्त जमुआर द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कांडी, रमना, मेराल और गढ़वा के वार्डन को भी अच्छे शिक्षण सुविधा प्रदान करने हेतु सम्मानित किया गया।

इस टीएलएम मेला के आयोजन में बताया गया कि गढ़वा जिले से लगभग 100 शिक्षकों को राज्य स्तरीय टीएलएम मेला कार्यक्रम भाग लेने हेतु भेजा जायेगा, जिससे गढ़वा के विभिन्न स्कूलों के बच्चों को बेहतर शिक्षा हेतु लाभ मिलें।

झामुमो ने डीसी को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग की, कहा

सदर अस्पताल में लापरवाही से मरीजों को हो रही परेशानी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा सदर अस्पताल में लापरवाही का जबरदस्त आलम बना हुआ है। यहां आये दिन लगातार मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में झामुमो के प्रतिनिधि मंडल ने डीसी शेखर जमुआर को आवेदन सौंप कर अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही की शिकायत करते हुए प्रबंधन के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। डीसी को सौंपे गये आवेदन में कहा गया है कि सदर अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों द्वारा लगातार लापरवाही की जा रही है। गत सोमवार की संध्या पचपड़वा में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। उसके शव को सदर हॉस्पिटल लाया गया। इस दौरान यहां कोई भी कर्मी, प्रबंधक या चिकित्सक सहयोग के लिए मौजूद नहीं थे। वास्तविक जानकारी के लिए रात्रि नौ बजे से 11 बजे का तक सीसीटीवी की जांच करायी जा सकती है। आवेदन में कहा गया है कि हत्या जैसे गंभीर अपराध में जहां एक ओर पुलिस प्रशासन तथा जिला प्रशासन सक्रियता के साथ सजग होकर काम कर रही थी। वहीं दूसरी और अस्पताल प्रबंधन का लापरवाह रवैया सोच से परे था। ऐसी हरकतों से स्थानीय जन प्रतिनिधि की बदनामी हो रही है। झामुमो नेताओं ने कहा है कि इस मामले की जांच कर लापरवाह कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाये। यदि भविष्य में पुनः ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो जनहित में ऐसे भ्रष्ट, असंवेदनशील एवं लापरवाह अधिकारियों का झामुमो लोकतंत्रिक रूप से विरोध करेगी। आवेदन सौंपने वालों में झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर आदि का नाम शामिल है।

जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचला, मौत

भंडारिया (आजाद सिपाही)। भंडरिया प्रखंड बिजका पंचायत के परो गांव में बीती रात्रि एक जंगली हाथी महरु सिंह के घर को तोड़ने लगा, तभी महरु सिंह का अचानक नींद टूटा, नींद टूटने के बाद वह भागने लगा और भागने के क्रम में जंगली हाथी ने महरु सिंह को पटक कर पैर से कुचल दिया। गांव वालों के शोर गुल के बाद हाथी जंगल की ओर भाग गया। जिसके बाद गांव वालों ने घायल महरु सिंह को भंडारिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए डालटेनगंज सदर अस्पताल भेज दिया गया। सदर अस्पताल के बाद डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। भंडारिया रेंजर अजय कुमार टोप्पो के द्वारा तत्काल दस हजार रुपये का सहायता राशि दिया गया। और कहा कि कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सरकारी सहायता राशि चार लाख देने का प्रावधान है। मौके पर झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री कृष्णानंद त्रिपाठी के भाई गोपाल त्रिपाठी ने पहुंच पूरे परिवार को सांत्वना देते दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी प्रक्रिया के तहत पारिवारिक लाभ के साथ-साथ जो भी सहायता राशि आता है, वह जल्द दिलाने का काम करेंगे।

शिवनाथ राम की अचानक मृत्यु

हरिहरपुर(आजाद सिपाही)। ओपी क्षेत्र अंतर्गत चौबे मझिगावां गांव के अस्नाखांड टोले निवासी जानकी राम उम्र 65 वर्ष पिता शिवनाथ राम की मृत्यु मंगलवार की सुबह हो गयी। उन्हें मंगलवार की सुबह लगभग तीन बजे सीने में हल्की दर्द होने को बताया उसके बाद घर में उपस्थित महिलाओं ने आसपास से प्राथमिक उपचार कराया, सुबह पांच बजे के आसपास उनकी मृत्यु हो जाती है। जानकी राम के दो पुत्र हैं बड़ा लड़का मनोज राम यूट्यूब चैनल ग्रीनलाइन में कुछ दिनों तक पत्रकारिता किये उसके पश्चात वर्तमान में उत्तरप्रदेश के रेनुकूट में एक निजी कंपनी में कार्य कर रहा है। वहीं छोटा पुत्र प्रवेश राम सीआरपीएफ में छतीसगढ़ के सुकमा जिले में कार्यरत है।

एसपीडी कॉलेज में नशा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज में मंगलवार को एनएसएस और एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में मादक पदार्थो के विरुद्ध जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. निकलेश चौबे ने कहा कि मादक पदार्थों के निरंतर उपयोग से मनुष्य में अनेक तरह की शारीरिक विकृतियां आ सकती हैं।

प्राचार्य ने कहा कि मादक पदार्थों का दुरुपयोग से व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्थिति को विकृत कर देता है। ऐसा करने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति बिगड़ जाती है और उसके सामाजिक संबंध खराब हो जाते हैं। मादक पदार्थ शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को नष्ट करना आरंभ कर देते हैं। इस स्थिति में वह स्वयं के लिए किसी प्रकार का उपार्जन करने में असमर्थ हो जाता है। जबकि व्यसन से उसके मादक प्रदार्थ को खरीदने के लिए अधिक धन की आवश्यकता पड़ती है। मौके पर डॉ. हिमांशु भूषण जरुहार ने कहा कि मादक पदार्थ के सेवन की समस्याओं में कई जटिलताएं हैं। वे यकृत रोग, फेफड़ों की बीमारी, ह्रदय रोग, विटामिन की कमी और मस्तिष्क क्षति जैसी शारीरिक समस्याएं पैदा कर सकती है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. कमलेश सिन्हा ने और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. धीरज कुमार मिश्रा ने किया। इस मौके पर मोजाहिम अंसारी, आयुष केशरी, अभिषेक कुमार, विकास कुमार, नितेश कुमार तिवारी, छोटू कुमार, दिवाकर कुमार रजक, सुरज कुमार, बिरेंद्र कुमार, पिंकी कुमारी, सलोनी पांडेय, आशा कुमारी, मीना कुमारी, संतोष चौधरी, निशा कुमारी आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

पंसस चंदन कुमार ठाकुर ने अबुआ आवास में भ्रष्टाचार को लेकर आमरण अनशन शुरू किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड में अबुआ आवास में व्याप्त भ्रष्टाचार और गड़बड़ी को लेकर भवनाथपुर पंचायत समिति सदस्य सह पंचायत समिति सदस्य संघ के प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुमार ठाकुर ने आठ सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार से प्रखंड कार्यालय परिसर में आमरण अनशन शुरू कर दिया है। पंसस चंदन ठाकुर ने बताया कि सरकार द्वारा चलायी जा रही अबुआ आवास योजना में पारदर्शिता नहीं रहने के कारण योग्य और जरूरतमंद लोगों को आवास का लाभ नहीं मिल पा रहा है। आवास का जियो टैग करने का काम सरकार द्वारा चुने गये स्वयं सेवको का है, लेकिन स्वयं सेवक से कार्य नहीं कराया जा रहा है। अबुआ आवास के प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन सभी पंचायत सचिवालय में दीवार लेखन कर नहीं कराने से उपरोक्त योजना में भ्रष्टाचार हावी है, जिसके चलते गरीब, गृह विहीन, दिव्यांग, आवास विहीन लोगों को अबुआ आवास का लाभ नहीं मिल रहा है। सभी पंचायतों में मनरेगा योजना में पंचायत समिति सदस्य और वार्ड सदस्य के जानकारी के बिना योजना का संचालन हो रहा है। उपरोक्त जनप्रतिनिधियों के जानकारी के बिना योजना का कार्य होने से मनरेगा में भ्रष्टाचार हावी है। मनरेगा से वर्ष 2018 से अब तक बने पशु शेड, मिट्टी मोरम सड़क, कूप निर्माण योजना का सामग्री मद और मेठ, मिस्त्री का पैसा बकाया है, जिस से लाभुक परेशान हैं। राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन योजना के लाभूको का पिछले पांच माह से पेंशन बकाया रहने से परेशानी हो रही है। पंसस चंदन कुमार ठाकुर ने बताया कि उपरोक्त मुद्दों को लेकर कई बार अधिकारियों को आवेदन दिया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, इसलिए बाध्य होकर ग्रामीणों के साथ आमरण अनशन पर बैठे है। कहा कि जब तक मांग पूरी नहीं होती तब तक यह अनशन जारी रहेगा। मौके पर मनोज पहाड़िया, अरसली दक्षिणी पंसस शकील अहमद, सुरेश गुप्ता, दयानन्द यादव, ब्रह्मदेव चंद्रवंशी,वार्ड सदस्य मनोज बैठा, घनश्याम शुक्ला, दयानंद प्रजापति, महेंद्र बैठा, विनोद पासवान, सुरेश प्रजापति, उर्मिला देवी, सरिता देवी, रीना देवी, प्रभा देवी, लक्ष्मी देवी, गुड्डी देवी, प्रतिमा देवी सहित अन्य मौजूद थे।

झामुमो प्रखंड कमेटी का विस्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। झारखंड मुक्ति मोर्चा रंका प्रखंड कार्यालय में सोमवार को जिलाध्यक्ष तनवीर आलम खान और जिला सचिव मनोज ठाकुर के उपस्थिति में समिक्षा बैठक सह रंका प्रखंड कमेटी का विस्तार किया गया। इस अवसर पर पंचायत अध्यक्षों की बातों को सुनने के बाद संबोधन में तनबीर आलम खान ने कहा कि आप सबों की समस्याओं से मंत्री मिथिलेश ठाकुर को अवगत कराकर समाधान कराया जायेगा। आप सभी कार्यकर्ता संगठन के कार्यों में लग जायें। जिलाध्यक्ष ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों के राय पर प्रखंड कमेटी का विस्तार किया गया। जिसमें रंका प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता, सचिव इरफान अंसारी, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पाठक भंडूल, संजय सिन्हा, परशु ठाकुर, सुदामा भुईयां, अमानुल्लाह अंसारी, नरेश सिंह, अरविंद सोनी, कोषाध्यक्ष अंबिका सोनी, सह कोषाध्यक्ष मनोज जायसवाल, संगठन सचिव रामचंद्र प्रजापति, सह संगठन सचिव मदन खान, सह सचिव उपेन्द्र भुईयां, मिडिया प्रभारी धीरज कुमार, संयुक्त सचिव ललन यादव, जितू सिंह, नौशाद राय, रामाधार ठाकुर, अनिल राम, कार्यकारिणी सदस्य राजेश कु० मद्धेशिया, नौशाद अंसारी, त्योफिल लकड़ा, विनय सोनी, रमेश प्रसाद, छोटू सिद्दीकी, प्रदीप प्रजापति, दीपक सिंह खरवार, सुरेन्द्र सिंह, सुमन सिंह, विजय, रमेश, मिथिलेश, प्रताप सिंह और अंबिका सिंह को बनाया गया।

इस मौके पर जिला युवाध्यक्ष संजय सिंह छोटू, जिला अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष आफताब आलम, बीस सूत्रि प्रखंड उपाध्यक्ष कार्तिक पांडेय, विधायक प्रतिनिधि अनिल चंद्रवंशी, युवा प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी, अनुमंडल मिडिया प्रभारी शिव कुमार रवि, महिला प्रखंड अध्यक्ष मालती देवी, सहित सभी पंचायत के अध्यक्ष, सचिव और झामुमो कार्यकर्ता काफी संख्या में उपस्थित थे।

दुकानदार दो दिनों के अंदर अतिक्रमण स्थल मुक्त करें, नहीं तो चलेगा बुलडोजर : एसडीओ

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। पिछले रविवार को रंका थाना शांति समिति की बैठक में लिए गये निर्णय के आलोक में रंका अनुमंडल पदाधिकारी रूद्र प्रताप, एसडीपीओ रोहित रंजन सिंह, अंचल पदाधिकारी शिव पूजन तिवारी और थाना प्रभारी सह पुलिस इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने संयुक्त रूप से रंका अतिक्रमण स्थल का पैदल घूमकर अवलोकन किया, और दुकानदारों सहित अन्य लोगों को स्वयं अतिक्रमण स्थल को मुक्त करते हुए नाली के अंदर दुकान संचालित करने का हिदायत दिया। इस अवसर पर रंका बस स्टैंड, जन एच 343 के दोनों बगल, सब्जी बाजार के दुकानदारों से एसडीओ रूद्र प्रताप ने कहा कि आप समझदारी का परिचय देते हुए स्वयं अतिक्रमण स्थल को छोड़ दें नहीं तो बुलडोजर से अतिक्रमण मुक्त किया जायेगा। इस बाबत कार्यवाई करते हुए मंगलवार को रंका के कर्मचारी विकास कपड़दार और अंचल अमिन पांडेय के द्वारा नापी कर लाल क्रौस का निशान भी लगाने का काम जारी कर दिया गया है। जिसमें लाल निशान से बाहर रहना है। जो अंदर पाये जायेंगे, उन्हें बाहर किया जायेगा।

अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर मापी कर सीमांकन किया

कांडी(आजाद सिपाही)। बाजार और मुख्य सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर मंगलवार को अंचल कर्मियों की छः सदस्यीय एक टीम ने मापी कर सीमांकन किया। खाता संख्या 01 प्लॉट 374 व खाता 241 प्लॉट 301 की भूमि का मापी कर सीमांकन किया गया। अंचल अमीन धर्मदेव राम व सहयोगी अरुण राम ने सीमांकन का कार्य किये। अंचल निरीक्षक जगरनाथ मांझी ने बताया कि कांडी बाजार की 78 डिसमिल सरकारी जमीन व मुख्य सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर आज से सीमांकन का कार्य शुरू किया गया है। उम्मीद है कल तक सीमांकन का कार्य पूरा कर लिया जायेगा। समाचार लिखे जाने तक 32 विभिन्न लोगों के द्वारा सरकारी जमीन को अतिक्रमण किये जाने को लेकर चिन्हित किया जा चुका था। जिसमें संतोष कुमार, विनोद प्रसाद,गया ठाकुर, अनिल प्रसाद, विकास, जयमालुद्दीन राईन, हबीब राईन व राजेश साव आदि शामिल हैं। कांडी पंचायत मुखिया विजय राम अपनी देखरेख में सीमांकन का कार्य करा रहे हैं।

गढ़वा के बेरोजगार युवाओं को एसआइएस देगा स्थायी रोजगार, लगेगा भर्ती कैंप : कमांडेंट

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिला गढ़वा के सभी ब्लॉक परिसरों में 24 जून 2024 से 2 जुलाई 2024 तक बहाली कैंप लगाया जा रहा है, जिसमें गढ़वा जिला के शहरी और ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को एसआईएस लिमिटेड द्वारा बहाली करके चयनित किया जायेगा, यह जानकारी ग्रुप कमांडेंट रमेश कुमार जसवाल ने दी। उन्होंने बताया कि जिसमें जवानों का शारीरिक शारीरिक जांच और लिखित परीक्षा के उपरांत उनका रजिस्ट्रेशन किया जायेगा और आवेदन फॉर्म शुल्क रुपये 350 देय होगा। इसके बाद सभी चयनित उम्मीदवारों को सेंट्रल टेनिंग एकेडमी अनुशासनपुरम गढ़वा में एक मास का प्रशिक्षण प्रदान दिया जायेगा।

ट्रेनिंग सेंटर में आने के बाद उनका डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन होने के बाद उनको एक मास का भोजन रहना, और कीट उपलब्ध करायी जायेगी। जिसमें पीटी, ड्रील, थ्योरी, औद्योगिक सुरक्षा, भीआईपी सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, फायर फाइटिंग, कंप्यूटर, बैंक सिक्यूरिटी, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की सुरक्षा, सरकारी कार्यालयों की सुरक्षा इत्यादि का प्रशिक्षण प्रदान करके एसआईएस लिमिटेड के 3000 कार्यस्थलों पर नौकरी उपलब्ध कराई जायेगी। भर्ती शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए भर्ती रमेश कुमार जसवाल ने बताया की भर्ती होने के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ योग्य उम्मीदवार, मैट्रिक पास या फेल, उम्र 19 वर्ष से 40 वर्ष तक ही होनी चाहिए और लंबाई कम से कम 167.5 सेंटीमीटर होनी चाहिए।

भर्ती कैंप का स्थान और तिथियां इस प्रकार से हैं

1. मेराल ब्लॉक परिसर में 26.06.2024
2. कांडी ब्लॉक परिसर में 27.06.2024
3. बरडीहा ब्लॉक परिसर में 28.06.2024
4. बिसुनपुरा ब्लॉक परिसर में 29.06.2024
5. मंझियाओ ब्लॉक परिसर में 01.07.2024
6. गढ़वा ब्लॉक परिसर में 02.07.2024 को भर्ती कैंप लगेगा

भर्ती अधिकारी ने आगे बताया कि जिले के बेरोजगार नवयुवकों को चयन करके उन्हें प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा तथा उम्मीदवारों को प्रशिक्षण हेतू नियुक्ति पत्र दिया जायेगा। प्रशिक्षण के उपरांत सभी जवानों को एस. आई. एस. लि0 जो आई0 एस0 ओ0 9001-2008 मानक विभाग में रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। साथ ही प्रशिक्षण के उपरांत उम्मीदवारों को भारत सरकार के द्वारा प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराया जायेगा।

राज्य सरकार के न्यूनतम वेतन अधिनियम एक्ट 1984 के अंतर्गत अन्य भत्ता योग्यतानुसार, पी. एफ. सरकारी पेंशन, विधवा पेंशन, बोनस, गेच्यूटी, ई. एस. आई, ग्रुप इन्श्यारेंस , मेडिकल आवास और रियाती मेस की सुविधा, प्रमोशन, दो योग्य बच्चों को आई. पी. एस. देहरादून में पढ़ाने की व्यवस्था तथा स्थानांतरण के दौरान यात्रा भत्ता और खाने की सुविधा दी जाती है।

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department,Municipal Corporation, Hazaribag

e- Procurement

Short Notice Inviting Tender

Reference No. - UDD/HMC/HZB/06/2024-25
Head :- Urban Transport, Civic Amenities
1.Detail of work

Group No.	Name of work	Estimated Cost (Rs.)	Earnest Money	Cost of BOQ	Completion period for construction
1.	Construction of R.C.C drain from Karpuri Thakur Chowk to H/o Girdhari Rana in Ward No. 03 Under Municipal Corporation, Hazaribag	18,89,300/-	38,000/-	5,900/-	90 Days
2.	Construction of B.T Road from H/o Sunil Kumar Suman to Gandhi Smark, from Kala Road to H/O Arvind Kumar Jha, from H/o Arjun Kumar to H/o Navin Sinha in Ward No. 04 Under Municipal Corporation, Hazaribag	19,33,100/-	40,000/-	5,900/-	90 Days
3.	Construction of R.C.C Drain & Culvert from H/o Angesh Kumar to H/o Tej Narayan from H/o Manoj Kumar Sinha to H/o Santan Pathak, H/o Arjun Rana to H/o Madhav Dubey House Okani 4th Lane in ward no. 20 under Municipal Corporation, Hazaribag	14,98,000/-	30,000/-	5,900/-	90 Days
2.	Date of Publication of Tender on website	**26.06.2024 at 11:00 A.M.**			
3.	Last Date/Time of receipt of bids online	**12.07.2024 up to 5:00 P.M.**			
4.	Bid Opening date	**13.07.2024 at 11:00 A.M.**			
6.	Name & Address of office inviting tender	Municipal Commissioner Cum Administrator Municipal Corporation, Hazaribag.			
7.	Contact No. of Procurement officer	8219204356			

NOTE :
- Only e-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website http:/jharkhandtenders.gov.in
- e-Procurement में Tender Fee एवं EMD की राशि ऑनलाईन सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड, रांची का आदेश ज्ञापांक 120, दिनांक 03.10.2023 एवं नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड रांची का पत्रांक 05/विविध (e-Tender)–12/2023/न0वि– 4847 (अनु॰) दिनांक 11.10.2023 के तहत् ली जायेगी।

Sd/-
Administrator
Municipal Corporation, Hazaribag

PR 327652 Urban Development and Housing(24-25).D

पत्नी और बेटी के सामने एसी कुटुंब परिवार के चंद्र मोहन मुंडा की हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

अड़की। अड़की थाना क्षेत्र के सोनपुर गांव में मंगलवार की रात एसी कुटुंब परिवार के चंद्र मोहन मुंडा की तेज धारदार हथियार से काट कर उसकी पत्नी व छोटी बेटी के सामने हत्या कर दी गयी और हत्यारे फरार हो गये। यह गांव पत्थरगड़ी समर्थक के गांव है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस पुछताछ के लिए दो लोगों को पकड़ा है। यह खेती-बारी कर जीवन यापन करता था। घटना के बाद एसी कुटुंब परिवार के लोग और पुलिस छानबीन कर रही है।

विधानसभा की विशेष समिति ने खोदी गयी सड़कों का किया निरीक्षण, जतायी नाराजगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के विशेष समिति के संयोजक विधायक मथुरा महतो के साथ विधायक रामचंद्र सिंह तथा सीपी सिंह ने रांची शहर अंतर्गत रातू रोड के इंदपुरी मुख्य पथ, लालपुर के लोअर वर्धमान कंपाउंड एवं चुटिया के हटिया तालाब मुहल्ले एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों में पानी का पाइप लाइन बिछाने एवं सिवरेज ड्रेनेज हेतु खोदी गयी सड़कों के बाद किये जा रहे मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ जुडको, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा रांची नगर निगम के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि रांची शहर के लगभग सभी सड़कों को संबंधित कंपनियों द्वारा आधा-अधूरा छोड़ दिया गया है। मरम्मति के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है।

डे बोर्डिंग खूंटी ने दोनों वर्गों में जीते अपने मैच

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। हॉकी खूंटी और सीनी संस्था के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित जूनियर बालक बालिका हॉकी लीग चैंपियनशिप के दूसरे दिन मंगलवार को दोनों वर्गों में कुल आठ मैच खेले गये। बालक वर्ग के पहले मैच में डे बोर्डिंग खूंटी ने डे बोर्डिंग गोविंदपुर सेंटर को 2 - 0 गोल से पराजित कर पूरा अंक प्राप्त किया। दूसरा मैच आरडीसी बिचना और डे बोर्डिंग तोरपा के बीच 1-1 गोल की बराबरी पर समाप्त हुआ। तीसरे मैच में एसएस प्लस टू खूंटी को वॉकओवर मिला। और चौथा मैच आरडीसी बिचना और हॉकी खूंटी का 2-2 गोल की बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरी ओर बालिका वर्ग के पहले मैच में आरडीसी बिचना ने रूट फाउंडेशन को 5-1 गोल से पराजित कर पूरे अंक प्राप्त किए। दूसरे मैच में हॉकी खूंटी ने डे बोर्डिंग गोविंदपुर को 2-0 गोल से हराया। तीसरे मैच में डे बोर्डिंग खूंटी ने रूट फाउंडेशन को 2-0 गोल से हराया तथा चौथे और आखिरी मैच में हॉकी खूंटी ने डे बोर्डिंग तोरपा को 1-0 गोल से पराजित कर पूरे अंक हासिल किए। चार दिवसीय प्रतियोगिता के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्य अतिथि के रूप में बोल्लेंडर फाउंडेशन नीदरलैंड के हॉकी कोच एरिक जैन एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में मौजूद रहे और मैच खेल रहे बच्चों का उत्साह बढ़ाया। यह जानकारी हॉकी खूंटी के दशरथ महतो ने दी।

सीसीएल कर्मी की बाइक को ट्रक ने कुचला, बाल-बाल बचा सीसीएलकर्मी

आजाद सिपाही संवाददाता

> टक्कर मारने वाले ट्रक के चालक ने टंडवा स्थित अपने मालिक को इस घटना की जानकारी दी।

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के भूतनगर बस्ती के निकट एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार सीसीएल कर्मी को टक्कर मार कर फरार हो गया। इस घटना में सीसीएल कर्मी बाल बाल बच गया जबकि उसका बाइक पुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने सड़क को जाम कर दिया। जानकारी के अनुसार केडीएच परियोजना में कार्यरत पेलोडर ऑपरेटर जगजीवन सतनामी मंगलवार की दोपहर मोहन नगर अपने आवास से बाइक लेकर ड्यूटी के लिए जा रहे थे। जैसे ही वह भूत नगर पुल के पास पहुचे सामने से आ रही तेज रफ़्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद जगजीवन सतनामी सड़क किनारे गिर गये जबकि उनकी बाइक को ट्रक ने कुचल दिया। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक को लेकर भागने लगा, जिसे अन्य कामगारों के द्वारा थोड़ी दूर पर पकड़ा गया। बाइक पर ट्रक का चक्का चढ़ने से बाइक पुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी। इधर इस घटना से नाराज कामगारों और स्थानीय लोगों ने मुआवजा की मांग को लेकर सड़क को जाम कर दिया है। घटनास्थल पर श्रमिक नेता अब्दुल्ला अंसारी, कृष्णा चौहान, इरफान खान, गोल्डन प्रसाद यादव, रतिया गंझू, हरेंद्र सिंह भी पहुचे और मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। टक्कर मारने वाले ट्रक के चालक ने टंडवा स्थित अपने मालिक को इस घटना की जानकारी दी। जिसके बाद ट्रक मालिक ने क्षतिग्रस्त बाइक के क्षतिपूर्ति के लेकर 75 हजार रुपया देने का आश्वासन दिया जिसके बाद सड़क जाम को हटाया गया। घटना के कारण 3 घंटे तक सड़क जाम रहा। जिसके कारण 3 घंटे तक कोयला ढुलाई बंद रहा।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने किया ज्ञान केंद्र का उद्घाटन

ज्ञान केंद्र में बच्चों का होगा ज्ञानवर्धन : बीडीओ

सात पंचायतों में ज्ञान केंद्र स्थापित किया गया है

बीडीओ ने बताया कि प्रखंड की सात पंचायत में ज्ञान केंद्र स्थापित किया गया है। बारकुली पंचायत सहित मरचा, उड़ीकेल, दियांकेल, कमड़ा, सुंदारी तथा हुसीर पंचायत में ज्ञान केंद्र स्थापित किया गया। इसका उद्घाटन भी जल्द किया जायेगा। बीडीओ ने कहा कि ज्ञान केंद्र बच्चों का शैक्षणिक ज्ञान बढ़ाने में सहायक होगा। यह पंचायत के बच्चों के लिए एक अवसर है। बच्चे इसका भरपूर लाभ उठाएं। यहां पढ़ाई करने के लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा।

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। बीडीओ कुमुद झा ने मंगलवार को बारकुली पंचायत में स्थापित ज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर उन्होंने बच्चों की पढ़ाई के लिए रखे गये कंप्यूटर, स्मार्ट टीवी आदि को देखा। इसके रख रखाव को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मौके पर बारकुली पंचायत की मुखिया प्रतिमा तिड़ू, बीपीओ मोनल आदि उपस्थित थे। ज्ञान केंद्र का संचालन ग्राम पंचायत करेंगी। बच्चों में शिक्षा का स्तर उठाने तथा उनके ज्ञानवर्धन के लिए पंचायत में ज्ञान केंद्र खोले गये हैं। यहां पर बच्चों के पढ़ने के लिए पाठ्यक्रम के साथ साथ सामान्य ज्ञान से संबंधित पुस्तकें रखी गयी है, जिसका प्रयोग पंचायत के बच्चे कर सकेंगे। केंद्र में कंप्यूटर सेट तथा स्मार्ट टीवी भी रखे गये है। इसका उपयोग बच्चे कंप्यूटर सीखने तथा अपने तकनीकी ज्ञान बढ़ाने में करेंगे। यू ट्यूब के सहारे भी बच्चे पढ़ाई कर सकते हैं। पंचायत में संचालित प्रज्ञा केंद्र चलाने वापस संचालक बच्चों को कंप्यूटर की पढ़ाई में मदद करेंगे।

मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू

24 जुलाई तक घर-घर सर्वे कर किया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। आसन्न विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एक जुलाई 2024 को अर्हता तिथि मानते हुए खूंटी जिले में मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम मंगलवार को शुरू हो गया। कार्यक्रम के तहत 24 जुलाई तक बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेंगे। इस दौरान एक जुलाई 2024 को 18 वर्ष पूरा करने वाले युवा मतदाताओं का सूची में नाम शामिल करने, मृत अथवा स्थाई रूप से विस्थापित हो चुके मतदाताओं का सूची से नाम हटाने तथा पुराने मतदाता फोटो पहचान पत्र को अपडेट करने व फोटो में सुधार करने के संबंध में कार्य किए जायेंगे। यह जानकारी जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला में 25 जून से 24 जुलाई तक मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्री-रिवीजन एक्टिविटीज की जा रही है। इसके तहत बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूची का पुनरीक्षण करेंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 25 जुलाई को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन होगा, जिसके बाद नौ अगस्त तक मतदाता इसमें सुधार के लिए दावा और आपत्ति समर्पित कर सकेंगे। 19 अगस्त को प्राप्त दावों और आपत्तियों का निपटारा किया जायेगा और 20 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। उपायुक्त ने बताया कि मतदाता सूची में कोई भी योग्य मतदाता का नाम ना छूटे इसे लेकर 27 व 28 जुलाई तथा तीन और चार अगस्त को विशेष अभियान दिवस चलाया जायेगा। इसके अलावा 29 जुलाई को दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाले जनसमूह को मतदाता सूची में निबंधन की कार्रवाई की जायेगी। 30 जुलाई को जिलांतर्गत सभी रैन बसेरों व आश्रय गृह में रहने वाले योग्य लोगों के निबंधन के लिए अभियान चलाया जायेगा। 31 जुलाई को पात्र दिव्यांग जनों का निबंधन एवं मतदाता सूची में मार्किंग के लिए विशेष अभियान चलाया जायेगा तथा एक अगस्त को 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं के निबंधन के लिए विशेष अभियान चलाया जायेगा।

झामुमो ने ग्राम प्रधान व पंचायत के प्रतिनिधियों को किया सम्मानित

झारखंड को लूटने से रोका, तो हेमंत सोरेन को जेल में डाल दिया गया : जुबैर अहमद

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड समिति ने मंगलवार को प्रखंड के जरियागढ़ मंडा मैदान में कार्यक्रम आयोजित कर क्षेत्र के विभिन्न गांव के ग्राम प्रधान, ग्राम अध्यक्ष, पंचायत के प्रतिनिधि, मुखिया तथा वार्ड मेंबर को सम्मानित किया। इस अवसर पर झामुमो के पंचायत अध्यक्ष सहित अन्य गणमान्य लोगों को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद, झामुमो के केंद्रीय समिति सदस्य सुदीप गुड़िया आदि ने सभी को अंगवस्त्र देकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर जुबैर अहमद ने कहा कि दिशुम गुरु शिबू सोरेन के लंबे संघर्ष के बाद झारखंड अलग राज्य बना। उनका बेटा हेमंत सोरेन ने झारखंड को संवारने का काम किया। हेमंत सोरेन ने पूंजीपतियों को झारखंड को लूटने से रोका, तो पूंजीपतियों के इशारे पर एक साजिश तहत उन्हें एक झूठे मुकदमे में जेल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि झारखंड में अबुआ दिशुम अबुआ राज का सपना साकार हो रहा है। सुदीप गुड़िया ने राज्य सरकार द्वारा झारखंडियों के हित में किये जा रहे कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि झामुमो की अगुवाई में झारखंड का विकास तेजी से हो रहा है। कार्यक्रम का संचालन राहुल केशरी ने किया। मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष शेख फिरोज, केंद्रीय समिति सदस्य मकसूद अंसारी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष स्नेहलता कंडुलना, उषा धान, हेमंत तोपनो, बिनोद उरांव, सुभाष कोनगाडी, मोजीर अंसारी, प्रदीप केशरी, पूनम बारला, ग्लोरिया लुगुन, माधवी मुंडा, छतरी हेमरोम, सुनीता चोचा, सोमारी लकड़ा, सनारती आईंद, रवींद्र मिश्रा, सुशील होरो, सोसन होरो, देवनाथ मधैया, जोसेफ आईंद, नामजन होरो, मार्शल बारला, राजा गोप, कंदु आईंद, बका लकड़ा, सहदेव भेंगरा,आदि उपस्थित थे।

देश में आपातकाल लगाकर संविधान को कुचलनेवाले फिर संविधान के नाम पर कर रहे दुष्प्रचार : बालमुकुंद सहाय

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। देश में आपातकाल लगाने के 50 वर्ष पूरे होने पर मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में आपातकाल के विरोध में काला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने 50 वर्ष पूर्व आज ही के दिन देश में थोपे गये आपातकाल की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को चुनाव में मिली जीत को असंवैधानिक करार देते हुए उन्हें छह साल चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया तो सत्ता में बने रहने के उद्देश्य से इंदिरा गांधी ने 25 जून की मध्य रात्रि को राष्ट्रपति से हस्ताक्षर करा कर देश में आपातकाल घोषित कर दिया। आपातकाल घोषित होने के बाद सभी विपक्षी नेताओं सहित लाखों लोगों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया और उन्हें यातनाएं दी गयी। उन्होंने कहा कि 1975 में जो मानसिकता कांग्रेस की थी वही मानसिकता आज भी है। इस लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने लोगों को छलने का काम किया है। महिलाओं को 8500 रुपया प्रति माह देने का वादा किया गया लेकिन जिस राज्य में कांग्रेस की सरकार है वहां की महिलाओं को खटाखट 8500 रुपये क्यों नहीं दिए जा रहे हैं। तोरपा विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि 50 वर्ष पूर्व निजी स्वार्थ के लिए देश में आपातकाल लागू कर संविधान को कुचलने वाले लोग इस लोकसभा चुनाव में संविधान को बदलने का दुष्प्रचार करते रहे। उन्होंने कहा कि आपातकाल के समय सरना समाज के द्वारा चलाए जा रहे संस्था को भी बंद कर दिया गया था। कांग्रेस शुरू से ही आदिवासी विरोधी रही है। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष काशीनाथ महतो ने भी आपातकाल पर प्रकाश डाला। जनसंघी कैलाश महतो ने आपातकाल के समय किए गये जेल यात्रा का अनुभव साझा किया। मौके पर आपातकाल के दौरान जेल यात्रा करने वाले सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजक संजय साहू, मंच संचालन जिला महामंत्री विनोद नाग और धन्यवाद ज्ञापन मंडल अध्यक्ष मदन मोहन गोप ने किया। कार्यक्रम के बाद एक वृक्ष मां के नाम अभियान के तहत एक वृक्ष का पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष सह खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, प्रखंड प्रमुख छोट राय मुंडा, जिला उपाध्यक्ष कैलाश राम, रूपेश जायसवाल, महावीर राम, जनार्दन मिश्रा, गुलाब महतो, बालकिशुन महतो, मदन मोहन गोप, सुरेश जायसवाल, निखिल कंडुलना, प्रियांक भगत, योगेंद्र नायक, रंदाय नाग, मदन मोहन मिश्रा, कलिंदर राम, महेंद्र नायक, सुकेंदर महतो, सुदन मुंडा, मनोज गोप, राजेश नाग, प्रशांत कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान

बुंडू (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत क्षेत्र के रमेश सिंह मुंडा स्मारक +2 उच्च विद्यालय बुंडू के छात्र छात्राओं द्वारा मंगलवार को मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया। छात्र छात्राओं ने साइकिल में मादक पदार्थों के विरुद्ध स्लोगन लिखे तख्तियां लगा कर नगर पंचायत क्षेत्र के फुलवारटोली पुराना बाजार टोली, कुंडू टोली, कुम्हार टोली, अस्पताल रोड, कालीमंदिर, नीलगिरी टोली, बाजार टोली क्षेत्र का भ्रमण कर जनता को मादक पदार्थों के विरुद्ध संदेश प्रदान किया तथा सभी हाउस के बीच विषय से संबंधित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता हाउस को पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्यालय प्रभारी नीलमणि सोरेंग, कार्तिक प्रमाणिक यशपाल कुमार भूपेंद्र कुमार, अमित बिंद, बीरेंद्र मेहता, आशा साहू, अर्चना कुल्लू, रेणु मिंज, शांता खेस मानकी मुंडा, आशा तिर्की, रितेश कुमार, दिलीप महतो सहित सभी विद्यालय परिवार उपस्थित रहे।

बालू लदे दो ट्रैक्टर को पुलिस ने किया जब्त

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू सोनाहातु रोड स्थित जामटोली में दो अवैध रूप से बालू लदे ट्रैक्टर को पुलिस ने पकड़ा प्राप्त जानकारी के अनुसार बुढ़ाडीह गांव स्थित कांची नदी से अवैध बालू निकालकर जा रहे थे जाम टोली के पास पुलिस को देखकर ट्रैक्टर चालक फरार हो गए जिसे बुंडू पुलिस ने जप्त कर लिया पकड़े गए ट्रैक्टर दामाद के बदला गांव के बनमाली महतो तथा जयसिंह महतो का बताया जा रहा है।

झामुमो ने सुधीर महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। झामुमो प्रखंड कमिटी एंव पंचायत कमिटी के द्वारा झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह ईचागढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक स्व सुधीर महतो के 68 वीं जन्म दिवस के अवसर पर मंगलवार को रामनगर बिशटांड़ में बने मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया गया ओर दो मिनट का मौन रख कर उनके आत्मा शांति हेतु प्रार्थना किया गया। मौके पर झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष निताई उरांव, अभय यादव, अघोर महतो, लखिनारायण सिंह मुंडा, राम प्रसाद महतो, नरेन गोप, पंचानन पातर, पशुपति बागची, स्वपन आदित्यदेव, अमित सिन्हा, हरेंद्र नाथ महतो, मधु गोप, बैजेंद्र नाथ महतो, पुईतु उरांव आदि झामुमो के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पहला सेमीफाइनल एफसी तमाड़ बनाम जांबाज ब्रदर्स के बीच

तमाड़ (आजाद सिपाही)। पांच परगना स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित फुटबॉल लीग मैच समाप्त के साथ ही एफसी तमाड़, जूनियर एफसी तमाड़, एफसी पुंडीदीरी और एफसी जांबाज ब्रदर्स ने अंक तालिका में टॉफ 4 में जगह बना कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहला सेमीफाइनल एफसी तमाड़ बनाम जांबाज ब्रदर्स के बीच बुधवार को दूसरा सेमीफाइनल जूनियर एफ तमाड़ और पुंडीदीरी के बीच 27 जून गुरुवार को दोनों मैच अपराह्न 2 बजे से आमलेशा मैदान में खेला जायेगा। यह जानकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष सह मुखिया हरीश मुंडा ने दी।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत सेल्फी प्वाइंट का उद्घाटन

खलारी (आजाद सिपाही)। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत सीसीएल एनके एरिया महाप्रबंधक कार्यालय परिसर में मंगलवार को सेल्फी प्वाइंट उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महाप्रबंधक संचालन केके झा ने फीता काटकर इस सेल्फी प्वाइंट उद्घाटन किया। महाप्रबंधक कार्यालय परिसर में लगाये गये सेल्फी प्वाइंट में कार्यालय आने वाले लोग स्वच्छता संदेश के साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर जागरूकता फैलाएं। इस मौके पर मुख्य कार्मिक अधिकारी ज्योति कुमार, सीएसआर अधिकारी निखिल अखौरी, श्रमिक प्रतिनिधियों में मिथिलेश सिंह, अमर भूषण सिंह, शैलेश कुमार, गोल्डन यादव, धीरेंद्र सिंह, हरेंद्र सिंह मौजूद थे।

सांसद प्रतिनिधि बनने के लिए रस्साकसी तेज

बुंडू (आजाद सिपाही)। इंडिया गठबंधन के जीत के बाद तमाड़ विधानसभा में सांसद प्रतिनिधि बनने के लिए रस्साकसी तेज हो गयी है हालांकि सांसद प्रतिनिधि के लिए कई कांग्रेसी नेता का नाम सामने आ रहा है चर्चा बाजार में चल रहा है इधर प्राप्त जानकारी के बुंडू तमाड़ व अड़की में कयी नाम है कुछ समर्पित कार्यकर्ता भी जोर लगाये है सांसद काली चरण मुंडा के लिए भी एक चुनौती होगी सत्र के बाद दिल्ली से आने के बाद इसकी चर्चा होगी सांसद के पास पैरवी पहुंच रहे हैं।

मतदाता पुनरीक्षण कार्य को लेकर बैठक

खूंटी (आजाद सिपाही)। मतदाता पुनरीक्षण कार्य को लेकर मंगलवार को तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमुद झा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने मतदाता पुनरीक्षण कार्य की विस्तृत जानकारी प्रतिनिधियों को दी। उन्होंने बताया कि बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूची का भौतिक सत्यापन करेंगे। इस दौरान जिनका नाम मतदाता सूची में छूट गया है, वे नाम जोड़ने के लिए प्रपत्र छह भरकर देंगे। किसी की मृत्यु हो गयी है या बाहर चले गये हैं, उनका नाम मतदाता सूची से हटाना होगा। नाम हटाने के लिए प्रपत्र सात भरना होगा। मतदाता पहचान पत्र को रंगीन करते या नाम सुधार करने के लिए प्रपत्र आठ भरना होगा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल के लोग मतदाता पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करें। बैठक में भाजपा के दीपक तिग्गा, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रुबेन तोपनो, संजय यादव, कांग्रेस के कैसर खान आदि उपस्थित थे।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 26 जून, 2024
www.azadsipahi.in

रिश्वत लेते एसीबी के हत्थे चढ़ा रातू थाने के सब इंस्पेक्टर

छोटानागपुर राज हाई स्कूल से हुई गिरफ्तारी

केस कमजोर करने के लिए मांगी गयी थी 70 हजार

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाने में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह को एसीबी की टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिया। इसकी गिरफ्तारी रातू चट्टी स्थित छोटानागपुर राज हाई स्कूल में ड्यूटी के दौरान हुई। स्कूल में मदरसा बोर्ड की परीक्षा चल रही है। स्कूल पर सब इंस्पेक्टर की तैनाती की गयी थी। उन्होंने रिश्वत देने के लिए एक महिला को यहां बुलाया था। महिला ने जैसे ही सत्येंद्र सिंह को 35,000 रुपये दिये। वहां पहले से सादे वेश में मौजूद एसीबी की टीम ने धर दबोचा व अपने साथ ले गये। जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता महिला बबिता देवी टेंडर की रहने वाली है। उसके पति विजय सिंह पर 24 मई को टेंडर के दो लोग अखिलेश वर्मा और सुभाष प्रजापति ने मारपीट और गोली चलाने का आरोप लगाते हुये रातू थाने में कांड सं0-175/24 और 176/24 में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया था। घटना में पुलिस ने घटना स्थल से 6 खोखा बरामद की थी। गोली चलाने के आरोपी विजय सिंह के तलाश में उसके घर की तलाशी लेने पर पुलिस ने 15 लाख रुपये भी बरामद किया था।

एसीबी के हत्थे चढ़ा सब इंस्पेक्टर

केस कमजोर करने के लिए मांगी थी 35 हजार की रिश्वत : एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम सत्येंद्र सिंह को एसीबी मुख्यालय रांची ले गयी है। वहीं उनसे आगे की पूछताछ की जायेगी। सत्येंद्र सिंह के खिलाफ रातू थाना क्षेत्र के सूर्या नगर की रहने वाली एक महिला ने एसीबी में शिकायत की थी। महिला का नाम बबिता देवी है। वह विजय सिंह की पत्नी है। आरोपी विजय के केस को कमजोर करने के एवज में केस के आईओ (इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर) ने 35,000 रिश्वत की मांग की थी।

विजय सिंह की पत्नी सबिता देवी ने एसीबी में की थी शिकायत

विजय सिंह रिश्वत नहीं देना चाहता था। लेकिन, आईओ बार-बार रिश्वत देने का दबाव बना रहा था। परेशान होकर विजय सिंह की पत्नी बबिता देवी ने एंटी करप्शन ब्यूरो रांची में इसकी शिकायत की। एसीबी की टीम ने जांच के बाद प्रथम दृष्टया शिकायत को सही पाया। इसके बाद एसीबी की टीम ने ट्रैप बिछाया और बबिता देवी को रिश्वत देने के लिए सत्येंद्र सिंह के पास सीएन राज हाई स्कूल भेजा। यहां महिला ने जैसे ही सत्येंद्र सिंह को रिश्वत के पैसे दिए। एसीबी की टीम ने उन्हें धर दबोचा।

ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों के बीच विधायक ने किया चेक का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

चान्हो। रांची जिला के चान्हो प्रखंड सभागार में आयोजित चेक वितरण कार्यक्रम में मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने अपने हाथों से 380 प्रभावित किसानों के बीच लगभग 18 लाख रुपये राशि चेक का वितरण किया। किसानों के फसल नष्ट हो जाने के कारण झारखंड सरकार के द्वारा किसानों को विधायक के प्रयास से सहायता राशि उपलब्ध करायी गयी थी। किसानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की आवाज को झारखंड सरकार हमेशा बुलंद करती रही है। यहीं कारण है कि आज किसानों के हित में कई बड़े फैसले सरकार ने लिए हैं, ताकि किसान की स्थिति में सुधार हो सके। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचल अधिकारी के साथ कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष इश्तियाक अंसारी इरशाद खान, जुल्फान अंसारी, मंगलेश्वर उरांव, महादेव मुखिया मोहम्मद अहसानुद्दीन साथ बड़ी संख्या में आम जनता और किसान महिला पुरुष उपस्थित थे।

शालिनी अस्पताल और उषा मार्टिन ने लगाया निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। राजकीय मवि अनगड़ा में मंगलवार को शालिनी अस्पताल और उषा मार्टिन फाउंडेशन के सौजन्य से निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 90 बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गयी तथा उनके बीच दवा का वितरण किया गया। यह हेल्थ चेकअप कैंप उषा मार्टिन फाउंडेशन के सौजन्य से सीएसआर कार्यक्रम के तहत अयोजित हुआ। शिविर में डॉ मृदुला कच्छप ने मरीजों का इलाज किया। मौके पर अस्पताल के वरीय प्रबंधक राणा विकास ने बताया कि अस्पताल द्वारा आसपास के गांवों और स्कूलों में करीब 3 वर्षों से स्वास्थ्य जांच शिविर के माध्यम से उचित स्वास्थ्य देखभाल और स्वस्थ दिनचर्या की जानकारी दी जा रही है। इस दौरान अस्पताल द्वारा एनीमिया मुक्त अभियान और स्वस्थ जीवन शैली के लिए योग प्रशिक्षण का कार्यक्रम भी समय-समय पर स्कूलों में चलाया जा रहा है। इससे अब तक हजारों बच्चे लाभान्वित हो चुके हैं। यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा। हमारा उद्देश्य विद्यालय के बच्चों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता के साथ उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। कहा कि शालिनी अस्पताल में आयुष्मान भारत के तहत बीपीएल परिवारों के लिए चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध है, जिसका अस्पताल के आसपास के ग्रामीण लाभ उठा रहे हैं। शालिनी अस्पताल में उषा मार्टिन फाउंडेशन के सहयोग से आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराया गया है जिससे मरीजों की गुणवत्ता युक्त चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। अस्पताल में महिला विभाग में विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवा उपलब्ध करायी गयी है। जहां डॉ अमन सैकी और डॉ पीआर बाखला अपनी सेवा दे रही हैं। शिविर को सफल बनाने में शिशिर कुमार भगत, मोहर महतो, संपूर्णानंद महतो, दिलीप मुंडा, स्कूल की प्रभारी मनीषा एक्का आदि का योगदान रहा।

24 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नामकुम (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के अफसर मैस के समीप रहने वाले युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक युवक की पहचान नामकुम सदाबहार चौक निवासी विनय शंकर (केबल संचालक) के पुत्र महावीर शंकर (24) के रूप में की गई है। सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची नामकुम पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार महावीर सोमवार रात खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। इधर मंगलवार देर सुबह तक महावीर कमरे से नहीं निकला तो परिजनों को अनहोनी का शक हुआ। परिजन जब दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो महावीर पंखे पर गमछी के सहारे लटका (मृत) मिला। बताया जा रहा है महावीर होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई कर चुका था। कहीं नौकरी नही मिलने के कारण वह काफी परेशान रहता था। जिस कारण उसने यह कदम उठाया। इधर, घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत, दो घायल

अनगड़ा) (आजाद सिपाही)। रांची-पुरूलिया मार्ग पर राजाडेरा चमघटी के पास मंगलवार की दोपहर एक अज्ञात पीकअप वैन की चपेट में आकर स्कुटी सवार युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। मृतक युवक की पहचान जोन्हा गौतमधारा निवासी शुक्रा लोहरा के पुत्र कलेश्वर लोहरा (18 वर्ष) के रूप में हुई, जबकि घायलों में संदीप लोहरा (17 वर्ष) और मनकुंवर महतो (18 वर्ष) शामिल हैं। बताया गया कि मृतक अपने दो साथियों के साथ एक ही स्कुटी पर सवार होकर अपने बड़े भाई करण लोहरा के शादी का निमंत्रण कार्ड बांटने निकला था। जोन्हा में कार्ड बांटने के बाद वह किसी काम से गोंदलीपोखर की ओर जा रहा था। इसी दौरान चमघटी के पास तीखे मोड़ पर विपरित दिशा से आ रही एक पीकअप वैन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर हीं कलेश्वर की मौत हो गई जबकि उसके दोनों साथी घायल हो गए। दुर्घटना के बाद चालक पीकअप वैन के साथ वहां से फरार हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची अनगड़ा पुलिस ने शव को कब्जे में कर घायलों को इलाज के लिए सीएचसी अनगड़ा में भर्ती कराया। इस बीच समाजसेवी रामपोदो महतो अस्पताल पहुंचे तथा घटना की जानकारी ली। बाद में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा। जहां समाजसेवी रामपोदो महतो के प्रयास से तुरंत पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

अदालत ने पोटा अधिनियम के अभियुक्त तिलकमान साहू को दी 8 साल की सश्रम कारावास की सजा

जुर्माना के तौर देने होंगे 50 हजार, नहीं देने पर होगी अतिरिक्त 8 माह की सश्रम कारावास

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। न्यायायुक्त दिवाकर पांडे के न्यायालय द्वारा मंगलवार को अभियुक्त तिलकमान साहू को पोटा अधिनियम 2002 के तहत 8 साल की सश्रम कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनायी गयी। जुर्माना राशि नहीं देने पर 8 माह की अतिरिक्त सश्रम कारावास काटना पड़ेगा। स्पेशल केस नम्बर 25/2002 (पी), पालकोट थाना कांड संख्या 5/2002 माननीय न्यायालय, रांची में चल रहा था। इस वाद में न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत द्वारा मंगलवार को निर्णय पारित किया गया। ज्ञात हो कि विगत 11 फरवरी 2002 को पालकोट थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि माओवादी संगठन (एमसीसी) का सक्रिय सदस्य पालकोट बाजार, गुमला में लेवी की मांग में संलिप्त है। इसी सूचना का सन्हा दर्ज कर पालकोट पुलिस पालकोट बाजार में दोपहर लगभग 3.30 बजे पहुंची। वहां पर तिलकमान साहू को पालकोट पुलिस द्वारा पकड़ा गया और उसकी तलाशी ली गयी। तलाशी के दौरान उसके पास से लेवी की रकम बरामद की गयी। पुलिस ने तिलकमान साहू के निशानदेही पर मुरूमकेला गांव से एक अन्य माओवादी सदस्य शंकर लोहरा को भी गिरफ्तार किया था। तिलकमान साहू ने पुलिस को बताया था कि वह माओवादियों के लिए लेवी वसूलने के कार्य में संलिप्त है और वह माओवादी संगठन से सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। वाद के विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष के तरफ से 17 साक्षियों का परीक्षण कराया गया और कुछ दस्तावेजी प्रमाण भी विचारण के दौरान अभिलेख पर आया। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता मारवाड़ी साहू ने अभियुक्त का पक्ष रखा था। अभियोजन पक्ष के तरफ से विशेष लोक अभियोजक बीएन शर्मा ने बहस किया। गहन विचारण के उपरांत अभियुक्त तिलकमान साहू को पोटा अधिनियम 2002 की धारा 3(5) के प्रावधानों के अंतर्गत दोषी पाते हुए 8 वर्षों की सश्रम कारावास की सजा सुनायी तथा 50 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया। जुर्माना राशि नहीं देने पर 8 माह की अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा होगी।

बेड़ो में बन रहा भव्य दुर्गा मंदिर सहयोग की अपील

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित महादानी मंदिर परिसर में ग्रामीणों के सहयोग से भव्य दुर्गा मंदिर बन रहा है। इस मंदिर का निर्माण कार्य पिछले तीन वर्षों से चल रहा है। समिति के सदस्यों के अनुसार मंदिर के निर्माण में अनुमानित एक करोड़ रुपये खर्च होंगे। ग्रामीण मंदिर निर्माण के लिए खुद भी आर्थिक सहयोग कर रहे हैं। इसके अलावा वे मंदिर निर्माण में श्रमदान भी कर रहे हैं। वहीं मंदिर निर्माण समिति ने प्रखंड के आस पास के गांवों के लोगों से एक बार और सहयोग की अपेक्षा किये हुए हैं। सहयोग राशि अशोक पंडा के पास जमा कर सकते है। ग्रामीणों का मानना है कि भगवान उनके सभी दुखों का हरण करने के लिए साक्षात ग्राम में उपस्थित है। जल्द ही श्रद्धालुओं के सहयोग से मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।

एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। प्रखंड सभागार नामकुम में मंगलवार को कार्यपालक अभियंता, पेयजल और स्वच्छता प्रमंडल रांची पश्चिमी आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 रांची अंतर्गत जिला स्तरीय ठोस और तरल कचरा प्रबंधन के विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, तरल अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन, मलीय कचरा प्रबंधन, गोबर्धन योजना के बारे में चर्चा की गयी। जिसमें समुदायों के बीच व्यवहार परिवर्तन प्राप्त करने के लिए आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। कार्यशाला के दौरान कार्यपालक अभियंता, पेयजल और स्वच्छता प्रमंडल रांची पश्चिमी ने उपस्थित सभी सदस्यों को स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए स्वच्छता और सफाई बनाये रखने में सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। यूएनआईसीईएफ के सहयोगी संस्था आईडीएफ के कार्यक्रम प्रबंधक बिंध्याचल चंद्रा ने विस्तार पूर्वक ठोस और कचरा प्रबंधन व ऊर्जा संरक्षण पर जानकारी दिया। कार्यशाला में मुख्य रूप से ठोस और तरल कचरे को कैसे अलग करें व इलेक्ट्रॉनिक कचरे को कैसे निपटाया जाए, खाने में पोषक तत्व शामिल करने आदि विषयों पर जानकारी उपलब्ध करायी और जिला स्तरीय स्वच्छता पहल के लिए मूल्यवान संदर्भ और मार्गदर्शन प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे। इस दौरान मुख्य रूप से जिला समन्वयक, मुखिया, मास्टर जल सहिया, यूनिसेफ सहयोगी संस्था से अनूप कुमार मोदी, प्रखंड समन्वयक, सोशल मोबिलाइजर, चयनित 10 पंचायत के मुखिया, जलसहिया, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता पेयजल और स्वच्छता विभाग आदि उपस्थित थे।

दफादार-चौकीदार पंचायत संघ अत्याचार के खिलाफ आंदोलन का लिया संकल्प

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत संघ शाखा सदर अनुमंडल कमेटी रांची के तत्वावधान में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व विश्वनाथ प्रताप सिंह के जयंती समारोह के मौके पर संघ का जिला स्तरीय सम्मेलन मंगलवार को पंचायत भवन अनगड़ा में आयोजित हुआ। अध्यक्षता सुलेंद्र मुंडा ने जबकि संचालन रंजीत करमाली ने किया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह तथा विशिष्ट अतिथि एतवा उरांव थे। सम्मेलन में चौकीदारों की समस्याओं के समाधान और उनके हक अधिकार की रक्षा पर विस्तार से चर्चा की गयी। सम्मेलन में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर चौकीदार नियमावली के तहत

जिले के चौकीदारों को बैंक ड्यूटी, रोड गश्ती, कैदी स्टॉक, डाक ड्यूटी आदि बेठ बेगारी कराए जाने का विरोध किया गया तथा मुख्यमंत्री से सेवा विमुक्त और एवजी चौकीदारों के रिक्त पदों के लिए जिन जिलों में विज्ञापन निकाला गया है, इसे तत्काल रद्द करने, अन्य जिलों में विज्ञापन निकालने पर रोक लगाने, सेवा विमुक्त चौकीदारों को पुनः सेवा में योगदान कराने, 1 जनवरी 1990 के पूर्व और बाद में सेवानिवृत चौकीदारों के आश्रितों को नियुक्ति प्रक्रिया के अनुसार नियुक्त करने, बाल पुलिस की तर्ज पर बाल चौकीदार की नियुक्ति करने, स्वेच्छा सेवानिवृति का लाभ लेने की सुविधा देने आदि का आदेश सभी उपायुक्तों को देने की मांग की गयी। मौके पर कृष्ण दयाल सिंह ने कहा कि चौकीदारों के खिलाफ दमनकारी नीति अपनायी जा रही है। कहा कि जिला प्रशासन चौकीदारों को मैनुअल के अनुसार ड्यूटी देने के बजाय अपनी मनमर्जी से ड्यूटी दे रहा है। उन्होंने सरकारी और गैर सरकारी चौकीदारों पर हो रहे अत्याचार और दमन के खिलाफ सभी को एकजुट होने का आहवान किया। सम्मेलन में राजकिशोर महतो, वहाब अंसारी, रघुवर लोहरा, जगदीश महतो, संतोष लोहरा, रिंकु करमाली, अशोक राम, रामु कच्छप, दिनेश करमाली, लखीराम लोहरा, प्रीतम मिर्धा, रोबिन महली, रोशन, पूरन लोहरा, जितु, मो एकरामुल, विरेंद्र, अघनु, देवनंदन सिंह, रामनाथ महली, मनीराम, जब्बार, गुरूचरण, दुर्गा लोहरा, गणेश, रामेश्वर, नेपाल, रामेश्वर, सुरेन सहित अनगड़ा, मांडर, सिकिदीरी, कांके, नामकुम, ओरमांझी, सिल्ली, बेड़ो, राहे, सोनाहातु, बुंडू आदि थानों के चौकीदार उपस्थित हुए।

टिंबर मालिक से उग्रवादी संगठन के नाम पर, मांगी गयी 7 लाख की लेवी

लेवी नही देने पर सर कलम करने का दिया धमकी

रातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के परहेपाट में स्थित एक टिंबर मालिक से उग्रवादी संगठन के पर 7 लाख की मांग की गयी। नही देने पर सर कलम करने की धमकी भी दी गयी। जानकारी के मुताबिक 22 जून को रंगीन लिफाफा में एक बच्चे के द्वारा चिट्ठी भेजवाई गयी। चिट्ठी में उग्रवादी संगठन के नाम पर टिंबर के मालिक सुल्तान और इमरान से 7 लाख की मांग की गयी। चिट्ठी में लिखा है कि जिस तरह जंगल से लकड़ी कट रही है उसी तरह सर भी काटा जायेगा। लेवी की मांग से घबराये टिंबर मालिक सुल्तान ने इसकी सूचना रातू थाने को दी। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

छह अज्ञात अपराधियों ने दिनदहाड़े फायरिंग किया

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के ठाकुरगांव कुरमीटोला में मंगलवार की दोपहर लगभग 3 बजे दो बाइक में आये छह अज्ञात अपराधियों ने दिनदहाड़े फायरिंग किया। जानकारी के अनुसार अपराधियों ने तीन फायर किया। रांची के एक दुकानदार द्वारा कुरमीटोला में जमीन खरीदकर बाउंड्री कराया जा रहा है। अपराधियों ने काम कर रहे मजदूरों को उक्त जमीन में काम नहीं करने की धमकी भी दिया। ठाकुरगांव में दिनदहाड़े अज्ञात अपराधियों द्वारा गोलीबारी करने से ग्रामीणों में भय का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार फायरिंग करने के बाद अपराधी बाड़े गांव की ओर भाग निकले। वहीं कुछ ग्रामीणों के अनुसार उक्त घटना को टीपीसी के उग्रवादियों ने अंजाम दिया है। वहीं मामले पर थाना प्रभारी ने कहा कि अभी तक थाना में आवेदन नहीं मिला है लेकिन पुलिस मामले की जांच कर रही है। विदित हो कि इससे पूर्व भी थाना क्षेत्र के हिसरी और चापाटोली में जमीन के बाउंड्री कार्य में भी फायरिंग की घटना हो चुकी है।

आपातकाल को लेकर संगोष्ठी का आयोजन

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो के नेतृत्व में ओरमांझी स्थित आरटीसी कॉलेज के विवेकानंद सभागार में आपात काल को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। काला बिल्ला लगा कर ओरमांझी ब्लॉक चौक में मौन यात्रा निकाली गयी। मुख्य रूप से पूर्व 20सूत्री प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने कहा, आज का दिन काला दिवस के रूप में पूरा भारत माना रहा है। कांग्रेस के शासन काल में देश मनमानी कर देश के कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे। कार्यक्रम में पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, पूर्व जिला अध्यक्ष जलेंद्र कुमार, रणधीर चौधरी, अमरनाथ चौधरी, सत्यदेव मुंडा, लालू साहू, रामवतार केरकेटा, प्रमोद सिंह, बालक पाहन, कार्यक्रम प्रभारी मनोज चौधरी, नरेंद्र, प्रभदयाल बड़ाइक, दिलीप मेहता, सुधाकर, संजीत, रामकुमार, संजीत आदि उपस्थित थे।

घर का ताला तोड़कर बिजली मिस्त्री की बाइक चोरी

बेड़ो (आजाद सिपाही)। बेड़ो में चोरों का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। चोरों का मनोबल इतना बढ़ चुका है की अब वे बाजार,चौक चौराहे के अलावे घर के अंदर रखी बाइक को घर के अंदर घुसकर चोरी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। बेड़ो में पिछले कुछ दिनों से चोरी की घटना बढ़ गयी है। वहीं सोमवार की रात थाना क्षेत्र के हरिहरपुर जामटोली गांव निवासी बिजली मिस्त्री बासुदेव उरांव पिता बिरसा उरांव की बाइक चोरी हो गयी। इस बाबत बिजली मिस्त्री ने थाना में आवेदन दिया है। आवेदन के माध्यम से बताया कि वे अपने घर रात्रि लगभग 10:00 बजे आये। उसके बाद हर रोज की तरह घर के अंदर में अपनी स्पेलंडर बाइक नंबर जेएच 01एक्यू 4478 को खड़ा कर खाना खाकर घर में सो गये।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड क्षेत्र के ककरिया से बेड़ो जाने वाली मुख्य सड़क पर जौनी टोली से कुछ दुर आगे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से चंपाडिह चापाटोली निवासी 17 वर्षीय गुलाब टोप्पो उर्फ गुल्लू नामक युवक की दर्दनाक मौत देर-रात हो गयी है। पुलिस ने घटनास्थल में पहुंचकर सबको कब्जे में लेकर प्राथमिक छानबीन करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। हालांकि ग्रामीणों में चर्चा है कि यह दुर्घटना नहीं है। किसी ने घटना को अंजाम दिया है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही सच्चाई का सही जानकारी हो पायेगा। मिली जानकारी के अनुसार युवक शादी समारोह में शामिल होने कोयसारा गांव गया था।

जिप सदस्य ने किया नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड क्षेत्र के कारुम गांव में 15 वें वित्त योजना के तहत नाली निर्माण का शिलान्यास जिप सदस्य हिंदीया टोप्पो ने किया। मौके पर हिन्दीया टोप्पो ने कहा कि यहां पर नाली निर्माण की मांग ग्रामीण काफी दिनों से कर रहे थे। नाली निर्माण होने से अब सड़क पर पानी नहीं बहेगा साथ ही ग्रामीणों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मौके पर पूर्व जिप सदस्य बंदे हेरेंज, अनिल साहु, कृष्ण कुमार समेत कई लोग मौजूद रहें।

बेड़ो में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन

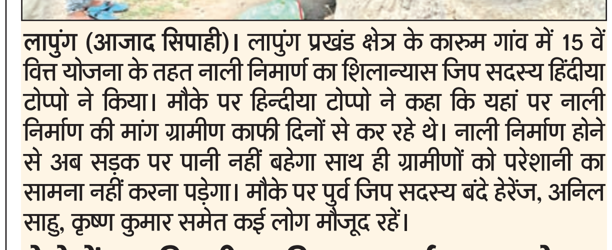

बेड़ो में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीण और कृषि विशेषज्ञ।

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के कटहल टोली और पुरियो गांव में सीएफएलडी खरीफ तिलहन मूंगफली के अंतर्गत खरपतवार एवं उर्वरक प्रबंधन के साथ मूंगफली उत्पादन तकनीक पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम डा मनोज कुमार सिंह, फसल वैज्ञानिक के वी के रांची और रामकृष्ण मिशन आश्रम मोराबादी रांची के बैनर तले आयोजित किया गया। साथ ही साथ रांची जिले के रातू प्रखंड में तिगरा नयाटोली गांव के 20 एकड़ में 714 किलोग्राम मूंगफली और 5 एकड़ में तिल तथा कटहल टोली व पुरियो गांव में किसानों के बीच 20 एकड़ में 714 किलोग्राम में मूंगफली बीज (नई किस्म ङ 1812) तथा 10 एकड़ में तिल की नई प्रभेद गुजरात तिल 6 इनपुट का वितरण किया गया। यह बीज मूंगफली का 112 से 115 दिन में पक कर तैयार हो जाता है। इसमें तेल 50-51% है। वहीं मौके पर मुखिया नीरज कुजूर, ग्राम प्रधान जयराम कच्छप और कृषक मित्र बिंदेश्वर महतो समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

इमरजेंसी के विरोध में पलामू भाजपा ने मनाया काला दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। 25 जून 1975 में देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री रहीं स्व. इंदिरा गांधी की ओर से लगाई गयी। इमरजेंसी के विरोध में शनिवार को पलामू भाजपा नेताओं ने काला दिवस के रूप से मनाया तथा इस पर भाजपा जिला कार्यालय पलामू में संगोष्ठी आयोजित की गयी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पलामू जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने किया जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष रीना किशोर ने किया। इमरजेंसी के दौरान मेदिनीनगर के एक मीसा बंदि प्रोफेसर केके मिश्रा को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष जवाहर पासवान ने कहा कि आपातकाल इस देश में आजादी की दूसरी लड़ाई की तरह था। सत्ता पर काबिज रहने के लिए देश में आपातकाल लगाया गया। मीडिया पर शिकंजा कसा गया। इंदिरा गांधी के खिलाफ एक लाइन भी लिखी जाती तो उसे हटवा दिया जाता या पत्रकारों को जेल में डाल दिया जाता।

पलामू जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि 25 जून 1975 की रात में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर दिया था। यह भारतीय राजनीतिक इतिहास का काला अध्याय था। कहा कि हाईकोर्ट की ओर से इंदिरा गांधी के खिलाफ दिया गया फैसला इस आपातकाल की सबसे अहम वजह थी जिसमें इंदिरा गांधी को चुनाव जीतने के लिए सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का दोषी पाया गया था। कांग्रेस के शासन काल में अराजकता, भ्रष्टाचार, कुशासन से जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी। जनता का मूड कांग्रेस सरकार के विपरीत था। ऐसे में सत्ता से बेदखल होने के डर से तत्कालीन प्रधानमंत्री ने आपातकाल लागू किया। आपातकाल के बाद इंदिरा हटाओ देश बचाओ का नारा बुलंद हुआ। प्रोफेसर केके मिश्रा ने कहा कि अहंकार में डूबी, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए 21 महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी थी, संविधान में बदलाव किए और न्यायालय तक के हाथ बाँध दिए थे। आपातकाल के खिलाफ संसद से सड़क तक आंदोलन करने वाले असंख्य सत्याग्रहियों, समाजसेवियों, श्रमिकों, किसानों, युवाओं व महिलाओं के संघर्ष को नमन करता हूं। वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम नारायण दुबे ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में लोकतंत्र की हत्या करते हुए देश में आपातकाल लगाया और विरोधी दलों के लोगों पर अमानवीय अत्याचार किए इस अवधि के दौरान, जो लोग आज भारतीय लोकतंत्र के संरक्षक होने का दावा करते हैं, उन्होंने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा में उठने वाली आवाजों को दबाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि आज हम देश के उन महान नायकों के बलिदान को याद करते हैं जो आपातकाल के दौरान बहादुरी से लोकतंत्र के संरक्षक के रूप में खड़े रहे। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र उपाध्याय ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व सांसद मनोज कुमार, परशुराम ओझा, नरेंद्र पांडे, विभाकर नारायण पांडे, अजय तिवारी, उदय शुक्ला, दुर्गा जौहरी, अंलेश्वर दुबे, नगर निगम की प्रथम महापौर अरूणा शंकर, मंगल सिंह, रूपा सिंह, ज्योति पांडे, जितेंद्र तिवारी, सीटू गुप्ता, विजय ओझा, सुनील , सोमेश सिंह, प्रिय रंजन , मनदीप प्रजापति एवं काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती का 59वां पुण्य स्मृति दिवस संपन्न

पुण्य स्मृति दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते ब्रह्माकुमारीज संगठन के लोग

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, सद्भावना भवन जपला में मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की 59वीं पुण्य स्मृति दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पुष्प अर्पण से हुई। वहीं मौजूद सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी प्रियंका बहन ने कहा कि सरस्वती मम्मा ब्रह्माकुमारीज संगठन की पहली प्रशासनिक प्रमुख (1950-65) भी थीं। हमारी यज्ञ माता का जीवन कितना प्रेरणादायक, सदाचारी, सेवाभावी और सरल था, यह उन लोगों से जानिये जो वास्तव में उनके साथ रहे और उनकी आध्यात्मिक अवस्था के साक्षी बने।

बीके नीरज ने कहा कि मातेश्वरी जगदंबा पूरे विश्व की मां थी। वह पूरे विश्व को अपना समझती थी। उन्होंने सिर्फ उपदेश नहीं दिये बल्कि हर कर्म का प्रयोग करके सिखाया। उन्होंने खुद आदर्श प्रस्तुत कर दूसरों के लिए प्रेरणा पेश की। यही कारण रहा कि वह मम्मा के रूप में जानी गयी और पूरे विश्व के लिए वह एक आदर्श बनी। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। ब्रह्मा कुमारी वंदना ने कहा कि मम्मा से सभी को मां की भावना आती थी। मम्मा सभी को दिल से स्नेह करती थी, क्रोध उनमें नाम मात्र का नहीं था। मानव ही नहीं सभी प्राणियों के प्रति उनके हृदय में प्रेम, स्नेह और वात्सल्य था। मौके पर बी.के. पूनम, धीरज, बी.के. मनोज भगत, रेखा बहन, वंदना बहन, रितिका, अखिलेश, कृष्ण प्रसाद, आनंद किशोर, डॉक्टर गया, कुसुम माता, शोभा देवी और सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

लोस चुनाव में बेहतर करने वाले बीएलओ व पर्यवेक्षक को किया गया सम्मानित

बीएलओ को सम्मानित करते बीडीओ

विश्रामपुर (पलामू) (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर प्रखंड के सभागार में सोमवार को एक सादे समारोह के दौरान लोस चुनाव में बेहतर करने वाले बीएलओ व पर्यवेक्षक को सम्मानित किया गया। प्रभारी बीडीओ चंद्रदेव प्रसाद ने उन्हे प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो दे कर सम्मानित किया। उत्कृष्ठ कार्य करने वाली बूथ संख्या 194 की बीएलओ प्रियंका देवी व पर्वेक्षक राजस्व उप निरीक्षक विजय कुमार चौबे को विशेष सम्मान दिया गया। बीडीओ चंद्रदेव प्रसाद ने कहा कि यह सम्मान आगे और भी बेहतर करने की प्रेरणा देगा। इसके बाद बीडीओ ने बीएलओ के साथ एक बैठक भी किया। बीडीओ सह उप निर्वाचन पदाधिकारी चंद्रदेव प्रसाद ने 25 जून मंगलवार से प्रारम्भ होने वाली कार्ययोजना के बारे में जानकारी देते हुए निर्देशित किया कि सभी बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। पूर्व से ब्लैक एंड वाइट या स्पष्ट रुप से नहीं दिखाई देने वाले मतदाताओं का फोटो में बदलाव को ले रंगीन फोटो संग्रह करें। इसके अलावा उन्होंने लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान 60% से कम मतदान वाले मतदान केन्द्रों पर कम मतदान होने का कारणों की समीक्षा की गयी। बीडीओ चंद्रदेव प्रसाद ने बीएलओ को कई और भी जरूरी दिशा निर्देश दिया।

डीएसओ के निर्देश पर पलामू के सभी प्रखंडों में मनाया गया चावल दिवस

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू के निदेशानुसार मंगलवार को सभी प्रखंडो में चावल दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के द्वारा अपने क्षेत्र में दुकानों का निरीक्षण किया गया तथा निर्धारित मात्रा और ससमय लाभुकों को राशन वितरण करने का निदेश दिया गया। बताते चलें कि वर्तमान में माह जून 2024 का एनएफएसए के तहत खाद्यान्न वितरण, माह अगस्त 2023 और सितम्बर 2023 का ग्रीन कार्डधारियों को चावल वितरण, माह अप्रैल 2024 का चना दाल तथा माह अक्टूबर 2023 से दिसम्बर 2023 तक के अवधि का चीनी तथा नमक का वितरण किया जा रहा है, साथ ही शेष बचे लाभुकों को सोना-सोबरन, धोती-साड़ी का वितरण भी किया जा रहा है। सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के द्वारा जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को समय पर दुकान खोलने, लाभुकों का अद्यतन सूची का प्रदर्शन करने,सुचना पट्ट लगाने सहित विभिन्न दिशा-निर्देश दिया गया। साथ ही आयुष्मान भारत योजना के तहत केवाईसी कराने के लिए सभी लाभुकों को प्रेरित करने तथा इसमें स्वास्थ्य सहिया एवं अन्य को सहयोग प्राप्त करने का भी निदेश दिया गया।

एनडीए गठबंधन का हिस्सा बताकर क्षेत्र की जनता को दिग्भ्रमित ना करे एनसीपी: विनोद

आजाद सिपाही संवाददाता

भाजपा नेता विनोद सिंह

हुसैनाबाद। एनसीपी(अजित पवार) द्वारा झारखंड में एनडीए का हिस्सा बताकर एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने वाले बयान क्षेत्र की जनता को दिग्भ्रमित करने वाला है। उक्त बातें भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद कुमार सिंह ने मंगलवार को शहर के रिद्धि-सिद्धि होटल में प्रेस वार्ता कर कही। उन्होंने कहा कि भाजपा एक राष्ट्रीय पार्टी हैं।

बीते लोकसभा चुनाव के दौरान ही मेदिनीनगर में आयोजित जनसभा के दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि झारखंड में मेरा गठबंधन मात्र आजसू पार्टी के साथ है, जहां पर हुसैनाबाद के विधायक और एनसीपी नेता भी मौजूद थे। इसके बाद भी प्रेस के माध्यम से इस तरह के गैर जिम्मेदाराना बयान देना उनकी खिसकती राजनीतिक जमीन को बचाने का प्रयास है। जहां तक गठबंधन की बात है, तो राष्टीय पार्टी के गठबंधन राज्य के आधार पर होती हैं और यह तय केंद्रीय नेतृत्व करता हैं। हमलोग तो सिर्फ एक साधारण कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि विधायक द्वारा पहले अपने पुत्र को चुनाव लड़ाने की बात करना और अब स्वयं चुनाव लड़ने की घोषणा करना राजनीतिक हताशा का परिणाम है। भाजपा नेता ने कहा कि क्षेत्र की जनता भूलभुलैया में ना पड़े, यहां भाजपा चुनाव कमल फूल छाप सिंबल पर लड़ेगी। चुनाव कौन लड़ेगा यह तय करना केंद्रीय और प्रदेश के वरीय नेताओं का काम हैं।

हज से वापस लौटे जेएमएम के नेता एजाज हुसैन, लोगों ने किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद के हरदिल अजीज जेएमएम के वरिष्ठ नेता एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान हज कर वापस हुसैनाबाद लौटे। बड़ेपुर मोड़ पर जेएमएम नेता सह जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह समेत अन्य ने उन्हें फूल माला देकर स्वागत किया और आर्शीवाद लिया। हाजी एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान के आने की खबर सुन बड़ी संख्या में लोग उनके आवास के पास राजटोली मैदान में पहुंच गये। हाजी एजाज हुसैन के पहुंचते ही नारा ए तकबीर अल्लाह हो अकबर से क्षेत्र गूंज उठा। लोगों ने हाजी एजाज हुसैन उर्फ छेदी को फूल माला देकर उनका स्वागत किया व हज करने की मुबारकबाद दी। एजाज हुसैन उर्फ छेदी ने कहा कि अल्लाह का करम है वह सही सलामत हज कर वापस लौट गये। उन्होंने कहा कि क्षेत्र राज्य व देश की खुशहाली के लिए उन्होंने दुआ मांगी है। मौके पर आलोक कुमार सिंह, मसरूर अहमद, डा0 एजाज आलम, ग्यासुद्दीन सिद्दीकी,अशोक कश्यप, जाकिर अली उर्फ राज अली, हाजी अब्बास, डा अमीनुल हक अंसारी, सज्जू, अमीन खान, खुश्तर, कलीम, इस्लाम खान के अलावा सैकड़ों लोग शामिल थे।

डीडीसी ने जिला जल और स्वच्छता समिति की बैठक की

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू डीडीसी सह जिला जल और स्वच्छता समिति के नोडल पदाधिकारी रवि आनंद ने समाहरणालय के सभागार में मंगलवार को जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन टू अंतर्गत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन टू अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु जिला में निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान ओडीएफ प्लस का सर्टिफिकेशन देने में गति लाने पर बल दिया गया। इसके अतरिक्त व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, गोबरधन, सामुदायिक स्वछता केंद्र, कचरा प्लास्टिक प्रबंधन सहित अन्य बिंदुओ पर विस्तार पूर्वक समीक्षा कर विभिन्न निर्णय लिया गया। मौके पर सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता शंभूनाथ चौधरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार, पेयजल व स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता पंचायती राज पदाधिकारी समिति अन्य उपस्थित रहे।

केतात कला पंचायत में जल नल योजना पूरी तरह फेल, पेयजल के लिए तरस रहे लोग

कागजों पर 90 प्रतिशत घरों में पानी पहुंचाने का दावा, धरातल पर 10 प्रतिशत घरों तक भी नहीं पहुंचा पानी

आजाद सिपाही संवाददाता

लूट की कहानी बयां करता जलमिनार

विश्रामपुर (पलामू)। प्रधानमंत्री मोदी का हर घर पानी पहुंचाने का अति महत्वाकांक्षी जल नल योजना को सरकारी तंत्र ही फेल करने में लगा है। इतना ही नहीं सही आंकड़ा भी सरकार से छुपाया जा रहा है। इसकी बानगी विश्रामपुर प्रखंड का केतात कला पंचायत है। जहां जल नल योजना से पंचायत के दस प्रतिशत घरों में भी पानी नहीं पहुंचा है,वहां सरकार को भेजे गये आंकड़ों में 90 प्रतिशत घरों में पानी पहुंचाने का दावा किया गया है। धरातल पर बमुश्किल 20 घरों में भी पानी नहीं पहुंचा होगा,जबकि जल शक्ति के पोर्टल पर 447 घरों को जल नल योजना से लाभान्वित दिखाया जा रहा है। केतात कला पंचायत में जल नल योजना पूरी तरह फेल हो चुका है। धरातल पर इस योजना का कोई लाभ लोगों को नहीं मिल रहा। करोड़ों खर्च के बावजूद भी लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। इसका मुख्य कारण ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों का मिलीभगत है। इन दोनो के गठजोड़ ने जल नल योजना को लूट योजना में परिवर्तित कर दिया है। पंचायत समिति सदस्य रीना चौबे और सामाजिक कार्यकर्ता नवीन चौबे ने इस संबंध में पीएमओ को पत्र लिख कर जांचोपरांत कार्रवाई की मांग की है।

जलमीनार अधिष्ठापन में घोर अनियमितता

केतात कला पंचायत में जल मीनार अधिस्थापन में भी घोर अनियमितता बरती गयी है। पंचायत के वार्ड नंबर 2 में त्रिपुरारी चौबे के घर के पास कंक्रीट का जलमिनार बनाया गया है। जिसकी लागत लगभग बीस लाख रुपये बताया जा रहा है। कंक्रीट से बने टंकी को ऊपर से ढका भी नही गया है। वार्ड नंबर नौ मे एजाजुल अहमद के घर के पास कामता गांव में लगभग 4 माह पहले जलमीनार अधिष्ठापित किया गया है। जिसमे फटा हुआ टंकी लगाया गया है। ग्रामीणों के शिकायत के बावजूद भी उसे बदला नहीं गया। फलस्वरूप यह दोनो जलमीन सिर्फ अस्तित्व का बोध मात्र करा रहा है। नवीन चौबे ने बताया कि अगर ईमानदारी से इस योजना की जांच हो, तो लाखों रुपये के गबन का मामला प्रकाश में आयेगा। इधर इस बाबत पूछे जाने पर प्रभारी बीडीओ चंद्रदेव प्रसाद ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। अग्रतर कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को लिखा जायेगा।

कार्यालय नगर पंचायत, खूँटी

ज्ञापांक 1025 खूँटी, दिनांक 25.06.2024

आम सूचना

एतद् द्वारा आम नागरिकों को सूचित किया जाता है, कि खूँटी नगर पंचायत क्षेत्रान्तर्गत जितने भी नये भवनों का निर्माण किया जा रहा है, उन भवनों में सैप्टिक टैंक का निर्माण निर्धारित मानक के अन्तर्गत किया जाना अति आवश्यक है। भवनों में निर्मित निर्माणाधीन सैप्टिक टैंक IS2470 एवं बिल्डिंग प्लान अप्रूवल के प्रावधानों के आधार पर निर्माण किया जाना है। निदेशित मानक पर सैप्टिक टैंक का निर्माण नहीं होने पर जाचाँपरांत उचित कार्रवाई की जा सकती है।

ह0/–
प्रशासक,
नगर पंचायत, खूँटी।

PR.NO.327656 Urban Development(24-25):D

जिला मत्स्य कार्यालय, लातेहार।

मत्स्य जीवी सहयोग समिति/सदस्यों के लिए आम सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, रांची के स्वीकृति आदेश संख्या 07 रा0(वि0) दिनांक 19.06.2024 के आलोक में लातेहार जिले के अन्तर्गत कार्यरत प्रखण्ड / जलाशय स्तरीय मत्स्य जीवी सहयोग समिति लि0 / उनके सदस्य को अनुदान पर मछली विपणन एवं मछली परिवहन कार्य के लिए चार पहिया भार वाहक वैन के उपलब्ध कराने हेतु दिनांक 15.07.2024 तक आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

क0 सं0	समग्री का नाम	विभागीय अनुदान	भौतिक लक्ष्य	अभियुक्ति
1	मछली परिवहन हेतु चार पहिया भार वाहक वैन	60% (अधिकतम 3.60 लाख रू0 होगा शेष राशि लाभुक को स्वयं वहन करना होगा)	01	

उपरोक्त योजना के लिए मत्स्य जीवी सहयोग समिति लि0 / उनके सदस्यों /महिला समूह /उनके सदस्यों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। आवेदन पत्र जिला मत्स्य कार्यालय में निःशुल्क उपलब्ध है। मत्स्य लाभुकों / विकेताओं का चयन निम्न आधार पर किया जायेगा–

1. लाभुक द्वारा कम से कम मो0 6.00 लाख रू0 का भार वाहक वैन खरीदने का आवेदन दिया जायेगा। लाभुक अपने इच्छा अनुसार चार पहिया भार वाहक वैन क्रय कर सकते हैं।
2. आवेदक / आवेदक समिति मछली के विपणन कार्य अथवा मछली के बीज का परिवहन करती हो (विपणन कार्य से संबंधित प्रमाण संलग्न करना अनिवार्य होगा)।
3. आवेदक / आवेदक समिति अपना अंशदान लगाने में सक्षम हो।
4. आवेदक मत्स्य जीवी सहयोग समिति का सदस्य हो। जिले के मत्स्य प्रसार पदाधिकारी /पर्यवेक्षक द्वारा लिखित रूप में प्रतिवेदन किया जाएगा, कि आवेदक मत्स्य बिकी अथवा थोक व्यापार से जुड़ा है।
5. दिव्यांग होने की स्थिति में आवेदक को असैनिक शल्य चिकित्सक द्वारा निर्गत दिव्यांगता का प्रमाण पत्र हो।
6. वाहन का निबंधन कराने एवं निर्धारित कर / शुल्क जमा करने की जिम्मेवारी लाभुक की होगी। निबंधन अथवा नगरपालिका का कर आदि का भुगतान लाभुक द्वारा किया जायेगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी
लातेहार।

PR 327589 Fish(24-25)D

JHARKHAND STATE SPORTS PROMOTION SOCIETY
(A CCL- State Govt. of Jharkhand Joint Initiative)
C/o Mega Sports Complex, Khelgaon, Hotwar,
Ranchi- 835217, Registration under Society Act No.519
Registration under GST No. 20AACAJ6436C1Z9
OUR MISSION- OLYMPIC GOLD, Contact no.: 0651 2543320

No:- CEO/LMC/JSSPS/24-25/254 Date:- 20/06/2024

निविदा सूचना

Notice Inviting Tender, NIT 01 of 2024-25

1. Tenders are invited on-line under two part system on the website https://jharkhandtenders.gov.in from the eligible bidders having Digital Signature Certificate (DSC) issued from any agency authorized by Controller of Certifying Authority (CCA), Govt. of India and which can be traced up to the chain of trust to the Root Certificate of CCA, for the following work:

Description of work	Location	Estimated Cost of Work (Including GST) (In Rs.)	Earnest Money (In Rs.)	Period of Completion (In Days)
AMC for Housekeeping works at Mega Sports Complex, Hotwar, Ranchi for two years under JSSPS.	Mega Sports Complex,JSSPS, Khelgaon, Ranchi	6,97,85,679.43	8,72,500.00	730 days

The bid documents will be available on the website(s) https://jharkhandtenders.gov.in and www.centralcoalfields.in and can be downloaded by the bidder up to the bid download end date. There is no Application Fee.

(i). For Site visit of location of work, the prospective bidder(s) may contact Sri Vikas Kumar, Sr. Overseer(Civil), JSSPS, Mobile No.:-7004838366

Tender inviting authority	Contact Person(s)/Tender Dealing Officer(s)
Member (Civil) , LMC, JSSPS, 8092466706	Sr. Overseer (Civil) , LMC, JSSPS, 7004838366

2. Time Schedule of Tender:

Sl. No	Particulars	Date	Time
a.	Tender e-Publication date	28.06.2024	18.00 Hours
b.	Document download start date	29.06.2024	10.00 Hours
c.	Document download end date	15.07.2024	17.00 Hours
d.	Bid Submission start date	29.06.2024	10.00 Hours
e.	Bid submission end date	15.07.2024	17.00 Hours
f.	Start date for seeking Clarification on-line	29.06.2024	10.00 Hours
g.	Last date for seeking Clarification on-line	08.07.2024	17.00 Hours
h.	Date of Pre-bid meeting (if any)	NA	NA
i.	Technical Bid (Cover I) opening date	16.07.2024	17.00 Hours
j.	Price Bid (Cover II) opening date	To be notified later	----------

Sd/-
Member (Civil), LMC, JSSPS

PR 327574 Art Culture Sports and Youth Affairs(24-25)#D

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर भाजपा ने मनाया काला दिवस, किया सेमिनार का आयोजन

आज संविधान की बात करने वाली कांग्रेस की इंदिरा गांधी ने कुचला था संविधान : विरंची नारायण

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। तत्कालिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के द्वारा लगाये आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर मंगलवार को भाजपा ने काला दिवस के रूप मनाते हुए सेमिनार का आयोजन किया। जिसमें बोकारो विधायक विरंची नारायण, भाजपा जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी, भाजपा नेता सुरेश साहू, दिनेश यादव, नेता दिलीप वर्मा, चुन्नुकांत समेत कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान नेताओं और कार्यकर्ता ने अपने बांह में काला पट्टी बांधकर आपातकाल का विरोध जताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोकारो विधायक सह सचेतक विरंची नारायण ने कहा कि इंदिरा सरकार ने 50 साल पहले जो आपातकाल लगाया था। उसकी टिस आज भी युवा महसूस करते हैं। उस वक्त देश के सभी विपक्षी नेताओं को जेल में बंद कर यातनाएं दी गयी थी। कहा कि आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस आज संविधान की दुहाई दे रही है। जबकि कांग्रेस की इंदिरा गांधी ने ही आपातकाल लागू कर इसी संविधान को कुचला था। कहा कि पहले तो कांग्रेस नेताओ को देश से माफी मांगना चाहिए। जिसकी हिम्मत आज तक कांग्रेस नही जुटा पाई है। सेमिनार को जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी, भाजपा नेता सुरेश साहू, दिनेश यादव, नेता दिलीप वर्मा, चुन्नुकांत समेत कई नेताओं ने संबोधित करते हुए अपने विचारों को व्यक्त किया। वहीं जिला महामंत्री संदीप डंगाईच ने कार्यक्रम का संचालन किया। सेमिनार में हरमिंदर सिंह बग्गा, प्रकाश सेठ, मोती लाल, देवमाथ राणा, शालिनी वैशखियार, प्रो विनिता, ज्योति शर्मा समेत कई नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए।

जमसं के बैनर तले जीतपुर कोलियरी चालू कराने को ठेका मजदूरों ने शुरू किया आंदोलन

धनबाद (आजाद सिपाही)। सेल कंपनी के बंद जीतपुर कोलियरी में उत्पादन कार्य चालु करने सहित अन्य मांगों को लेकर मंगलवार को जनता मजदूर संघ के बैनर तले ठेका मजदूरों ने कोलियरी के मुख्य गेट पर दो दिवसीय विरोध प्रदर्शन शुरू किया। मजदूरों का नेतृत्व संघ के शाखा सचिव टोकनाथ तिवारी एवं अध्यक्ष रवींद्र गोप ने किया। प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने जमकर प्रबंधन विरोधी नारे लगाते हुए कोलियरी कि बंदी के लिए अधिकारियों को जिम्मेवार ठहराया। तिवारी ने कहा कि खदान में चाल से पानी का रिसाव हो रहा है। प्रबंधन और डीजीएमएस के अधिकारी साजिश रचकर खदान को हमेशा के लिए बंद करना चाह रही है। प्रबंधन कि गलत मंशा साफ दिख रही है तभी तो मजदूरों का पीएफ कि कटौती को बंद किया गया है ठेका मजदूरों को आवास खाली करने को लेकर नोटिश दिया जा रहा है।

100 वर्ष पुरानी सेल के एकमात्र जीतपुर कोलियरी को अधिकारियों के साजिश के चलते डीजीएमएस और सिंफर द्वारा पानी रिसाव कि जांच के आड़ में जानबूझकर खदान को चालू कराने कि दिशा में टालमटोल कर रही है। उन्होंने कहा कि खदान में कोयला उत्पादन बंद होने से सैकड़ों ठेका मजदूरों के परिवार के समक्ष भुखमरी कि समस्या आ खड़ी हो गयी है। कई ठेका मजदूर के बच्चे आर्थिक अभाव में स्कूल में पठन पाठन बंद हो गया है। स्थानीय दुकानदारो कि व्यवसाई भी चरमरा गयी है। प्रबंधन को सैकड़ों परिवार के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने कि छूट किसी कीमत पर नहीं दिया जायेगा। शाखा अध्यक्ष रवींद्र गोप ने चेतावनी दिया कि प्रबंधन ने अगर जीतपुर कोलियरी को चालू करने कि दिशा में पहल नहीं किया तो दो दिन बाद मजदूर भूख हड़ताल पर जाने को बाध्य होगे। मोके पर दुर्गा चरण महतो, विनय पांडये, प्यारे लाल नौनिया, दिनेश कुमार, अनिल यादव, प्रकाश बर्मा, शंकर महतो, विकाश कुमार महतो, दीपक कुमार सिंह ,शिव कुमार तिवारी आदि थे।

अमरेश सिंह ने जर्जर सड़क को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। मंगलवार को लुबी सर्कुलर रोड स्थित धनबाद नगर निगम आयुक्त रवि राज शर्मा के कार्यालय में वरिष्ठ भाजपा नेता अमरेश सिंह के नेतृत्व में खरिकाबाद प्रामाणिक बस्ती के निवासियों ने क्षेत्र में मुख्य सड़क का निर्माण और पानी उपलब्धता के लिए मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। जिसमें नगर आयुक्त ने प्राथमिकता से जल्द से जल्द टेंडर प्रक्रिया में भेजने का आश्वासन दिया। मौके पर अमरेश सिंह ने बताया की खारिकाबाद प्रमाणिक बस्ती के लोगों ने पिछले लोकसभा के चुनाव में धनबाद में आयोजित जनसभाओं और क्षेत्र भ्रमण के दौरान उनके आग्रह पर एवं खरिकाबाद प्रमाणिक बस्ती की जर्जर सड़क, पानी और अन्य समस्याओं को शीघ्र संज्ञान में लेकर संबंधित विभाग से वार्ता कर समाधान करने का वादा किया था जिससे प्रभावित होकर वहां के निवासियों ने भाजपा के पक्ष में बढ़-चढ़कर मतदान किया था। अब किए गये सारे वादाओं को पूरा करने के मद्देनजर आज नगर आयुक्त से फरीदाबाद प्रमाणिक बस्ती क्षेत्र की 4 किलोमीटर जर्जर सड़क का निर्माण हेतु ज्ञापन सोपा गया है। खरिकाबाद प्रमाणिक बस्ती से भूली जाने वाली इस रोड में आउटसोर्सिंग की भारी भरकम गाड़ियां चलती है जिससे रोड काफी जर्जर और खतरनाक हो चुका है। इस सड़क में छोटी

वाहनों के साथ-साथ बच्चे, महिलाएं और बुजुर्गों का चलना मुश्किल हो गया है जो काफी गंभीर मुद्दा है। वार्ता के पश्चात नगर निगम आयुक्त का आश्वासन मिला है कि जल्द ही इस दिशा में कारगर कदम उठाकर सड़क निर्माण कार्य शुरू किया जायेगा। भाजपा नेता अमरेश सिंह के नेतृत्व में खारिकाबाद बस्ती के प्रतिनिधि मंडल में कमल किशोर, मनोज प्रामाणिक अश्विनी प्रामाणिक, बिभाष प्रामाणिक, कृष्णा यादव, लखन भुइयां, बजरंगी कुमार उपस्थित थे।

मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए जागरूकता रैली का आयोजन

धनबाद (आजाद सिपाही)। मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता को लेकर समाज कल्याण विभाग के द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमे स्कूली बच्चों ने साइकिल से इस रैली में हिस्सा लिया। जागरूकता रैली को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर एवं डीपीएम जेएसएलपीएस शैलेश रंजन द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। यह जागरूकता रैली सिटी सेंटर से शुरू हो कर रणधीर वर्मा चौक तक गयी। रैली के समापन पर सभी ने नशा के खिलाफ शपथ भी लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग से बचने के लिए समाज से अपील की। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, इसका सेवन किसी भी प्रकार से हितकारी नहीं है। नशा शरीर में रोगों और आपराधिक गतिविधियों की जड़ है। नशे का सेवन करने वाला व्यक्ति समाज में अपना मान-सम्मान खो देता है। लोगों के साथ परिवार और समाज के विकास में नशा सबसे बड़ी रुकावट है। नशा एक अभिशाप है, जो दिन प्रति दिन समाज में धुएं की तरह फैलती जा रही है। नशे के कारण लोग हिंसा, शोषण, दुर्घटना आदि के शिकार हो रहे है। नशा एक सामाजिक समस्या है जो दीमक की तरह परिवार, समाज और देश को विनाश की ओर ले जा रहा है। नशा के कारण लोगों की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस, पुलिस पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहें।

थापरनगर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं व द्रुतगामी ट्रेनों के ठहराव के लिए

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने स्टेशन पर दिया एक दिवसीय धरना

आजाद सिपाही संवाददाता

एग्यारकुंड। मंगलवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष उमेश गोस्वामी के नेतृत्व में आसनसोल मंडल के थापरनगर स्टेशन पर यात्रि सुविधा और द्रुतगामी ट्रेनों के ठहराव को लेकर एक दिवशीय धरना दिया गया। धरना दो घंटे तक चला ततपश्चात आसनसोल मंडल रेल प्रबंधक के नाम थापरनगर स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौपा गया। धरनास्थल पर राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष उमेश गोस्वामी ने कहा कि स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का घोर अभाव है। बिजली, पानी, सड़क, शौचालय की समुचित ब्यवस्था नहीं है। इतना ही नही अप एंड डाउन प्लेटफॉर्म आमने सामने नही है। दोनों प्लेटफॉर्म दो छोर पर हैं। अप प्लेटफॉर्म पूरब दिशा में है तो दूसरा डाउन प्लेटफॉर्म पश्चिम दिशा में। आने जाने का रास्ता रेलवे ट्रैक से है। लोग जान जोखिम में डाल एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाते हैं। उन्होंने कहा कि थापरनगर स्टेशन 14 कोलियरी,स्कूल कॉलेज, पालीटेक्निक, पुलिस थाना व ओपी, तीन तीन प्रखंड और मैथन थर्मल पावर, और

दामोदर वेली कॉपोरेशन, बैंकों के अलावा छोटे बड़े कल कारखाने से घिरा हुआ है। यंहा बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेस, पंजाब, दिल्ली के लोग ब्यवसाय से जुड़े हैं, बहुत लोग नोकरी पैसे में हैं। आने जाने के लिये स्टेशन पर दूरगामी ट्रेनों का ठहराव नहीं है। द्रुतगामी ट्रेनों को पकड़ने के लिये यंहा के लोंगों को 30 किलो मीटर पूरब आसनसोल या 30 किलो मीटर पश्चिम धनबाद जाना पड़ता है। मानसिक व आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है।

गोस्वामी ने कहा कि दुखद बात तो यह है कि जो भी दो चार ट्रेनें गोमो धनबाद से आसनसोल बर्दमान तक चलती है उसमें मेमू ट्रेनों का किराया एक्सप्रेस का लिया जाता है। उन्होंने अन्य सुविधाओं के साथ शक्तिपुंज, मौर्य, पाटलिपुत्र, कोलफील्ड, ब्लेक डाउन, देहरादून, जम्मूतवी, के साथ धनबाद पटना इन्टरसिटी के ठहराव की मांग किया है। उन्होंने रेलवे के वरीय अधिकारियों पर थापरनगर स्टेशन के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। गोस्वामी ने कहा कि अगस्त माह तक उक्त समस्याओं के निराकरण में सार्थक पहल की जाये अन्यथा बाध्य होकर आंदोलन को बाध्य होना पड़ेगा जिसकी जबाबदेही रेलवे की होगी। मंडल रेल प्रबंधक आसनसोल को प्रेषित ज्ञापन की छायाप्रति महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व रेलवे कोलकाता, सचिव रेल मंत्रालय भारत सरकार, राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नयी दिल्ली, प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक हुसैनाबाद को प्रेषित किया है।

बच्चियों के बीच बांटी जायेंगी निःशुल्क साइकिल

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। पाठशाला जो विगत कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान दे रही है ने बच्चियों के स्वावलंबन और उन्हें पढ़ाई में बाधा ना हो इसके लिये मिशन बेटियों की उड़ान प्रारंभ किया है। इस मिशन के अंतर्गत कक्षा 5 से लेकर 12वीं तक की बच्चियों को निःशुल्क साइकिल वितरण करने की योजना है। इस मिशन का प्रारंभ पाठशाला एजुकेशनल ट्रस्ट के संस्थापक देव कुमार वर्मा की

माताजी मधु देवी द्वारा आज भागाबस्ती शाखा में कक्षा 5 की नित्या और नैना को साइकिल और नये कपड़े देकर प्रारंभ किया गया। बताते चले की पाठशाला पिछले 10 वर्षों में अब तक लगभग 1500 से ज्यादा बच्चों को कक्षा एक से लेकर इंजीनियरिंग तक की पढ़ाई का खर्चा वहन कर चुकी है। साथ पाठशाला के कई बच्चों ने दसवीं के सीबीएसई और 12वीं के सीबीएसई परीक्षा में परचम लहराया है। पाठशाला की जिन बच्चों ने 10वीं और 12वीं में अच्छे अंक आए हैं उसमें ओमआदित्य, अनिकेत, आशीष, श्रुति, रिया आदि सम्मिलित। पाठशाला के प्रधानाचार्य नीलकंठ महतो ने बताया कि आने वाले 10 दिनों के अंदर 50 बच्चियों को साइकिल वितरण करने की योजना की गयी है जिसमें कुल लागत करीब 3 लाख रुपये की होगी इसके लिए आम जनों से भी सहयोग मांगा गया है। इस योजना को सफलता पूर्वक संचालन के लिए विद्यालय ने के सभी शिक्षक शिवकुमार शर्मा, सुनील सरकार, प्रिया और विजय का योगदान है। मिशन बेटियों की उड़ान की प्रेरणा पाठशाला एजुकेशनल ट्रस्ट की अध्यक्षा और बीआईटी सिंदरी में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर प्रियंका कुमारी की सोच का एक प्रतिबिंब है।

डीवीसी ने पंचेत डैम पर रियल टाइम डेटा अधिग्रहण प्रणाली को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

एग्यारकुंड (आजाद सिपाही)। डीवीसी ने राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के तहत 83 टेलीमेट्री साईट्स पर रियल टाइम डेटा अधिग्रहण प्रणाली (आरटीडीएक्स) लगाया है। इस प्रणाली को लेकर डीवीसी ने पंचेत डैम में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में वरीय प्रबंधक (सिविल) सूरज कुमार ने आरटीडीएक्स मशीन और एडब्ल्यूएलआर, एएनएस एवं एआरजी के कार्य सिद्धांत के संबंध में विस्तार से लोगों को बताया। उन्होंने बताया कि ये मशीनें मौसम के बारे में तापमान, वर्षा, जलस्तर, वाष्पीकरण, आर्द्रता, सौर विकिरण, वायु गति, दिशा आदि को सही समय पर सही जानकारी देते हैं। कहा कि ये मशीनें या प्रणालियां राष्ट्रीय संपति है और इन्हें सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। इनसे छेड़छाड़ नहीं करना चाहिए। मौके पर डीवीसी पचेत परियोजना प्रमुख आर आर शर्मा, डीजीएम मानिक पांडेय, वरीय प्रबंधक नागसुधा कुमारी, आलोक बनर्जी, निलेश एक्का, केदारनाथ दत्ता सहित दर्जनों डीवीसी कर्मी एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, रॉंची

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

पत्रांकः–दिनांक–

ई–निविदा संख्याः–26/2023-24/RWD /EE/RANCHI

क्रम सं0	आईडेन्टी फिकेषन संख्या/ पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राषि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की तिथि/ अवधि	टेण्डर कॉल नं0
1	RWD/RANCHI/ 48/ 2023-24	फुटकल टोली ग्राम के विभिन्न गलियों में दशरथ मुण्डा के घर से नसीम अंसारी के घर तक पथ निर्माण कार्य। (ल0–1.480 किमी0)	1,69,79,900 .00	एक करोड़ उनहतर लाख उन्यासी हजार नौ सौ मात्र।	9 माह	प्रथम
2	RWD/RANCHI/ 49/ 2023-24	नयासराय पी0डब्लू0डी0 रोड से नयासराय कुटे गाँव के विभिन्न गलियों भाया फैजुल इस्लाम मदरसा गोदरेज फैक्ट्री तक पथ निमार्ण कार्य। (ल0–1.600 कि0मी0)	1,64,63,600 .00	एक करोड़ चौंसठ लाख तिरसठ हजार छः सौ मात्र।	9 माह	प्रथम
3	RWD/RANCHI/ 50/ 2023-24	मुख्य पथ कनजिया इमली पेड़ से स्कूल टांगरा तक पथ निर्माण कार्य। (ल0–2.300 कि0मी0)	2,27,63,600 .00	दो करोड़ सताईस लाख तिरसठ हजार छः सौ मात्र।	12 माह	प्रथम
4	RWD/RANCHI/ 51/ 2023-24	माण्डर बाजारटांड़ से करगे तक प थ निर्माण कार्य। (ल0–2.885 कि0मी0)	3,36,95,500 .00	तीन करोड़ छत्तीस लाख पन्चानबे हजार पाँच सौ मात्र।	12 माह	प्रथम
5	RWD/RANCHI/ 52/ 2023-24	नयासराय रेलवे फाटक मुख्य पथ से मठटोली तालाब तक पथ निर्माण कार्य। (ल0–1.132 कि0मी0)	1,30,11,800 .00	एक करोड़ तीस लाख ग्यारह हजार आठ सौ मात्र।	9 माह	प्रथम

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः–27.06.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः–18.07.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः–20.07.2024 अपराह्न 3.30 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची।
5. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0651–2360137

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमण्डल,
राँची

PR 327645 REO(24-25)D

हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं॰ 05/2024–25

Head :- Urban Transport, Civic Amenities

Group No.	Name of work	Estimated Cost (Rs.)	Earnest Money (Rs.)	Cost of BOQ (Rs.)	Completion period for construction
1.	Construction of R.C.C Drain from Govt. School to H/o Dilip Ram via Ravidas Mohallah in Ward No. 35 Under Municipal Corporation, Hazaribag	9,96,000/-	20,000/-	5,900/-	30 Days
2.	Construction of R.C.C Drain from H/o Veena Kumari to H/o Ramchandra Garay in Ward No. 12 Under Municipal Corporation, Hazaribag	4,50,000/-	10,000/-	5,900/-	30 Days
3.	Construction of P.C.C road and R.C.C Drain in Basanti Gali in Ward No. 28 Under Municipal Corporation, Hazaribag	9,95,000/-	20,000/-	5,900/-	30 Days
4.	Construction of R.C.C Drain from HDFC Bank to C.K. Marble in Ward No. 26 Under Municipal Corporation, Hazaribag	9,00,000/-	18,000/-	5,900/-	30 Days
5.	Beautification of Canary Samshan Ghat Under Municipal Corporation, Hazaribag	8,49,500/-	18,000/-	5,900/-	30 Days
6.	Construction of P.C.C road from H/o Anupam Sinha to H/o Yaswant Singh via H/o Balram Ji in Ward No. 05 Under Municipal Corporation, Hazaribag	9,10,600/-	20,000/-	5,900/-	30 Days

1. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान तिथि एवं समय	:	नगर निगम कार्यालय, हजारीबाग दिनांक 10.07.2024 से लेकर 11.07.2024 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से 2.00 बजे अपराह्न तक
2. निविदा प्राप्ति का स्थान तिथि एवं समय	:	नगर निगम, हजारीबाग दिनांक 12.07.2024 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से 2.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा खोलने का स्थान तिथि एवं समय	:	नगर निगम, हजारीबाग दिनांक 13.07.2024 को 2.00 बजे अपराह्न से अंतिम निविदा खुलने तक
4. विज्ञापनदाता का पदनाम	:	नगर आयुक्त–सह–प्रशासक, नगर निगम, हजारीबाग।

नोट :– निविदा से संबंधित शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालय अवधि में नगर निगम कार्यालय में देखा जा सकता है।

ह०/–
नगर आयुक्त–सह–प्रशासक
नगर निगम, हजारीबाग

PR 327651 Urban Development and Housing(24-25).D

जिला अभियंता का कार्यालय जिला परिषद, खूँटी

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई० टेन्डर रिफरेन्स नम्बर – **DOPR/DE/KHUNTI/02/2024-25**

क्र.	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्रा० राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	मुरहू	खूँटी जिला के मुरहू प्रखण्ड अन्तर्गत पंचायत कुंजला के ग्राम इटठे स्कूल के पास सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य।	14,11,150.00	28500.00	2500.00	3 माह
2	मुरहू	खूँटी जिला के मुरहू प्रखण्ड अन्तर्गत राँची चाईबासा मुरहू मेन रोड से शफीफ खान के किराना दुकान से मस्जिद जाने वाली गली जेशान का लोहा दुकान तक नाली निर्माण 1000 फीट ढक्कन सहित।	18,65,700.00	37500.00	5000.00	3 माह
3	रनियाँ	प्रखण्ड रनियाँ अन्तर्गत पंचायत सोदे के ग्राम सोदे बाजार टांड से सोदे कुम्हार टोली पुल तक 1000 फीट रोड के दोनों तरफ ढक्कन सहित पक्की नाली निर्माण।	19,37,800.00	39000.00	5000.00	3 माह
4	तोरपा	तोरपा प्रखण्ड के पंचायत कमड़ा में ग्राम सिरका टोली में धनी गुडिया के कूप से नाला तक पक्की नाली का निर्माण।	7,88,900.00	16000.00	1250.00	3 माह
5	रनियाँ	रनियाँ प्रखण्ड के पंचायत तांबा में ग्राम सरवो बड़का टोली में हलन डांग के घर से लेकर जेम्स बरजो के घर तक 1500 फीट पक्की नाली का निर्माण कार्य।	20,63,300.00	41500.00	5000.00	3 माह
6	अड़की	प्रखण्ड अड़की अन्तर्गत पंचायत सरगेया में ग्राम राउता में 200 फीट नाली एवं ढक्कन का निर्माण।	2,25,300.00	5000.00	500.00	2 माह
7	अड़की	प्रखण्ड अड़की अन्तर्गत पंचायत सरगेया के ग्राम कोटा में हेट कोटा गाँव में इन्द्रो मुण्डा के घर से गोदे मछुवा के घर तक 500 फीट नाली का निर्माण।	5,82,000.00	12000.00	1250.00	2 माह

नोट :–
1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समयः– 28.06.2024 के अपराह्ण 05:00 बजे।
2. ई–निविदा डालने की अंतिम तिथिः– 13.07.2024 के अपराह्ण 05:00 बजे तक।
3. ई–निविदा की परिमाण विपत्र एवं अग्रधन की राशि ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः– 13.07.2024 के अपराह्ण 05:00 बजे तक(e-Procurement Portal-jharkhandtenders.gov.in)
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 15.07.2024 अपराह्ण 04:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430752050
7. जिला परिषद, खूँटी के समुचित श्रेणी का निबंधन ही मान्य होगा।
8. प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुरुप ही अग्रधन की राशि (ऑनलाईन) जमा करना होगा एवं इस संबंध में में कोई दावा मान्य नहीं होगा।
9. अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह०/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, खूँटी

PR 327641 District(24-25).D

हीराकुंड बांध परियोजना से विस्थापित लोगों की मांग होगी पूरी

राज्य के सभी सरकारी विभागों को कार्यालय के लिए मिलेगी जमीन

आजाद सिपाही संवाददाता

- ओड़िशा सरकार ने दिसंबर तक भूमि का पट्टा जारी करने की सुविधा देने का फैसला किया

भुवनेश्वर। ओड़िशा में अब सभी सरकारी विभागों को उनके खुद के स्थायी कार्यालय के लिए सरकार जमीन देगी। इसके लिए राज्य सरकार ने इस साल दिसंबर तक अपने सभी विभागों को भूमि पट्टे जारी करने की सुविधा देने का फैसला किया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि विभागों को पट्टे जारी किए जायेंगे, ताकि वे किराये के मकानों में रहने के बजाय अपना भवन बना कर वहीं से काम कर सकें। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उनके विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है।

राजस्व पट्टे जारी करने की पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि संबलपुर जिले में हीराकुंड बांध परियोजना से विस्थापित लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग भी पूरी की जायेगी। उन्होंने कहा कि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज विस्थापितों को स्थायी भूमि पट्टे जारी किये जायेंगे। इस प्रक्रिया में किसी भी तरह की अड़चन को दूर किया जायेगा और विस्थापितों को परेशान करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। मंत्री ने आगे कहा कि सरकार प्राकृतिक आपदाओं के कारण लोगों के नुकसान को कम करने के लिए हर संभव कदम उठायेगी। उन्होंने कहा कि चूंकि हमारा राज्य चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से ग्रस्त है, इसलिए हमें एक स्थायी प्रणाली तैयार करने की आवश्यकता है, जो आपदा-ग्रस्त क्षेत्रों में लोगों को होने वाले नुकसान को कम करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हुआ, तो सरकार आपदा प्रबंधन पर नवीनतम तकनीक अपनायेगी और इस क्षेत्र के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद लेगी।

अगले महीने रूस का दौरा करेंगे मोदी, पुतिन के साथ होगी बैठक

एजेंसी

मॉस्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी मॉस्को दौरे की भारत और रूस योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स ने रूसी समाचार एजेंसी आरआइए के हवाले से मंगलवार को यह जानकारी दी। आरआइए के मुताबिक एक राजनयिक सूत्र ने संकेत दिया कि पीएम मोदी जुलाई में रूस का दौरा करने वाले हैं। क्रेमलिन ने इससे पहले मार्च में घोषणा की थी कि मोदी को रूस आने का निमंत्रण मिला है। सूत्र ने इस बात की भी पुष्टि की कि पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक बैठक होने वाली है। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा होती है, तो यह 2019 के बाद से और यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद बाद उनकी पहली रूस यात्रा होगी। राष्ट्रपति पुतिन आखिरी बार वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए 2021 में नई दिल्ली आए थे। बीते दो वर्षों से यह वार्षिक सम्मेलन आयोजित नहीं किया गया है। पीएम मोदी आखिरी बार 16 सितंबर 2022 को उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के मौके पर पुतिन से मिले थे, तब उन्होंने यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने की सलाह दी थी।

पोर्श एक्सीडेंट केस में नाबालिग को जमानत मिली

आजाद सिपाही संवाददाता

पुणे। पुणे पोर्श एक्सीडेंट केस में बॉम्बे हाइकोर्ट ने मंगलवार को आरोपी नाबालिग को जमानत दे दी है। साथ ही उसे बाल सुधार गृह से तुरंत रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि हमें आरोपी के साथ वैसे ही पेश आना होगा, जैसे हम कानून का उल्लंघन करने वाले किसी और बच्चे के साथ पेश आते। फिर चाहे अपराध कितना भी गंभीर क्यों न हो। नाबालिग आरोपी ने 18-19 मई की रात पुणे के कल्याणी नगर इलाके में आइटी सेक्टर में काम करने वाले बाइक सवार युवक-युवती को टक्कर मारी थी, जिससे दोनों की मौत हो गयी। घटना के समय आरोपी नशे में था। वह 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पोर्श स्पोर्ट्स कार चला रहा था। उसे 22 मई को बाल सुधार गृह भेजा गया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने यह आदेश आरोपी लड़के की आंटी की तरफ से दाखिल याचिका पर दिया। पिछले हफ्ते दाखिल की गयी इस याचिका में कहा गया था कि लड़के को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया है।

DAS MUSICAL STORES
DAS RUBBER STAMP
Wholesale & Ratails
Dealers of all Musical Instruments
Mob.: 9835164815/ 8825354800/7250933033
MAIN ROAD, RANCHI, OPP. HANUMAN MANDIR
KOKAR , H.B. ROAD, OPP. R.L.S.Y. SCHOOL , RANCHI

कटक एससीबी में स्वास्थ्य मंत्री ने बेहतर सेवाएं देने की सलाह दी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। कटक एससीबी में स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग ने मरीजों को बेहतर सेवाएं देने और मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करें। डॉक्टरों की सुरक्षा और मरीजों का इलाज करना सरकार की जिम्मेदारी है। राज्य के नये स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि डॉक्टर और मरीजों के बीच कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मुकेश महालिंग ने पहली बार कटक एससीबी मेडिकल का दौरा किया।

सबसे पहले प्रिंसपाल कार्यालय पहुंचने पर एससीबी चिकित्सा अधीक्षक और प्रिंसपाल ने स्वास्थ्य मंत्री का भव्य स्वागत किया। बाद में एससीबी अधीक्षक और प्रिंसपाल के साथ बैटरी गाड़ी से सर्जरी विभाग पहुंचे और रोगी देखभाल की समीक्षा की। साथ ही वह मरीजों से बात करते थे और चिकित्सा सुविधाओं के बारे में पूछते थे। बाद में उन्होंने मेडिकल जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित संबर्धना बैठक में भाग लिया और जूनियर डॉक्टरों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बाद में उन्होंने प्रिंसपाल कांफ्रेंस हाल में आयोजित बैठक में भाग लिया और विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की।

मोहन यादव सरकार ने पेश की नजीर

मंत्रियों का इनकम टैक्स अब नहीं भरेगी मध्यप्रदेश सरकार

- कैबिनेट ने 52 साल पुराना नियम बदला
- सरकार ने पांच साल में जमा किये 3.24 करोड़ रुपये

शहीदों के माता-पिता को भी मिलेगी आर्थिक सहायता

कैबिनेट बैठक में यह भी फैसला किया गया कि केंद्रीय और राज्य की पैरामिलिट्री और फोर्स की सेवा में शहीद होने वाले अफसरों, कर्मचारियों की सरकार की ओर आर्थिक सहायता शहीद की पत्नी को दी जाती थी। सरकार ने तय किया है कि अब सहायता की 50 प्रतिशत राशि शहीद के माता-पिता को भी दी जायेगी।

आजाद सिपाही संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने देश में एक नजीर पेश किया है। वहां की राज्य सरकार मंत्रियों का इनकम टैक्स अब जमा नहीं करेगी। इसका भुगतान अब मंत्री ही करेंगे। सरकार ने 1972 का नियम बदल दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव की कैबिनेट ने मंगलवार को यह फैसला किया है। बैठक में मुख्यमंत्री ने इसका सुझाव रखा, जिस पर सभी ने सहमति दी है। सरकार ने पिछले 5 साल में 3.24 करोड़ रुपये टैक्स जमा किया था। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया, सीएम ने बैठक में कहा कि मंत्रियों को मिलने वाले भत्ते पर लगने वाला इनकम टैक्स राज्य सरकार देती है। इसमें सुधार किया जाना चाहिए। इसके बाद सभी ने सीएम के प्रस्ताव पर सहमति दी। इससे संबंधित अधिनियम समाप्त कर मंत्रियों के भत्ते पर लगने वाला इनकम टैक्स सरकार से जमा कराने की व्यवस्था खत्म करने को कहा है। इसके बाद अब मंत्री खुद इनकम टैक्स भरेंगे। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि जेल सुधार में कैसे सुविधाएं बढ़ायी जायें और कैदियों को रोजगार से जोड़ा जाये। इस दिशा में सरकार विधानसभा में विधेयक लायेगी।

VERMA PRESS

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची

Verma's® Today®

श्रृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 120	English Grammar– II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू

डिप्टी सीएम ने पर्यटन भवन में लगाया पौधा

- ओड़िशा को हरित राज्य बनाने का आह्वान किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया गया है। इसी कड़ी में उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री प्रभाती परिडा ने पौधारोपण किया। उन्होंने भुवनेश्वर में पर्यटन भवन के परिसर में 'बौल' वृक्षों के पौधे लगाये और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उपमुख्यमंत्री श्रीमती परिडा ने मां को सम्मान और ओड़िशा को हरित राज्य बनाने को महत्व दिया है। उन्होंने राय व्यक्त की कि प्रदेश में हरियाली की जरूरत है। उन्होंने पर्यटन अधिकारियों को पूरे राज्य में इसे और अधिक बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया और इस अच्छे काम में सभी का सहयोग मांगा। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री श्रीमती परिडा ने पांथनिवास का दौरा कर वहां पौधारोपण किया और विभिन्न अधिकारियों से पांथनिवास की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। कार्यक्रम में पर्यटन निदेशक सचिन रामचंद्र यादव, ओटीडीसी के महाप्रबंधक डॉ लालट्टेंदु साहू और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चांद के सबसे अंधेरे हिस्से से मिट्टी लाया चीन

- ऐसा करने वाला पहला देश बना
- 2030 तक इंसानों को चांद पर भेजने का लक्ष्य

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। चीन का मून मिशन चांद की सतह से मिट्टी लेकर धरती पर पहुंच गया है। इसी के साथ वह पहला देश बन गया है, जो चांद के अंधेरे हिस्से से सैंपल लाने में सफल रहा है। चीनी नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन का चैंग'ई-6 लैंडर 53 दिन बाद कैप्सूल में सैंपल लेकर धरती पर लौटा है। चीन ने 3 मई को चैंग'ई-6 मिशन लॉन्च किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इस प्रोब का लक्ष्य चांद के सबसे दूर वाले हिस्से (जहां अंधेरा होता है) पर जाकर सैंपल इकट्ठे करके इन्हें धरती पर भेजना था। चीन ने 2030 तक इंसान को चांद पर भेजने का लक्ष्य रखा है। यह मिशन भी उसी टारगेट का हिस्सा है। अभी तक चांद पर जा चुके सभी 10 लूनर मिशन पास वाले हिस्से (जो हमें दिखता है) पर ही पहुंचे हैं। इनमें भारत और अमेरिका भी शामिल हैं। ऐसे में चांद ने फार साइड से सैंपल लाकर स्पेस रेस में अमेरिका को कड़ी चुनौती दी है।

सीएनएन के मुताबिक, चैंग'ई-6 का री-एंट्री मॉड्यूल चीन के उत्तरी हिस्से में मंगलवार सुबह 11:30 बजे (भारतीय समय के मुताबिक) लैंड हुआ। इसके बाद एक सर्च टीम कुछ मिनटों के अंदर इस मॉड्यूल तक पहुंच गयी। चीन के वैज्ञानिकों ने मिशन के सफल होने की जानकारी दी।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि इस मिशन की सफलता चीन के सपने को सच करने में मील का पत्थर साबित होगी। इसके जरिए चीन स्पेस पावर बनने के और करीब पहुंच गया है। इंसानों को भेजने के अलावा चीन 2030 तक चांद के साउथ पोल पर एक रिसर्च बेस बनाना चाहता है।

चांद की सतह से 2 किलो मिट्टी लाया चांद का मिशन

दरअसल, अब तक की रिसर्च में संभावना जतायी गयी है कि चांद के इस हिस्से पर बर्फ के तौर पर पानी मौजूद है। अमेरिका भी चांद के इसी हिस्से पर अपना बेस बनाना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, चैंग'ई-6 मिशन अपने साथ चांद की सतह से 2 किलो मिट्टी लेकर लौटा है। चांद की सतह से सैंपल इकट्ठे करने के लिए ड्रिल और रोबोटिक आर्म का इस्तेमाल किया गया था।

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act - 06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)
BDSU
Admission Open : 2024-25
B.TECH CSE | CSE (AI) | CE | EEE
CSE (CYBER SECURITY)
4 Yrs Regular Eligibility : 10+2 / I.Sc
DIPLOMA CSE | EEE | CE
ME | EE
3 Yrs Regular Eligibility : 10th Pass
OTHER PROGRAMES : B. Pharm | D.Pharm | BCA
MCA | BBA | MBA | B.Lib.I.Sc | M.Lib.M.Sc | ITI
Programes Run & Managed by Vananchal Educational & Welfare Trust
B.D.S. | B.H.M.S | B.Sc. Nursing | GNM | ANM | B.Sc. (Medical) | B.Sc. MLT
B.Ed. | D.EL.Ed | M.D. | M.D.S. | M.Sc. (Medical) | PARAMEDICAL
BDSU : FARATHIYA, GARHWA-822114, JHARKHAND
9661462506, 6206297213, 9934688493
bdsu.ac.in | vananchaltrust.org

रेल मंत्रालय ने खुर्दा रोड पर रेलवे फ्लाइओवर बनाने की मंजूरी दी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पूर्व तट रेलवे ने खोरधा रोड स्टेशन पर बढ़ती रेल आवाजाही और यातायात को देखते हुए एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना को मंजूरी दी है। पूर्व तट रेलवे ने पहले हावड़ा-चेन्नई मुख्य लाइन और खुर्दा रोड-पुरी शाखा लाइन पर ट्रेन की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और ट्रेन की देरी को कम करने के लिए फ्लाईओवर के निर्माण का प्रस्ताव दिया था। भारतीय रेलवे की ऊर्जा गलियारा योजना के तहत लागू की जाने वाली यह परियोजना व्यस्त रेलवे खंडों पर ट्रेन संचालन की दक्षता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

प्रस्तावित फ्लाईओवर, जिसकी अनुमानित लागत 191.87 करोड़ रुपये है, उनका उद्देश्य विशेष रूप से पुरी से भुवनेश्वर तक जाने वाली ट्रेनों को लाइन से जोड़ने के लिए एक समर्पित बुनियादी ढांचे को जोड़ कर खुर्दा रोड स्टेशन पर ट्रेन यातायात समस्या का समाधान करना है। 7.41 किमी लंबे फ्लाईओवर का निर्माण उपलब्ध रेलवे भूमि के भीतर या परियोजना के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता को कम करते हुए किया जायेगा।

परियोजना की मुख्य बातें

परियोजना लागत : फ्लाईओवर का निर्माण 191.87 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर किया जायेगा।
लंबाई : फ्लाईओवर ब्रिज 7.41 किमी लंबा है।
यात्री ट्रेन की आवाजाही को सुविधाजनक बनाना : पुरी से भुवनेश्वर तक यात्रा करने वाली ट्रेनों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाना।
ऊर्जा गलियारा योजना : यह निर्माण भारतीय रेलवे के ऊर्जा गलियारे का हिस्सा होगा। टिकाऊ और कुशल बुनियादी ढांचे को विकसित करने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करेगा।
परिचालन दक्षता : नया फ्लाईओवर हावड़ा-चेन्नई मुख्य लाइन और खुर्दा रोड-पुरी शाखा लाइन दोनों पर ट्रेनों की औसत गति और दक्षता में सुधार करेगा और क्रॉसिंग पर यातायात बाधाओं को खत्म करेगा।
भीड़भाड़ से राहत : मेन लाइन की ट्रेनों को अब खुर्दा रोड स्टेशन पर नहीं रोका जायेगा, जिससे इस व्यस्त जंक्शन पर आने वाली ट्रेनों की प्रतीक्षा अवधि काफी कम हो जायेगी।

रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता
ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • अंक शास्त्र
पंडित शशि कांत मिश्रा
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट-भुतपूर्व वारगेन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**